फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 259 प्रभात जयपुर, गुरूवार 23 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The VOC Factories of Bengal

The plan of Fort Gustavus shows the different compartments inside the factory beside the main area. There were gardens, water tanks, a hospital, a church, a cemetery and storage house

"A wonderful Rajasthani dining experience"

अजीब सा लगा, जब गहलोत व पायलट एक ही मंच पर, गले मिलते, हँसते, गल-बहियां होते नज़र आए

मौका था, कांग्रेस ओबीसी काउंसिल की बैठक का, जो राहुल गांधी ने आहूत की थी

- राहुल गांधी का मैसेज था कि देश के व राज्यों के ओबीसी नेता मिलकर बैठें तथा ओबीसी के मुद्दों पर एक सर्वमान्य राय बनाएं, जिससे यह उभर कर सामने आए कि ओबीसी के कौन से मुद्दे, राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जा सकते हैं।
- राहुल ने इसी संदर्भ में आगे कहा कि अब तक उनके पास नेता अपनी व्यक्तिगत परेशानियाँ लेकर आते थे, यह रूकना चाहिए तथा इन नेताओं को तय करना चाहिए, मिल बैठकर, कि कौन से मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाने चाहिए, किन मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- शायद राहुल की इस सोच की अनुपालना में गहलोत और पायलट के प्रेम पूर्वक मिलाप का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। राजस्थान कांग्रेस के दो ओबीसी नेता, जो आमतौर पर एक-दूसरे के कट्टर विरोधी माने जाते हैं और एक-दूसरे को बिल्कुल पसंद नहीं करते, हाल ही में हाथ मिलाते, साथ में हँसते और परस्पर समर्थन, प्रेम तथा एकता का संदेश देते हुए देखे गए।

वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने तस्वीरें खींच रहे फोटोग्राफरों से कहा कि वे इन तस्वीरों को क्लिक करें और सुरक्षित रखें।

दूसरे नेता सचिन पायलट थे।

दोनों इंदिरा भवन में राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई कांग्रेस ओबीसी परिषद की बैठक में उपस्थित थे।

दिलचस्प बात यह रही कि राहुल गांधी ने चर्चा की शुरुआत विभिन्न राज्यों और देशभर से आए ओबीसी नेताओं से यह कहकर की कि वे एकजुट हों, साथ आएं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनाएं, जिन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की जरूरत है उन्हें तय करें, और फिर सहमति वाले मुद्दों के साथ उनके पास आएं, ताकि वे उन्हें पार्टी के भीतर और अन्य मंचों पर उठा सकें। राहुल गांधी ने कहा कि नेता उनके पास व्यक्तिगत रूप से अपने-अपने मुद्दों के साथ आते हैं, लेकिन अब यह बंद होना चाहिए और उन्हें उन अहम मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिन पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है।

राहुल गांधी ने उपस्थित ओबीसी नेताओं से यह भी कहा कि सरकार उनकी जातिगत जनगणना की मांग मान चुकी है, और यह कार्य यह सुनिश्चित करने के लिए होना ही चाहिए कि ओबीसी, दलित और अन्य वर्गों को सत्ता संरचना में उनका उचित हिस्सा मिल सके, जिसकी वे मांग कर रहे हैं।

आईआरएस अफसर की बेटी की रेप के बाद हत्या

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह एक सीनियर आईआरएस अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। युवती घर में अकेली थी।

आईआरएस अफसर और उनकी पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। वापस लौटे तो बेटी का शव कमरे में मिला। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। शुरुआती जांच के अनुसार,

- पुलिस ने आरोपी राहुल मीणा को एक होटल से गिरफ्तार कर लिया है। वह उक्त अफसर के घर में नौकर था।

उसके साथ पहले रेप किया गया। फिर मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की गई।

घटना के करीब 14 घंटे बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी, 19 साल के राहुल मीणा को गिरफ्तार किया। वह द्वारका इलाके के एक होटल में छिपा हुआ था। वह आईआरएस अफसर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ममता बनर्जी बौखला गई हैं चुनाव की टैंशन के कारण

एक के बाद एक इतनी अजीबोगरीब टिप्पणियाँ कर रही हैं, अब जनता ने इन पर ध्यान देना ही बंद कर दिया है

- उदाहरण के लिए, उन्होंने कहा, जलियाँवाला काण्ड के बाद, इस खौफनाक लोमहर्षक घटना के बारे में महात्मा गांधी ने एक भावभीनी कविता लिखी थी, पर यह सर्वविदित है, जिस कविता का ममता जी उल्लेख कर रही हैं, रविन्द्र नाथ टैगोर ने लिखी थी, नोबल पुरुस्कार मिलने के बाद।
- यहाँ तक कि जब ममता जी ने ईडी के छापे के दौरान, घटना स्थल पर पहुँचकर, ईडी द्वारा जब्त कागज़ात व फाइलें, अपने पुलिस के जत्थे की मदद से जोर जबरदस्ती से उठा लाई थी तो सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जब यह मामला पहुँचा ममता जी की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बड़े-बड़े वकील पैरवी कर रहे थे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। राज्य विधानसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से एक और कड़ी फटकार मिली।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के व्यवहार पर बेहद कड़ी टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने राज्य की मुख्यमंत्री को उस स्थान पर जाने के लिए फटकार लगाई, जहां ईडी कोयला चोरी और विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच के सिलसिले में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर रहा था।

बताया गया कि मुख्यमंत्री जबरन वहां पहुंचीं और ईडी द्वारा जब्त किए गए दस्तावेज अपने साथ ले गईं। वे राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ ईडी की कार्रवाई के बीच पहुंचीं और एजेंसी की आलोचना करते हुए आधिकारिक फाइलें लेकर वहां से चली गईं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में अभूतपूर्व है और यह न्याय, निष्पक्षता तथा कार्यपालिका की संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल की 84 एससी/एसटी बहुल सीटें तय करेगी, किसकी सरकार बनेगी

ये सीटें जंगल महल बैल्ट, उत्तरी बंगाल और दक्षिण बंगाल की मातुआ बैल्ट में फैली हैं

- वर्ष 2006 तक इस क्षेत्र में वाम मोर्चा का दबदबा था तब इसने यहाँ कि 84 सीटों में से 72 सीटें जीती थीं, पर, 2011 में ममता बनर्जी ने वाम मोर्चा से यह गढ़ छीन लिया। 2016 में भी ममता बनर्जी ने 84 में से 66 सीटें जीती थीं।
- लेकिन 2021 के गत विधानसभा चुनावों में भाजपा ने इस क्षेत्र में दबदबा बढ़ाया और 84 में से 39 सीटें जीतीं और तृणमूल (36 सीटें) से बराबरी पर रही। इस बार भाजपा व तृणमूल दोनों पूरा जोर लगा रही हैं कि यहाँ ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतें।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। चूँकि बंगाल में गुरुवार को पहले चरण का मतदान शुरू होता है, इसलिये सभी की नजरें जंगलमहल क्षेत्र, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल की 'मातुआ बेल्ट' (जिसमें नदिया और उत्तर 24 परगना जैसे जिले शामिल हैं) में फैली 84 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटों के मतदान रुझानों पर टिकी हैं।

इन सीटों पर जो भी पार्टी बढ़त हासिल करेगी, उसके सरकार बनाने की संभावना अधिक होगी। इन क्षेत्रों में चुनावी मुकाबले को और महत्वपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि पिछले कुछ चुनावों में मतदाताओं की बदलती निष्ठाएं साफ तौर पर दिखाई दी हैं। ये सीटें, जो कभी वाम मोर्चा का अभेद्य गढ़ मानी जाती थीं, अब बंगाल की राजनीति का सर्वाधिक अप्रत्याशित रणक्षेत्र बन गई हैं। 2006 में वाम मोर्चा ने इन 84 में से 72 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन 2011 के चुनावों में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की परिवर्तन लहर के बीच उसका पूरी तरह सफाया हो गया। इसके बाद 2016 के चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 84 में से 66 सीटें (50 एससी और 16 एसटी) जीतीं। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय पैठ बनाई, तथा उसने 32

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने खड़गे को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कथित तौर पर 'आतंकवादी' कहे जाने के विषय को गंभीरता से लेते हुए उन्हें नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर जवाब तलब किया है।

चुनाव आयोग के अधिकारी सूत्रों ने आज इसकी जानकारी दी। तमिलनाडु

- खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहने को आयोग ने गंभीरता से लिया।

में संवाददाता सम्मेलन में खड़गे ने प्रधानमंत्री को कथित तौर पर 'आतंकवादी' कहा था। भारतीय जनता पार्टी ने मामले को गंभीर बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष की प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी की तीखी आलोचना की थी। इस मुद्दे पर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के नेतृत्व में आज चुनाव आयोग से मिला था। दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष ने इस पर सफाई देते हुए कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री को आतंकवादी नहीं कहा, बल्कि उनका अर्थ था कि वे राजनेताओं को डरा रहे हैं।

बंगाल चुनाव में मोटरसाइकिल चलाने पर लगा प्रतिबंध

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए जो ''अभूतपूर्व'' प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें बाइक पर प्रतिबंध को ''सबसे ज्यादा अभूतपूर्व'' माना जा रहा है।

- आयोग ने मतदान के दो दिन पहले से मतदान के अगले दिन तक के लिए बाइक चलाने और पीछे सवारी बिठाने पर रोक लगाई है, केवल आपात स्थिति में ही इसमें छूट दी जा सकती है पर इसके लिए पुलिस थाने में सूचित कर अनुमति लेनी होगी।
- आयोग के इस फैसले की भारी आलोचना हो रही है, खासकर गिग वर्कर्स और रैपिडो आदि में बाइक चलाने वालों की तरफ से। उनका कहना है इससे उनके लिए रोजी-रोटी का संकट पैदा हो जाएगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के चुनाव के मद्देनज़र मोटरसाइकिलों के उपयोग पर एक अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाया गया है। चुनाव आयोग ने मतदान से 48 घंटे पहले मोटरसाइकल के इस्तेमाल पर रोक लगा दी, यहां 23 अप्रैल को मतदान है। शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक वही, मोटर साइकिल चला सकेंगे, जिन्हें अति आवश्यक काम है। आवाजाही प्रतिबन्धित कर दी है, सिवाय ''आपातकालीन'' और पारिवारिक जरूरतों के। साथ ही, मोटरसाइकिल रैलियों पर पूरी तरह रोक लगाई गई है।

आयोग के बयान में कहा गया है, ''मतदान दिवस से दूसरे दिन तक सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर (पिलियन राइडिंग) यात्रा की अनुमति नहीं होगी, सिवाय चिकित्सा आपातकाल, पारिवारिक कार्यक्रम या अन्य आवश्यक जरूरतों, जैसे बच्चों को स्कूल छोड़ने/लेने के मामलों के।

बयान में यह भी कहा गया, ''परिवार के साथ पिलियन राइडिंग की सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान के उद्देश्य से और अन्य आवश्यक जरूरतों, जैसे चिकित्सा आपातकाल, पारिवारिक कार्यक्रम आदि के लिए अनुमति दी जाएगी।'' चुनाव आयोग ने कहा कि किसी भी प्रकार की छूट के लिए लोग पहले से स्थानीय पुलिस के पास आवेदन कर सकते हैं।

बाद में आयोग ने स्पष्ट किया कि उचित पहचान पत्र सहित दफ्तर जाने वाले लोगों को भी छूट दी जाएगी।

आयोग ने कहा कि उसका उद्देश्य ''स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और हिंसा-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करना'' है। इसी दिशा में, आयोग ने राज्य में शराब बिक्री पर प्रतिबंध की अवधि को पहले ही दोगुना दिया था। सामान्य 48 घंटे का प्रतिबंध बढ़ाकर 96 घंटे कर दिया गया, जो रविवार से लागू हुआ।

19 अप्रैल के एक बयान में चुनाव आयोग ने कहा था, यह देखा गया है कि शराब की बिक्री में असामान्य वृद्धि हुई है। यह निष्कर्ष विभिन्न स्रोतों, जिनमें शराब निगरानी अभियान भी शामिल हैं, के आधार पर निकाला गया। आयोग के अनुसार, अप्रैल में शराब की बिक्री पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अधिक रही है।

पश्चिम बंगाल में यह हाई-स्टेक विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

लिपुलेख दर्रा से भारत-चीन व्यापार जून में शुरु होगा

पिथौरागढ़, 22 अप्रैल। लिपुलेख दर्रा के माध्यम से भारत-चीन सीमा व्यापार वर्ष 2026 के जून के प्रथम सप्ताह से शुरू होकर सितंबर तक चलेगा। भारत-चीन सीमा व्यापार को वर्ष 2026 में पुनः शुरू करने की तैयारियों को लेकर

- करीब 6 साल के बाद यहां से व्यापार शुरु करने की विदेश मंत्रालय ने स्वीकृति दी।

बुधवार को जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विदेश मंत्रालय से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से व्यापार शुरू करने की अनापत्ति मिलने के बाद प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

करीब छह वर्षों के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रहे इस सीमा व्यापार को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रंप ने ईरान के साथ अनिश्चितकाल तक सीज़फायर बढ़ाने का श्रेय पाकिस्तान को दिया

अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साफ-साफ लिख पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर और पाक प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ के अनुरोध पर वे अनिश्चितकाल के लिए सीज़फायर बढ़ा रहे हैं

- ट्रंप ने कहा कि ईरान की सरकार में भारी विभाजन है और जब तक उनकी तरफ से सर्व सम्मत संधि प्रस्ताव नहीं आ जाता, अमेरिकी सेना ईरान पर हमला नहीं करेगी, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी।
- विशेषज्ञों का कहना है कि पहले ईरान के नेताओं ने शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान का आभार जताया था और अमेरिका भी पाकिस्तान को श्रेय दे रहा है, इससे अंतर्राष्ट्रीय जगत में पाकिस्तान की कूटनीतिक ताकत बढ़ेगी।
- उग्रवाद और कमज़ोर अर्थव्यवस्था के कारण दुनिया भर में समस्याग्रस्त राष्ट्र के रूप में देखा जाने वाला देश पाकिस्तान अब अचानक सुर्खियों में आ गया है। पर, मध्यस्थ की यह भूमिका कांटों का ताज है। अगर शांति वार्ता विफल रही तो इसका प्रभाव पाकिस्तान को भी झेलना होगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम समाप्त होने से कुछ घंटे पहले ही इसे अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया, और इसके लिए पाकिस्तान के निवेदन का हवाला दिया। अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि वे गंभीर रूप से विभाजित ईरानी शासन को स्थायी शांति समझौते के लिए एकीकृत प्रस्ताव तैयार करने का समय देना चाहते हैं। यह पहली बार है, जब अमेरिका ने तेहरान की अगली कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की है, और ट्रंप ने अपनी रणनीति में बदलाव का श्रेय पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ हुई बातचीत को दिया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस तथ्य के आधार पर कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से विभाजित है, जो अप्रत्याशित नहीं है, और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तथा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध पर, हमने ईरान पर अपने हमले तब तक रोकने के लिए कहा है, जब तक उनके नेता और प्रतिनिधि कोई एकीकृत प्रस्ताव लेकर नहीं आते।''

लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में ईरान के तट पर बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रहेगी, ट्रंप ने कहा, जबकि अमेरिकी सेना ''अन्य सभी मामलों में तैयार और सक्षम'' रहेगी।

उन्होंने कहा कि युद्धविराम ''तब तक बढ़ाया जाएगा, जब तक उनका प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं हो जाता और उस पर चर्चा पूरी नहीं हो जाती, किसी भी तरह से।''

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बाद में युद्धविराम बढ़ाने के अनुरोध को स्वीकार करने और उसके ''कूटनीतिक प्रयासों'' पर ''विश्वास और भरोसा'' दिखाने के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, मेरी ओर से और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से, मैं राष्ट्रपति ट्रंप का हार्दिक धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुए युद्धविराम बढ़ाया, ताकि चल रहे कूटनीतिक प्रयास आगे बढ़ सकें। पाकिस्तान इस विश्वास और भरोसे के साथ अपने प्रयास जारी रखेगा बातचीत के जरिए समाधान निकाला जा सके।''

उन्होंने आगे कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि दोनों पक्ष युद्धविराम का पालन करेंगे और इस्लामाबाद में निर्धारित दूसरे दौर की वार्ता के दौरान एक व्यापक ''शांति समझौते'' पर पहुंच सकेंगे, जिससे संघर्ष का स्थायी अंत हो सके।

यदि इस्लामाबाद वास्तव में ट्रंप को ईरान पर आगे के हमलों को रोकने के लिए प्रभावित कर पाया है, तो इससे उसकी कूटनीतिक स्थिति को बड़ा बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक स्तर पर उसकी साख मजबूत होगी।

इससे पहले, ईरानी नेताओं ने भी कई मौकों पर पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया था।

ईरान और अमेरिका के बीच मतभेदों को कम करने के लिए पाकिस्तान के तेज प्रयासों के पीछे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजय झा फिर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

पटना, 22 अप्रैल। बिहार की प्रमुख राजनीतिक पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू)) ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किए

- पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा सांसद आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

गए हैं। इस फेरबदल को आगामी चुनावों के मद्देनज़र महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जदयू की नई टीम में संजय झा को एक बार फिर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जहानाबाद के पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गोपालगंज से सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपनी करनी कभी निष्फल नहीं जाती। –कबीर

राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय सेवा अपील अधिकरण की आवश्यकता

राजस्थान में न्याय व्यवस्था एक विचित्र विरोधाभास प्रस्तुत करती है। एक ओर राज्य सरकार के कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों के निस्तारण के लिए 1 जुलाई 1976 को स्थापित राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है, वहीं दूसरी ओर राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मचारी आज भी अपने बुनियादी अधिकारों के लिए वर्षों तक उच्च न्यायालय के दरवाजे खटखटाने को विवश हैं।

राजस्थान सिविल सेवा (सेवा मामलों अपील अधिकरण) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत गठित इस अधिकरण ने सेवा विवादों–जैसे वेतन निर्धारण, पदोन्नति, वरिष्ठता और पेंशन–के त्वरित निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह न केवल उच्च न्यायालय के बोझ को कम करता है, बल्कि कर्मचारियों को अपेक्षाकृत सस्ता और शीघ्र न्याय भी उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में लगभग 7000 प्रकरण लंबित होने के बावजूद, मई 2023 में जोधपुर में स्थायी पीठ की स्थापना यह दर्शाती है कि सरकार आवश्यकता के अनुसार संस्थागत समाधान विकसित करने में सक्षम है।

इसके विपरीत, विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए ऐसी कोई समर्पित व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति मात्र प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि एक गहरी नीतिगत असमानता का संकेत है। प्रश्न उठता है–क्या विश्वविद्यालय कर्मी राज्य व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं? क्या उनके सेवा विवाद कम महत्वपूर्ण हैं?

राजस्थान में न्याय व्यवस्था का एक विचित्र और चिंताजनक विरोधाभास सामने आता है। एक ओर राज्य सरकार के कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों के समाधान के लिए 1976 से एक सशक्त और समर्पित मंच राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है, वहीं दूसरी ओर राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मचारी आज भी अपने बुनियादी सेवा अधिकारों के लिए वर्षों तक उच्च न्यायालय के दरवाजे खटखटाने को मजबूर हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि एक गंभीर नीतिगत असमानता का उदाहरण है। प्रश्न उठता है कि क्या विश्वविद्यालय कर्मी राज्य व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं? क्या उनके सेवा विवाद कम महत्वपूर्ण हैं? या फिर उनकी पीड़ा शासन–प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल ही नहीं है?

राजस्थान के 25 से अधिक विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों कर्मचारी–चाहे वे शिक्षक हों या अशैक्षणिक–पदोन्नति, वेतन निर्धारण, वरिष्ठता और पेंशन जैसे मामलों में न्याय के लिए वर्षों तक भटकते रहते हैं। अनेक मामलों में तो यह विडंबना देखने को मिलती है कि कर्मचारी सेवा निवृत्त हो जाते हैं, लेकिन उनका मामला अदालत में लंबित ही रहता है। पेंशन जैसे जीवन–निर्वाह के मूल अधिकार के लिए भी उन्हें लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है।

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पेंशनरों का मामला एक दशक से अधिक समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। इसी प्रकार महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पेंशनरों के कई प्रकरण पाँच वर्षों से लंबित हैं। यह केवल कुछ उदाहरण हैं; वास्तविकता यह है कि ऐसे सैकड़ों मामले राजस्थान उच्च न्यायालय में वर्षों से अटके पड़े हैं।

उच्च न्यायालय की अपनी सीमाएँ हैं। वह पहले से ही आपराधिक, दीवानी और संवैधानिक मामलों के अत्यधिक दबाव में कार्य कर रहा है। सेवा संबंधी मामले अत्यंत तकनीकी होते हैं, जिनमें सेवा नियमों, विश्वविद्यालय अधिनियमों और यूजीसी के विनियमों की गहन समझ आवश्यक होती है। ऐसे में यह अपेक्षा करना कि उच्च न्यायालय इन मामलों का त्वरित और विशेषज्ञतापूर्ण निस्तारण करेगा, व्यावहारिक नहीं है।

> **यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो वर्ग समाज को दिशा देने का कार्य करता है, वही अपने अधिकारों के लिए वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अब समय आ गया है कि विश्वविद्यालय कर्मियों को भी वही अधिकार और सुविधाएँ प्रदान की जाएँ, जो राज्य के अन्य कर्मचारियों को उपलब्ध हैं।राज्य सरकार को इस दिशा में शीघ्र और ठोस कदम उठाने चाहिए।**

यही कारण है कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एक पृथक अधिकरण की व्यवस्था की थी। इस अधिकरण ने पिछले लगभग पाँच दशकों में यह सिद्ध कर दिया है कि विशेषीकृत मंच न्याय को तेज, सस्ता और प्रभावी बना सकता है। वर्ष 2022 में भी इसके समक्ष हजारों मामले लंबित थे, जिसके समाधान हेतु 2023 में जोधपुर में स्थायी पीठ की स्थापना की गई। इससे स्पष्ट है कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर संस्थागत समाधान विकसित कर सकती है।

फिर प्रश्न यह है कि विश्वविद्यालय कर्मियों को इस सुविधा से वंचित क्यों रखा गया है? यह केवल न्याय में देरी का मुद्दा नहीं है, बल्कि न्याय से वंचित करने की स्थिति है। न्याय में देरी, अन्याय के समान है–यह उक्ति विश्वविद्यालय कर्मियों की स्थिति पर पूरी तरह लागू होती है। जब किसी सहायक प्रोफेसर का पदोन्नित मामला आठ–दस वर्षों तक लंबित रहता है, तो उसका पूरा कैरियर प्रभावित होता है। जब किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन वर्षों तक अटकी रहती है, तो यह उसके सम्मानजनक जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।

इस समस्या का समाधान स्पष्ट और व्यावहारिक है–राजस्थान में विश्वविद्यालय सेवा अपीलीय अधिकरण की स्थापना। यह अधिकरण विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करेगा, जहाँ उनके सेवा संबंधी विवादों का त्वरित और विशेषज्ञतापूर्ण निस्तारण हो सकेगा।

ऐसे अधिकरण में शिक्षा प्रशासन और सेवा नियमों के जानकार विशेषज्ञ सदस्य होने चाहिए, जो विश्वविद्यालयों की जटिल संरचना और नियमों को भली–भांति समझते हों। इसके साथ ही, मामलों के निस्तारण के लिए एक निश्चित समय–सीमा–जैसे 180 दिन–निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि वर्षों तक लंबित रहने की समस्या समाप्त हो सके।

इस अधिकरण की क्षेत्रीय पीठें जयपुर के साथ–साथ जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर जैसे प्रमुख स्थानों पर स्थापित की जा सकती हैं। इससे कर्मचारियों को अपने ही क्षेत्र में सुलभ और किफायती न्याय मिल सकेगा। वर्तमान में उच्च न्यायालय तक पहुंचना न केवल महंगा है, बल्कि समय और संसाधनों की दृष्टि से भी कठिन है।

इस पहल का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह होगा कि उच्च न्यायालय पर बढ़ते बोझ में कमी आएगी। सेवा संबंधी सैकड़ों मामले अधिकरण में स्थानांतरित होने से उच्च न्यायालय जटिल संवैधानिक और जनहित के मामलों पर अधिक प्रभावी ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेगा।

आज जब सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग की बात करती है, तब ईज ऑफ जस्टिस को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। और यह केवल आम नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि उन शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भी आवश्यक है, जो समाज के बौद्धिक और नैतिक निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो वर्ग समाज को दिशा देने का कार्य करता है, वही अपने अधिकारों के लिए वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

राज्य सरकार को इस दिशा में शीघ्र और ठोस कदम उठाने चाहिए। विश्वविद्यालय सेवा अपील अधिकरण की स्थापना की घोषणा एक ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य पहल होगी। इससे न केवल हजारों कर्मचारियों को राहत मिलेगी, बल्कि शासन की न्यायिक संवेदनशीलता भी प्रदर्शित होगी।

अब समय आ गया है कि विश्वविद्यालय कर्मियों को भी वही अधिकार और सुविधाएँ प्रदान की जाएँ, जो राज्य के अन्य कर्मचारियों को उपलब्ध हैं। न्याय में समानता लोकतंत्र की मूल भावना है, और इस सिद्धांत से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता।

यदि सरकार वास्तव में न्यायपूर्ण और समावेशी व्यवस्था स्थापित करना चाहती है, तो उसे इस लंबे समय से लंबित मांग पर तत्काल निर्णय लेना होगा। अन्यथा, विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए तारीख पर तारीख की यह अंतहीन प्रतीक्षा यूँ ही जारी रहेगी–और न्याय केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
डा. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्या मृदा वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

विकसित राजस्थान @ 2047: एक दूरदर्शी, बहुआयामी और रूपांतरणकारी विकास दृष्टि

सी. पी. मण्डावरिया

राजस्थान अपनी गौरवशाली ऐतिहासिक परंपराओं, अद्वितीय स्थापत्य वैभव और समृद्ध सामाजिक–सांस्कृतिक बहुलता के कारण वैश्विक पटल पर एक विशिष्ट प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित है। वर्तमान समय राज्य के लिए एक निर्णायक संक्रमण–काल है, जहाँ विकास की केवल मात्रात्मक उपलब्धियों तक सीमित न रहकर गुणात्मक परिष्कार और दीर्घकालिक पारिस्थितिक स्थायित्व सुनिश्चित करना अनिवार्य हो गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रतिपादित विकसित राजस्थान @2047 विजन दस्तावेज इसी व्यापक संकल्पना को एक ठोस रणनीतिक दिशा प्रदान करता है। इसका महात्वाकांक्षी उद्देश्य राजस्थान को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की विशाल अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करना तथा उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से नागरिकों की औसत जीवन प्रत्याशा को 77 वर्ष या उससे अधिक तक पहुँचाना है। राइजिंग राजस्थान की अवधारणा के माध्यम से राज्य एक सुदृढ़ निवेश–अनुकूल पारिस्थितिकी और पारदर्शी शासन प्रणाली स्थापित कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। यह विजन केवल आर्थिक लक्ष्यों का समूह नहीं है, बल्कि प्रत्येक राजस्थानी के जीवन स्तर में आमूलचूल परिवर्तन लाने का एक पवित्र संकल्प है।

आर्थिक पुनर्संरचना और 4.3 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य :- राजस्थान की अर्थव्यवस्था को पारंपरिक संसाधन–आधारित मॉडल की सीमाओं से बाहर निकालकर ज्ञान–संचालित और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समर्थित औद्योगिक ढांचे में परिवर्तित करना इस विजन का मुख्य मूलाधार है। राज्य को उत्तर भारत के अग्रणी मैन्युफैक्चरिंग तथा लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने के लिए औद्योगिक गलियारों, निर्यात–उन्मुख इकाइयों और सुदृढ़ डिजिटल व्यापार अवसंरचना का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। कृषि क्षेत्र में एक जिला, एक उत्पाद की नीति को वैश्विक ई–मार्केटप्लेस से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रभावी विविधीकरण किया जा रहा है ताकि किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि हो सके। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से एकीकृत करना, नवाचार और उत्पादकता को प्रोत्साहित करना तथा कौशल–आधारित रोजगार सृजन के माध्यम से प्रति व्यक्ति आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करना इस आर्थिक रूपांतरण की अनिवार्य शर्त है। आगामी वर्षों में राज्य का लक्ष्य अपनी अर्थव्यवस्था को तीव्र गति प्रदान करते हुए वर्ष 2028–29 तक 350 अरब डॉलर के पड़ाव को पार करना है, जो अंतत: 2047 के वृहद लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत: आर्थिक सशक्तीकरण का आधार :- राजस्थान की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर केवल अतीत का गौरवशाली स्मारक नहीं है, बल्कि यह भविष्य की आर्थिक समृद्धि का एक सशक्त और जीवंत स्तंभ भी है। किलों, महलों और ऐतिहासिक नगरों के वैज्ञानिक संरक्षण के साथ–साथ अनुभवात्मक पर्यटन, ईको टूरिज्म और ग्रामीण प्रवास जैसे अभिनव आयामों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिजिटल टिकटिंग, वर्चुअल गाइडेंस और स्मार्ट हेरिटेज जैसी अत्याधुनिक परियोजनाओं के माध्यम से राज्य के विरासत स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है। पर्यटन उद्योग को स्थानीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक–संगीत विधाओं और पारंपरिक कलाओं से जोड़कर एक ऐसा समेकित आर्थिक चक्र विकसित किया जा सकता है, जिससे राज्य की सॉफ्ट पावर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ होगी और स्थानीय समुदायों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। पर्यटन का यह मॉडल न केवल राजस्व सृजन का साधन बनेगा बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयां भी प्रदान करेगा।

जल-सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन :- रेगिस्तानी और विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राजस्थान के लिए जल प्रबंधन केवल एक नीतिगत विषय नहीं, बल्कि एक अस्तित्वगत आवश्यकता है। रामजल सेतु परियोजना और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का व्यापक विस्तार क्षेत्रीय जल–असंतुलन को दूर करने की दिशा में एक अत्यंत निर्णायक कदम सिद्ध हो रहा है। पारंपरिक वर्षा जल संचयन की प्राचीन प्रणालियों को आधुनिक भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी और सैटेलाइट इमेजरी से जोड़कर जल संसाधनों के वैज्ञानिक एवं प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित किया जा रहा है। औद्योगिक इकाइयों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज नीति का कठोरता से अनुपालन सुनिश्चित करना तथा जल पुनर्चक्रण को प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य बनाना आने वाली पीढ़ियों के लिए पारिस्थितिक सुरक्षा की मजबूत आधारशिला रखेगा। जल स्वावलंबन के माध्यम से ही राज्य अपनी कृषि और उद्योग दोनों को भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षित कर सकता है।

ऊर्जा-परिवर्तन :- हरित भविष्य की आधारशिला :- राजस्थान अपनी अपार सौर और पवन ऊर्जा क्षमता के कारण भारत की ऊर्जा परिवर्तन यात्रा में एक अग्रणी सारथी के रूप में उभरा है। हरित हाइड्रोजन, उन्नत ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और स्मार्ट–ग्रिड आधुनिकीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर राज्य को नेट–जीरो लक्ष्यों की दिशा में तेजी से अग्रसर किया जा रहा है। जैसलमेर और बीकानेर जैसे मरूस्थलीय क्षेत्रों को अक्षय ऊर्जा उत्पादन के वैश्विक केंद्रों के रूप में विकसित करना ऊर्जा आत्मनिर्भरता और औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन दोनों ही दृष्टिकोणों से रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हरित ऊर्जा आधारित यह औद्योगिक विस्तार न केवल अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि राज्य में स्वच्छ निवेश के नए द्वार खोलकर दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और पर्यावरणीय शुद्धता भी सुनिश्चित करेगा।

मानव पूंजी और सामाजिक सशक्तीकरण :- किसी भी विकसित और प्रगतिशील अर्थव्यवस्था का वास्तविक मूल आधार उसकी मानव पूंजी होती है। राज्य की शिक्षा प्रणाली को आलोचनात्मक चिंतन, अनुसंधान उन्मुख दृष्टिकोण और वैश्विक तकनीकी दक्षता पर आधारित बनाना आज की महती आवश्यकता है। डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेली मेडिसिन सेवाओं और निवारक स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार से औसत जीवन प्रत्याशा में वृद्धि का लक्ष्य सफलतापूर्वक साकार किया जा सकता है। महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी को अभूतपूर्व रूप से बढ़ावा देना, स्वयं सहायता समूहों को डिजिटल उद्यिमता के माध्यम से सशक्त बनाना तथा युवाओं को स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से प्रभावी ढंग से जोड़ना सामाजिक–आर्थिक समावेशन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। जब समाज का प्रत्येक वर्ग स्वस्थ और शिक्षित होगा, तभी विकास की गति को वांछित तीव्रता प्राप्त हो सकेगी।

सुशासन और डिजिटल पारदर्शिता :- विकसित राजस्थान2047 प्रशासनिक दक्षता, जवाबदेही और नैतिकता को विकास प्रक्रिया का केंद्रीय तत्व मानता है। डेटा संचालित निर्णय प्रणाली, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित नागरिक सेवा वितरण और विभिन्न ई–गवर्नेंस प्लेटफॉर्म्स के पूर्ण एकीकरण से सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित होगा। सामाजिक स्तर पर संवैधानिक मूल्यों, विशेषकर समता, बंधुत्व और न्याय को व्यवहारिक रूप में जन–जन तक पहुंचाना राज्य की नैतिक पुनर्रचना का मुख्य आधार बनेगा। न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत को यथार्थ में बदलते हुए एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना है जहाँ शासन नागरिकों के द्वार पर सुलभ हो और सेवा वितरण की प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत हो।

सामाजिक रूपांतरण: मानवीय विकास की दिशा :- आर्थिक प्रगति के साथ–साथ सामाजिक चेतना और वैचारिक परिपक्वता का विस्तार होना भी अनिवार्य है। समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता, बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं और जातिगत संकीर्णता का पूर्ण उन्मूलन वास्तविक सामाजिक प्रगति की पहली पूर्वशर्त है। राजस्थान की महान संत परंपरा और सुधारवादी चिंतन से प्रेरणा लेकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनी जीवन पद्धित का अभिन्न अंग बनाना होगा। सामुदायिक उत्तरदायित्व की भावना को जागृत करते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा को प्रत्येक व्यक्ति द्वारा नागरिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करना आवश्यक है। लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से महिलाओं और युवाओं को नीति–निर्माण की प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका प्रदान करना राज्य के मानव विकास सूचकांक को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

सामुदायिक सहभागिता और उद्यिमता की संस्कृति :- उद्यिमता की एक नई और प्रगतिशील संस्कृति को बढ़ावा देकर समाज को केवल सरकारी निर्भरता के भाव से बाहर निकालना होगा। सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों और स्थानीय नवाचार मंचों के माध्यम से सामूहिक आर्थिक सहभागिता को निरंतर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे विकास की मुख्यधारा का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच सके। विकसित राजस्थान @ 2047 केवल आर्थिक विस्तार का कोई शुष्क दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह एक समेकित सामाजिक–आर्थिक रूपांतरण का विस्तृत रोडमैप है। इसका अंतिम लक्ष्य केवल ऊंचे सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों तक सीमित रहना नहीं है, अपितु एक अत्यंत न्यायपूर्ण, समतामूलक और संवेदनशील समाज की पुनर्स्थापना करना है।

उपसंहार: साझा भविष्य की संकल्पना :- जब राज्य की दूरदर्शी नीतियां, प्रशासनिक पारदर्शिता और सक्रिय नागरिक सहभागिता एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य में समाहित होंगी, तब 2047 का राजस्थान वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी, पर्यावरणीय रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से समावेशी प्रदेश के रूप में अपनी अमिट पहचान स्थापित करेगा। यह स्वर्णमयी दृष्टि तभी पूर्णत: साकार होगी जब प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को केवल एक लाभार्थी की मानसिकता से ऊपर उठाकर विकास यात्रा में एक सक्रिय और जिम्मेदार भागीदार की टभूमिका निभाएगा।

सामूहिक उत्तरदायित्व, अटूट नैतिक प्रतिबद्धता और नवोन्मेषी सोच के समन्वय से ही राजस्थान अपने गौरवशाली अतीत और आधुनिक युग की आकांक्षाओं के मध्य एक संतुलित, स्थायी और संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणास्पद भविष्य का निर्माण कर सकेगा। वर्तमान में राजस्थान देश का एक प्रमुख ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में बहुत आगे बढ़ चुका है और राज्य की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रुपये के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर चुकी है। वर्ष 2028–29 तक 350 अरब डॉलर और अंतत: 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एक अत्यंत इंडस्ट्री फ्रेंडली इकोसिस्टम का निर्माण करना अनिवार्य है। यहीं पर मिनिमम गवर्नमेंट–मैक्सिमम गवर्नेंस का सिद्धांत केवल एक नारा न रहकर एक जीवंत यथार्थ में परिवर्तित हो जाता है। राइजिंग राजस्थान 2024 के सफल आयोजन के अंतर्गत लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें से 8.15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं धरातल पर क्रियान्वित होने की प्रक्रिया में हैं।

सी. पी. मण्डावरिया,
संयुक्त शासन सचिव,
मॉनिटरिंग, आयोजना विभाग,
राजस्थान सरकार।

डिजिटल व एआई युग में लेखकों के कॉपीराइट संरक्षण की चुनौती

विश्व पुस्तक व कॉपीराइट दिवस विशेष......

विकास आसावत

किताबें एक ऐसी प्रकाश पुंज की तरह हैं जो हर नए पृष्ठ के साथ हमें नए व्यक्तियों, संस्कृतियों और विचारों से अवगत, कराती हैं। हर वर्ष 23 अप्रैल को, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस मनाता है। यूनेस्को द्वारा शुरू किया गया यह वार्षिक उत्सव, हमारी दुनिया को आकार देने में पुस्तकों द्वारा निभाई जाने वाली अमूल्य भूमिका और रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा के महत्व की याद दिलाता है।

किताबें महज पन्ने नहीं हैं–वे ज्ञान, कल्पना और नवाचार के द्वार हैं। नियमित पाठन से संज्ञानात्मक क्षमताएं, शब्दावली में सुधार, संवेदना, समीक्षात्मक चिंतन कौशल, समस्या–समाधान क्षमता और अधिक रचनात्मकता का विकास होता है। हमें यह याद रखना होगा की आज विश्व पुस्तक दिवस है के साथ साथ कॉपीराइट दिवस भी है। इस अधिकार से लेखकों को उनकी रचना के प्रकाशन, अनुवाद, रूपातरण, या अन्य कोई आर्थिक गतिविधि समबन्धित निर्णय लेने की शक्ति मिलती है।

ई–पुस्तकें और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने साहित्य तक पहुँच को उल्लेखनीय रूप से लोकतांत्रिक बना दिया है और अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से लेकर महानगर तक पाठक अपना पसंदीदा साहित्य, दुर्लभ पुस्तकें, मूल पांडुलिपियाँ, ऐतिहासिक अभिलेखागार, और अन्य संग्रह को अपनी स्क्रीन पर भी पढ़ सकता है। डिजिटल एडिशनस भौतिक स्टोरेज, परिवहन और उपलब्धता की बाधाओं को कम करने के साथ ही फॉंट आकार और खोज क्षमताओं जैसे फीचर्स प्रदान करते है व पर्यावरणीय प्रभाव जैसे कागज उत्पादन और वितरण का एक भरोसेमंद विकल्प प्रस्तुत करते है।

डिजिटल रचनाओं को लेखक की अनुमति के बिना आसानी से वृहद संख्या में कॉपी और वितरित किया जा सकता है। वही एआई द्वारा निर्मित रचना के लेखक और उसके कॉपीराइट अधिकार को निर्धारित करना कठिन है। एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर कॉपीराइट नहीं हो सकता जब तक कि आपने स्पष्ट रूप से रचनात्मक योगदान न दिया हो। वही, एआई के उपयोग से नकली सामठी बनाना या संरक्षित रचनाओं की पायरेसी जैसे कॉपीराइट का उल्लंघन हो सकता है।

समाधान की बात करे तो क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंसिंग, सदस्यता मॉडल, सब्सक्रिप्शन आदि अच्छे विकल्प है जिसके लिए पाठक भी सामग्री तक सुविधाजनक और कानूनी पहुँच के लिए भुगतान करने को तैयार हैं। वही युवाओ और अन्य पाठकों में भी कॉपीराइटेड कंटेंट को सम्मान करने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए जागरूकता अभियान की जरूरत है ताकि उल्लंघन को कम किया जा सके।

पुस्तक समेत किसी भी कार्य का कॉपीराइट का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य नहीं है लेकिन रजिस्ट्रेशन से आपको अपने कार्य के निर्धारण व निर्धारण तिथि से संबंधित एक वैधानिक प्रमाण पत्र उपलब्ध हो जाता है। वर्तमान में कॉपीराइट जुरिसप्रूडेंस "मॉडिकम ऑफ क्रिएटिविटी" पे आधारित है व कार्य के कॉपीराइट पात्रता के लिए न्यूनतम रचनात्मकता का होने आवश्यक है, अत: किसी भी कृति की अभिव्यक्ति में एक विशिष्ट शैली का आभास हो व कॉपीराइट अधिकार को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

शैक्षणिक गतिविधियाँ के सन्दर्भ में कार्य का रिप्रोडक्शन या फोटोकॉपी व नॉन कमर्शियल एक्टिविटीज जैसे कि सामाजिक जागरूकता के लिए ड्रामा या प्ले आदि जिसमे दर्शक या श्रोता से कोई फीस ना ली हो, आदि 'फेयर यूज़' में आते है व कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद है। एक महत्वपूर्ण मामले में माननीय न्यायालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस में किताबो की फोटोकॉपी करने व कोर्स पैक बनाने की गतिविधि को शैक्षणिक गतिविधियाँ से सम्बंधित माना है व इस गतिविधि को पढ़ने और पढ़ाने (इन द कोर्स ऑफ़ इंस्ट्रक्शन) के विस्तार के रूप में ही देखा।

वही नवंबर 2024 में दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल कॉपीराइट एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सम्बंधित एक महत्वपूर्ण मामला एएनआई मीडिया प्राइवेट लिमिटेड बनाम ओपन एआई इंक में में कोर्ट से सुनवाई के बाद फैसले को सुरक्षित रखा है। अगर फैसला एएनआई के पक्ष में हुआ तो एआई या संवादात्मक चैटबॉट अपने सॉफ्टवेयर को प्रशिक्षित करने के लिए किसी भी तरह की सामठी बिना कंटेंट ओनर की सहमति से नहीं ले सकेंगे।

किताब लिखना कल्पना, रचनात्मकता, कौशल के साथ साथ बहुत परिश्रम व धैर्य का काज है। आज हम न केवल शिक्षा और प्रेरणा देने की किताबों की शक्ति का उत्सव मना रहे हैं, बल्कि उनके पीछे की रचनात्मक प्रतिभाओं की रक्षा करने में कॉपीराइट के महत्व को भी चिन्हित कर रहे है हैं। यूनेस्को द्वारा शुरू किया गया यह वार्षिक उत्सव, हमारी दुनिया को आकार देने में पुस्तकों द्वारा निभाई जाने वाली अमूल्य भूमिका और रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा के महत्व की याद दिलाता है।

–विकास आसावत,
पेटेंट अर्टानी एवं एडवोकेट

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 23 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 8:57 तक, सुकर्मा योग प्रात: 6:08 तक, गर करण प्रात: 9:50 तक, चन्द्रमा दिन 3:13 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग और गुरू पुष्य योग रात्रि 8:57 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 8:50 से आरम्भ होगी। आज गंगा सप्तमी और पूजन गंगोत्पत्ति है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:36 तक, चर 10:49 से 12:25 तक, लाभ–अमृत 12:25 से 3:38 तक, शुभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 6:51

मेष
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज व्यक्तिगत कारणों से भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय दूर होने लगेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

अंतरराज्यीय ट्रैक्टर तस्करी सिंडिकेट का सरगना सीआईडी के हत्थे चढ़ा

आरोपी पिछले 12 साल से फरार है, उस पर 50 हजार रु. का इनाम घोषित है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम ने संगठित अपराध के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए 12 वर्षों से फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी अंतरराज्यीय ट्रैक्टर वाहन तस्करी सिंडिकेट का सरगना बताया जा रहा है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

आरोपी आबिद मेवाती

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश और अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) विपिन कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी आबिद मेवाती पुत्र खुशीला, निवासी जंगली का नगला, थाना बरसाना, जिला मथुरा को वहीं से दस्तयाब किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस परम ज्योति के सुपरविजन में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली कि आरोपी मथुरा में एक शादी समारोह में शामिल होने आने वाला है। इस पर टीम ने स्थानीय पुलिस और बूंदी पुलिस की मदद से कुसुम वाटिका में घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया।

- बताया जा रहा है कि आरोपी वर्ष 2012 से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और अब तक 1500 से 2000 से अधिक ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री कर चुका है। प्रत्येक वाहन पर करीब 2 लाख रुपए तक का मुनाफा कमाया जाता था।

अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) विपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि कार्रवाई के दौरान उग्र भीड़ ने आरोपी को छुडाने की कोशिश भी की, लेकिन टीम ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए आरोपी को सुरक्षित हिरासत में लेकर पुलिस थाना हाईवे, मथुरा पहुंचाया, जहां से उसे बूंदी पुलिस को सुपुर्द किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी अपने गिरोह के साथ मिलकर अलग-अलग राज्यों में ट्रैक्टर लोन पर खरीदता था, फिर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें ट्रकों में लोड कर उत्तर प्रदेश के छाता क्षेत्र में भेज देता था। वहां इन वाहनों की अवैध खरीद-फरोख्त कर भारी मुनाफा कमाया जाता था। बताया जा रहा है कि आरोपी वर्ष 2012 से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और अब तक 1500 से 2000 से अधिक ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री कर चुका है। प्रत्येक वाहन पर करीब 2 लाख रुपए तक का मुनाफा कमाया जाता था।

आरोपी के खिलाफ राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और हरियाणा में हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और धोखाधडी सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, करणी सिंह, रविन्द्र सिंह, कृष्णगोपाल, अरुण कुमार, कुलदीप और कांस्टेबल नरेश कुमार की विशेष भूमिका रही। साथ ही एएसआई शंकर दयाल शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मियों का तकनीकी सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा।

भव्या योजना से औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में अत्याधुनिक औद्योगिक हब विकसित करने एवं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उद्यिमयों को बेहतर अवसंरचना सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की भव्या योजना के अंतर्गत 5 औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव रखा है।

- राज्य सरकार ने 5 औद्योगिक हब विकसित करने के प्रस्ताव दिए
- बेहतर आधारभूत ढांचे से निवेशक आकर्षित होंगे और रोजगार बढ़ेगा

केंद्र सरकार द्वारा भव्या योजना (बिल्डिंग हाई इम्पेक्ट वैल्यू यार्ड्स फॉर एक्सलरेटेड डवलपमेंट) देश में औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई है जिसे दो चरणों में क्रियान्वित किया जायेगा। प्रत्येक चरण में 50 औद्योगिक क्षेत्रों को निर्धारित अर्हताओं के आधार पर चयनित किया जायेगा। यह योजना केन्द्र सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग के नेतृत्व में संचालित होगी तथा नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डवलपमेंट कॉरपोरेशन इस योजना के लिये क्रियान्वयन एजेंसी होगी।

इसके अंतर्गत चयनित औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने हेतु अधिकतम एक करोड़ रूपये प्रति एकड़ का वित्तीय सहयोग प्रदान किया जायेगा जबकि भूमि की उपलब्धता राज्य की नोडल एजेंसी को सुनिश्चित करनी होगी।

भव्या योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिये राज्य सरकार ने बालोतरा, जयपुर, जोधपुर, कोटा एवं दौसा जिलों में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव रखा है। योजना के अंतर्गत प्रस्तावित अधिकांश औद्योगिक क्षेत्रों की लोकेशन दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आती है।

राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत चिन्हित क्षेत्रों का चयन करते समय कनेक्टिविटी, कच्चे माल की उपलब्धता, औद्योगिक भूमि की मांग, भंडारण की सुविधा, पास में नगरीय क्षेत्र आदि कारकों का ध्यान रखा है जिससे राज्य के प्रत्येक महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र में इस योजना का अधिकतम लाभ लिया सके। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित इन औद्योगिक हब में अत्याधुनिक ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और सरल प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

इस योजना में केंद्र सरकार की सहभागिता से चयनित औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक क्लस्टरिंग का लाभ मिलेगा। परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल मॉडल अपनाया जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए चयनित लोकेशन पर समुचित भूमि उपलब्ध है जिसके परिणामस्वरूप परियोजना का क्रियान्वयन निर्बाध रूप से एवं तय समय में पूर्ण किया जा सकेगा।

बेहतर आधारभूत ढाँचा उपलब्ध कराने से निवेशक भी आकर्षित होंगे वहीं राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

सीएचओ भर्ती-2020 पेपर लीक का आरोपी जालौर से गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में संविदा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने इस संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्य गणपत लाल मालवाड़ा (31) निवासी जालौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुख्य सूत्रधार भूपेन्द्र सारण का करीबी सहयोगी रहा है और पेपर लीक की साजिश में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी गणपतलाल मालवाड़ा

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि 10 नवंबर 2020 को आयोजित हुई सीएचओ भर्ती परीक्षा के दौरान जयपुर के निवारू रोड स्थित जागृति विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल को केंद्र बनाया गया था। जांच में सामने आया कि गिरोह ने स्कूल के स्ट्रोंग रूम से अप्रयुक्त प्रश्न-पत्रों की सील खोलकर पेपर लीक किया था। परीक्षा से मात्र दो घंटे पहले प्रश्न-पत्र हासिल कर उसे सॉल्वर टीम से हल करवाया गया और फिर अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराया गया। इस मामले में एसओजी अब तक कुल 20 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें स्कूल संचालक धीरज शर्मा, मुकेश बाना, बलवीर सुण्डा, दिनेश विश्नोई, भूपेन्द्र सारण और शेर सिंह मीणा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। गणपत लाल इस मामले में गिरफ्तार होने वाला 21वां आरोपी है।

- एसओजी इस मामले में 20 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है

पूछताछ में सामने आया है कि गणपत लाल ने न केवल भूपेन्द्र सारण को सहयोग किया, बल्कि पेपर लीक के माध्यम से अभ्यर्थियों को संगठित रूप से एकत्रित करने और उन्हें लाभ पहुँचाने में भी शामिल रहा।

एसओजी अब आरोपी से इस गिरोह के अन्य नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि गणपत से पूछताछ में भर्ती परीक्षाओं में सक्रिय अन्य गुर्गों के बारे में भी महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

कांग्रेस ने रिफाइनरी में कई घोटाले किए : मुख्यमंत्री

चूरू। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने देशहित से जुड़े हर मुद्दे का विरोध किया है। इनके नेता महिला आरक्षण का विरोध और सेना का अपमान करते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती कि नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम से महिलाओं को आरक्षण मिले, इनका काम ही विरोध करना है। उन्होंने कहा कि धारा 370 का कांग्रेस ने विरोध किया।

शर्मा ने कह कि कांग्रेस के लोग वे ही हैं, जो शेखावाटी के लिए हमेशा यमुना के जल का सपना दिखाते थे। चुनाव आते थे तब झूठ के पुल बनाते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने रिफाइनरी में कई तरह के घोटाले और जमीनों के घोटाले किये। इनमें कांग्रेस के लोग कैसे काम कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इनका हिसाब लेना चाहिए।

जवाहर सर्किल के पास 13 बीघा भूमि मामले में जेडीए की अपील मंजूर

राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर एयरपोर्ट विस्तार के लिए 51 वर्ष पहले अवाप्त जमीन के मामले में जयपुर विकास प्राधिकरण को राहत दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर एयरपोर्ट विस्तार के लिए 51 वर्ष पहले अवाप्त जमीन के मामले में जयपुर विकास प्राधिकरण को राहत दी है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अवाप्तशुदा जमीन के बदले 25 प्रतिशत जमीन देने के एकलपीठ के आदेश को खारिज कर दिया। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश जेडीए की अपील को मंजूर करते हुए दिए।

- हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के द्वारा दिए गए आदेश को खारिज किया

जेडीए की ओर से अपील में अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने जिस मामले में जमीन के बदले 25 प्रतिशत विकसित जमीन देने का आदेश दिया, उसमें अवाप्तशुदा भूमि का मुआवजा कोर्ट में जमा कराया जा चुका है और उस जमीन पर 2017 में कब्जा लेकर फेंसिंग कराई जा चुकी है। इस तथ्य को याचिकाकर्ता काश्तकार ने छिपाया और उसके आधार पर एकलपीठ ने विकसित जमीन देने का आदेश दिया। इसके विपरीत काश्तकार रणजीत सिंह मीना के उत्तराधिकारियों की ओर से कहा गया कि अवाप्ति 2005 से पहले की है, इसलिए एकलपीठ का आदेश सही है। न काश्तकारों को मुआवजा मिला है और न ही कब्जा लिया गया है। इस मामले में अवाप्तशुदा जमीन के बदले 25 प्रतिशत विकसित जमीन देने की राज्य सरकार की गाइडलाइन लागू होती हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने जेडीए की अपील को मंजूर करते हुए एकलपीठ के आदेश को रद्द कर दिया है।

मामले के अनुसार अवाप्ति को काश्तकारों ने वर्ष 1974 में याचिका के जरिए चुनौती दी, जिसे हाईकोर्ट ने मई 1975 में खारिज कर दिया। साल 1975 में फिर याचिका दायर की गई, जो मार्च 1978 में निस्तारित कर दी गई। विवाद अदालत में लंबित होने के कारण जेडीए ने 1979 में मुआवजा राशि कोर्ट में जमा करवा दी।

साल 2010 में काश्तकार रणजीत सिंह की ओर से याचिका दायर की गई, जो अगस्त 2012 में खारिज कर दी गई। इसके खिलाफ पेश एसएलपी भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। इसके बाद कई बार अलग-अलग याचिका दायर हुई, जो ख़ारिज हुई।

वहीं साल 2023 में फिर याचिका दायर हुई, जिसके आधार पर हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मार्च 2026 में काश्तकार के परिवार को 20 प्रतिशत आवासीय व 5 प्रतिशत वाणिज्यिक विकसित जमीन देने का आदेश दिया।

बी.सी.आर. चुनाव में अव्यवस्था के बाद हाईकोर्ट और सैशन कोर्ट पोलिंग बूथ का मतदान रद्द

इन दोनों जगहों पर जल्द ही नई चुनाव तिथि घोषित की जाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के अधिवक्ताओं की नियामक संस्था बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के 23 सदस्यों के चुनाव बुधवार को प्रदेशभर में आयोजित हुए। हालांकि इस दौरान जयपुर में हाईकोर्ट और सेशन कोर्ट में पोलिंग बूथ पर हुई अव्यवस्था और पारदर्शिता के अभाव के चलते मतदान प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया है। यहां जल्दी ही नई चुनाव तिथि घोषित की जाएगी।

बार कौंसिल के चुनाव में बुधवार को अव्यवस्था के बाद अधिवक्ताओं ने हंगामा कर दिया।

हाईकोर्ट जयपुर के पोलिंग ऑफिसर अधिवक्ता बसंत सिंह छाबा ने बताया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं हो रहा था और इसमें अव्यवस्था सामने आ रही थी। इन कारणों से ही हाईकोर्ट में बीसीआर चुनाव रद्द किया गया है। हाईकोर्ट प्रदेशभर में बीसीआर चुनाव का सबसे बडा पोलिंग बूथ है और यहां पर 14 हजार 781 मतदाता हैं। वहीं बनीपार्क स्थित सैशन कोर्ट में भी चुनाव में मतदान की सही व्यवस्था नहीं होने, फर्जी मतदान के आरोप सहित अव्यवस्था व अनियमितता के चलते मतदान निरस्त करने का निर्णय लिया। सेशन कोर्ट में मतदाताओं की संख्या 5439 है और यहीं पर भी बगरू के 57 मतों के लिए भी मतदान होना था। हाईकोर्ट बूथ पर मतदान करीब 50 मिनट देरी से शुरू हुआ और हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस वीएस दवे ने पहला मत दिया, लेकिन इसके बाद ही मतदान प्रक्रिया में अव्यवस्था होना और पारदर्शिता नहीं होने के कारण चुनाव को रद्द कर दिया। चुनाव सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस सुधांशु धूलिया की निगरानी में हो रहे हैं और राजस्थान में चुनाव कराने की जिम्मेदारी दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जे आर मिड्ढा की तीन सदस्यीय कमेटी के पास है। राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस मनोज गर्ग राज्य स्तरीय ऑब्जर्वर बनाए गए हैं।

कटार के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक शातिर बदमाश को दबोचा है, जिसके कब्जे से एक अवैध धारदार कटार बरामद की गई है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि शहर में अवैध हथियारों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड के लिए सभी थानाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में पुलिस टीम इलाके में गश्त कर रही थी।

थानाधिकारी माधोसिंह के नेतृत्व में टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मोहसिन (23) को गिरफ्तार किया। आरोपी भट्टा बस्ती के शहीद इंदिरा ज्योति नगर का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध धारदार कटार मिली, जिसे पुलिस ने तुरंत जब्त कर लिया।

एआई से बना रहे थे न्यूज चैनल का फर्जी वीडियो

जयपुर पुलिस ने गिरोह का पर्दाफाश कर चार आरोपियों को दबोचा

जयपुर। तकनीकी के दुरुपयोग से समाज में भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ जयपुर साइबर पुलिस ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने न्यूज चैनल के लोगो और एंकर की आवाज का इस्तेमाल कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फर्जी वीडियो बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि 18 अप्रैल को परिवादी सत्यनारायण शर्मा ने मामला दर्ज कराया था कि फेसबुक पर एक एआई जनित रील वायरल की जा रही थी, जिसमें न्यूज चैनल के स्टूडियो बैकग्राउंड और एंकर की आवाज को एडिट कर भ्रामक जानकारी परोसी गई थी। लोग इसे सच मानकर धडल्ले से शेयर कर रहे थे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएनएस और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. अजय सिंह और पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज के सुपरविजन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर फर्जी वीडियो के मूल स्त्रोत की पहचान की। पुलिस ने दबिश देकर इस साजिश में शामिल चार मुख्य किरदार बिलाल खान (27) निवासी भोपाल मध्य प्रदेश,इनाम अहमद (29) निवासी भोपाल मध्य प्रदेश, निखिल प्रजापत (22) निवासी भोपाल मध्य प्रदेश और अमृता धुमाल (37) निवासी पंजाब को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने हाई-टेक, एआई टूल्स का उपयोग कर न्यूज क्लिप्स को एडिट किया। उन्होंने एंकर की आवाज को क्लोन किया और सुनियोजित तरीके से इसे सोशल मीडिया पर वायरल कराया। पुलिस की तकनीकी टीम अब यह पता लगा रही है कि इस वीडियो को बनाने के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य क्या था और क्या इसमें कोई बड़ा वित्तीय हित जुड़ा था। इस त्वरित कार्रवाई में साइबर एक्सपर्ट्स और पुलिस अधिकारियों की टीम शामिल रही, जिसमें थानाधिकारी और तकनीकी सहायकों ने एआई जनित वीडियो के डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा कर आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की।

कौशल शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए हो : हरिभाऊ बागड़े

नैतिक मूल्यों की शिक्षा से भौतिक विकास की गुणवत्ता में वृद्धि होती है : राज्यपाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कौशल शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसके पास अच्छा कौशल है, उसे सभी स्थानों पर काम मिलता है, वह कभी भूखा नहीं रहता। उन्होंने कौशल शिक्षा के साथ विश्वविद्यालयों में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों की शिक्षा से भौतिक विकास की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। राज्यपाल बागडे बुधवार को विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष दीक्षांत समारोह आवश्यक रूप से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह भले ही छोटे स्तर पर ही हो, परंतु नियमित होना चाहिए। जो विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं, उन्हें समय पर डिग्री मिलनी चाहिए। इससे उन्हें दिशा मिलती है। बागडे ने कहा कि प्रतिभाशाली राष्ट्र के लिए कौशल विकास के साथ विद्यार्थियों को नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के साथ उन्हें नकल करने की प्रवृत्ति से रोके जाने की शिक्षा दी जाए। उन्होंने इसके लिए शिक्षकों को स्वयं को अपडेट रखते हुए शिक्षा का प्रभावी विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में अच्छा नागरिक बनाने के साथ आदर्श आचरण पर विशेष जोर दिया गया है।

- 'अंग्रेजों ने भारत की शिक्षा को बदल कर गुलाम मानसिकता की शिक्षा प्रदान की'

राज्यपाल ने कहा कि आजादी से पहले देश में आठ लाख से अधिक गुरुकुल थे। इनमें सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। अंग्रेजों ने भारत की इस शिक्षा को बदल कर गुलाम मानसिकता की शिक्षा प्रदान की। बागडे ने विश्वकर्मा को देवताओं के शिल्पकार बताते हुए कहा कि वह ब्रह्मांड के प्रथम इंजीनियर थे। उन्होंने एम. विश्वेश्वरैया को याद करते हुए उनके अभियांत्रिकी कौशल और समय पाबंदी से सीख लेने का आ ान किया। उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जो कुछ विद्यार्थी सीखे उसका दायरा सीमित नहीं रखें।

उन्होंने विद्यार्थियों को सृजनात्मक रहने, निरंतर दूसरों से सीखते हुए अपने कौशल से दुनिया को बदलने, विकसित किए जाने का आव्हान किया। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. देवस्वरूप ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इससे पहले विश्वविद्यालय के बारे में फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने इससे पहले विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

खान अभियंता पद की पदोन्नति पर अंतरिम रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक खान अभियंता से खान अभियंता के पद पर गत 28 जनवरी को दी गई पदोन्नित पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश पुष्पेन्द्र सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता एएस राठौड ने अदालत को बताया की याचिकाकर्ता को साल 2024-25 की रिक्तियों के विरूद्ध पदोन्नित दी गई, जबकि उससे जूनियर को एक साल पूर्व साल 2023-24 की रिक्तियों के विरुद्ध पदोन्नत किया गया। याचिका में कहा गया कि साल 2023-24 की रिक्तियों के विरूद्ध याचिकाकर्ता को यह कहते हुए पदोन्नित नहीं दी गई थी कि उसे परिनिंदा का दंड दिया गया था। जबकि राज्य सरकार के 22 अक्टूबर, 2024 के परिपत्र के अनुसार परिनिंदा का दंड पदोन्नित के आडे नहीं आएगा। इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता को पदोन्नत नहीं कर उसके जूनियर को पदोन्नित देना नियमों के खिलाफ है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने 28 जनवरी को दी गई पदोन्नित पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार व अन्य से जवाब तलब किया है।

परशुराम शोभायात्रा को लेकर विशेष व्यवस्था

जयपुर। भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में 23 अप्रैल 2026 को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान शहर के परकोटा क्षेत्र में व्यापक यातायात व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शोभायात्रा सायं 6:30 बजे चांदपोल क्षेत्र के जलेब चौक से रवाना होकर हवामहल बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, बापू बाजार, न्यू गेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया गेट और त्रिपोलिया बाजार होते हुए छोटी चौपड़ पहुंचकर विसर्जित होगी।

यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। शोभायात्रा मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। साथ ही सायंकाल 4 बजे से सांगानेरी गेट, घाटगेट चौराहा, धोबीघाट, रामगंज मोड़ और संजय सर्किल से मिनी व सिटी बसों का संचालन परकोटा क्षेत्र में बंद रहेगा।

हवामहल बाजार, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार और गंगौरी बाजार में भी शाम 4 बजे से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन और पार्किंग निषेध रहेगी। विभिन्न प्रमुख मार्गों जैसे सुभाष चौक, बड़ी चौपड़, रामगंज चौपड़, सांगानेरी गेट और त्रिपोलिया की ओर आने वाले यातायात को डायवर्ट कर वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। इसके अलावा न्यू गेट, रामनिवास बाग चौराहा, नेहरू बाजार और त्रिपोलिया टी-पॉइंट से चौड़ा रास्ता की ओर किसी भी प्रकार के वाहन नहीं जाने दिए जाएंगे। छोटी चौपड़ और त्रिपोलिया क्षेत्र में भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा।

बीकानेर में बेहोश पड़े युवक की स्कूटी से 70 करोड़ रुपये की हेरोइन मिली

पुलिस ने युवक को हॉस्पिटल में भर्ती करवाकर गाड़ी चेक की तो 14 किलो ड्रग मिली

बीकानेर, (निसं) सड़क हादसे में घायल युवक की स्कूटी की डिक्की से पुलिस को 70 करोड़ की हेरोइन मिली है। युवक सड़क पर घायल अवस्था में बेहोश पड़ा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हॉस्पिटल पहुंचाया। इसके बाद उसकी स्कूटी खंगाली तो 27 छोटे पैकेट्स में 14 किलो हेरोइन मिली। मामला पूगल थाना इलाके का मंगलवार सुबह सात बजे का है। युवक गंभीर घायल है, जिसे पहले पूगल अस्पताल फिर बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है।

- **'घायल लड़के का इस हेरोइन से कोई संबंध है या नहीं, इस बारे में छानबीन जारी है'**
- **प्रथम दृष्टया यह मामला ड्रोन के जरिए बॉर्डर पार से की गई ड्रॉपिंग से जुड़ा माना जा रहा है**

पूगल थानाधिकारी समरवीर सिंह ने बताया कि पूगल से खाजूवाला की तरफ 7 किलोमीटर मुख्य मार्ग पर एक युवक के घायल अवस्था में बेहोश पड़े होने की सूचना मिली थी। घायल युवक खेताराम (22) पाली जिले का रहने वाला है। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस सामान्य हादसा मानते हुए दुर्घटना में टूटी हुई स्कूटी थाने ले आई। थाने में उसकी स्कूटी को खंगाला तो डिक्की में पीले रंग का पैकेट नजर आया। पैकेट में 3 पैकेट्स थे। इसी में अलग-अलग 27 पैकेट्स में हेरोइन रखी थी। कुल 14 किलो हेरोइन थी। एसएचओ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में 14 किलो हेरोइन की कीमत 70 करोड़ रुपए है। लड़के का इस हेरोइन से कोई संबंध है या नहीं इस बारे में छानबीन जारी है। बीएसएफ के अधिकारी भी इस मामले में पुलिस से रिपोर्ट ले रहे हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, युवक खाजूवाला से अलसुबह निकला था और पूगल थाना क्षेत्र में सड़क पर अचेत अवस्था में मिला है। शुरुआती तौर पर आशंका जताई जा रही है कि उसकी स्कूटी की किसी आवारा पशु से टक्कर हुई है। प्रथम दृष्टया यह मामला ड्रोन के जरिए बॉर्डर पार से की गई ड्रॉपिंग से जुड़ा माना जा रहा है। गौरतलब है कि 20-21 अप्रैल की रात को सीमावर्ती क्षेत्र में हेरोइन ड्रॉपिंग का इनपुट सामने आया था।

घटना के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। पूगल पुलिस थाना में इस संबंध में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। फिलहाल युवक का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। उससे पूछताछ के बाद घटना का खुलासा हो सकेगा।

प्रदेश में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना

बीकानेर, (निसं)। श्रीगंगानगर सहित पूरे प्रदेश में नौतपा तो 25 मई से शुरू होगा, लेकिन इससे पहले ही तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की तैयारी में है। अप्रैल में ही जेठ जैसी तपिश महसूस होने लगी है और दोपहर में मुख्य सड़कों पर सन्नाटा छाया जा रहा है।

- **25 मई से नौतपा शुरू होगा जो 2 जून तक चलेगा, इस दौरान तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है**
- **मौसम विभाग के अनुसार 24 अप्रैल के बीच प्रदेश में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है**

मौसम विभाग के अनुसार 24 अप्रैल के बीच प्रदेश में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है। 23 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इन हवाओं के साथ धूल उड़ने से दृश्यता प्रभावित होगी और लू जैसे हालात बन सकते हैं। बीकानेर में न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे रात के समय भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार त्वचा में जलन और सूखापन बढ़ने की संभावना है। गर्मी बढ़ने के साथ शहर में बिजली और पानी की खपत में तेजी आई है। प्रशासन इंदिरा गांधी नहर परियोजना (आईजीएनपी) के जरिए अंतिम छोर तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने में जुटा है ताकि दूरदराज क्षेत्रों में पानी की कमी न हो।

तेज गर्मी का असर जनजीवन पर साफ दिख रहा है। दोपहर एक बजे के बाद मुख्य बाजारों में सन्नाटा पसरने लगता है और लोग जरूरी काम न होने पर घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार 25 मई से सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ नौतपा शुरू होगा, जो 2 जून तक चलेगा। इस दौरान तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मान्यता है कि नौतपा जितना तीखा होता है, मानसून उतना ही बेहतर माना जाता है।

अलवर में घर से बुजुर्ग महिला का अपहरण, लाखों के जेवर लूटे

बुजुर्ग महिला को आधी रात मुंह में कपड़ा ठूंसकर ले गए बदमाश, घर से 16 किमी दूर जंगल में पटककर भागे

अलवर, (निसं)। अलवर में बुजुर्ग महिला का किडनैप और लूट का मामला सामने आया है। आधी रात को कार में आए बदमाशों ने बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट भी की। इसके बाद उसे जंगल में फेंककर फरार हो गए। बुजुर्ग महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसकी आठ लाख रुपए की ज्वैलरी ले गए। घटना मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के हरिपुरा गांव की मंगलवार देर रात एक बजे की है।

बुजुर्ग महिला तुलसा देवी

मालाखेड़ा थाने के एसएचओ हरदयाल ने बताया कि बुजुर्ग महिला तुलसा देवी (69) का रात करीब एक बजे बदमाशों ने घर से किडनैप कर लिया पहले उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा, फिर कंबल में लपेटकर उसे ले गए। घटना के समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे। जैसे ही बुजुर्ग की बहू तारा देवी की नींद खुली तो उसने शोर मचाया, लेकिन बदमाश बुजुर्ग महिला को लेकर मौके से फरार हो गए।

- **घटना के समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे, जैसे ही बहू तारा देवी की नींद खुली तो शोर मचाया, लेकिन बदमाश महिला को लेकर फरार हो गए**
- **वृद्ध महिला के साथ मारपीट भी की गई, जिससे पैरों और मुंह पर चोटें आई हैं, मालाखेड़ा के हॉस्पिटल में एडमिट कराया**

एसएचओ ने बताया कि शिकायत के अनुसार बदमाश उनके पैरों से करीब सवा किलो चांदी के कड़े, चांदी की चेन, लगभग साढ़े तीन तोला सोने के जेवर (जंतर) और कुछ अन्य ज्वैलरी ले गए। इसकी कुल कीमत करीब 8 लाख रुपए बताई गई है। महिला के साथ मारपीट भी की गई। घटना में महिला के पैरों और मुंह पर चोटें आई हैं। बुजुर्ग को मालाखेड़ा के हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

पीड़ित के छोटे बेटे सरजीत रेबारी ने बताया कि उन्होंने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। वे खुद भी आरोपियों की तलाश में निकल पड़े। देर रात तक पुलिस और ग्रामीणों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन शुरुआत में कोई सुराग नहीं मिला। करीब 3 घंटे बाद तुलसा देवी घर से 16 किलोमीटर दूर तालवृक्ष क्षेत्र में एक नाले के पास मिली। वे बेहोशी थी। सरजीत रेबारी ने बताया कि परिवार में दो भाई और हैं जो पृथ्वीपुरा गांव में रहते हैं। घटना के समय घर में उनकी पत्नी तारा देवी, बच्चे और मां ही थे। सभी एक साथ सो रहे थे।

15 हजार रुपए की रिश्वत लेते दो सरकारी कर्मचारी और दलाल गिरफ्तार

जयपुर/चूरू, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चूरू इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दो कर्मचारियों और एक निजी दलाल को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी राज्य सरकार की 'डॉ. सविता बेन अम्बेडकर अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना' के तहत मिलने वाली सहायता राशि दिलाने के नाम पर परिवादी से कमीशन वसूल रहे थे।

एसीबी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दो कर्मचारियों व एक दलाल को गिरफ्तार किया।

- **अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि की सौदेबाजी में रिश्वत मांगी थी**

एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि अंतरजातीय विवाह के तहत उसे राज्य सरकार से 10 लाख रुपए की सहायता मिलनी थी। योजना की पहली किश्त 2.5 लाख रुपए जारी होने के बाद दूसरी किश्त दिलाने के नाम पर आरोपियों ने 35 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इस मामले में विजय खैरीवाल (सहायक प्रोग्रामर), कुलदीप आलडिया (वरिष्ठ सहायक) और निजी व्यक्ति बलवीर बिग्गा शामिल थे, जो मिलकर यह वसूली कर रहे थे।

एसीबी बीकानेर के उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर टीम ने बलवीर बिग्गा को परिवादी से 15 हजार रुपए लेते हुए दबोच लिया। तलाशी में रिश्वत की राशि उसकी पेंट की जेब से बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सत्यापन के दौरान 15 अप्रैल को ही 20 हजार रुपए की रिश्वत ले ली थी। शेष 15 हजार रुपए लेते समय एसीबी ने कार्रवाई कर उन्हें पकड़ लिया।

एसीबी ने मौके पर ही विजय खैरीवाल, कुलदीप आलडिया और बलवीर बिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। अब आरोपियों के आवास व अन्य ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर रोहित वधवा ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सादुलशहर थाने के हिस्ट्रीशीटर 32 वर्षीय रोहित वधवा ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या कर ली। यह हादसा मोहनपुरा की रोही में हुआ। युवक इन दिनों जिला मुख्यालय पर महावीर कॉलोनी में पत्नी शालू के साथ रह रहा था। सदर थाने के ड्यूटी अधिकारी एएसआई सतवीर सिंह राठौड़ ने पत्नी के परिवाद पर मर्ग दर्ज की है।

- **एक साल में 10 लाख की हेरोइन का नशा कर चुका था हिस्ट्रीशीटर रोहित वधवा**

जांच अधिकारी एएसआई राठौड़ को मृतक की पत्नी ने बताया कि उसका पति मलोट जाकर आने का कहकर निकला था। रात को करीब एक बजे उसके पास सूचना आई कि वह तीन बी की रोही में ट्रेन के नीचे आकर घायल हो गया है और जिला अस्पताल में उपचाराधीन है। अस्पताल पहुंची तब उसकी मौत हो चुकी थी। वह अत्यधिक नशा करने का आदी था। उसने एक साल पहले 17 लाख रुपए का मकान बेचकर महावीर कॉलोनी में सात लाख रुपए का लिया था। इस एक साल में वह 10 लाख रुपए की हेरोइन का नशा कर गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसके छोटे भाई साहिल को सौंप दिया।

जांच अधिकारी एएसआई सतवीर राठौड़ ने बताया कि रोहित वधवा के पिता सुरेंद्र कुमार पैरालिसिस के कारण बिस्तर पर हैं। रोहित के एक 6 और दूसरा बच्चा 4 वर्ष का है। वह सादुलशहर थाने का हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ 12 मुकदमे दर्ज थे। इनमें से 7 मुकदमे अकेले नशा तस्करी के थे। उसके खिलाफ 9 मामले अदालतों में विचाराधीन हैं। मृतक के भाई के अनुसार उसके खिलाफ एनडीपीएस कोर्ट में चल रहे मामलों में से एक में फैसला होने वाला था। वह इस बात को लेकर तनाव में रहता था कि अगर उसे सजा हो गई तो परिवार को कौन संभालेगा। इसी तनाव के कारण उसने आत्महत्या कर ली।

जोधपुर में ठेकेदार की चाकू गोदकर हत्या, दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के जगदंबा कॉलोनी प्रतापनगर सदर में क्षेत्र में मंगलवार की रात को एक कमठा ठेकेदार की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल कार्यस्थल ही रहा। आरोपी ठेकेदार से कार्य करवा रहे थे। इसी बीच ठेकेदार किसी अन्य साइट पर काम करने लगा था, इस बात को लेकर विवाद हुआ और फिर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। देर रात हरकत में आई पुलिस ने हत्या में नामजद दो आरोपियों का गिरफ्तार कर लिया। शव का एमजीएच में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। चाकू के कितने वार शरीर पर लगे इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। पुलिस अब हत्या के आरोपियों से चाकू बरामदगी के प्रयास में जुटी है। घटना को लेकर मृतक के भाई की तरफ से देर रात प्रताननगर सदर थाने में हत्या की रिपोर्ट दी गई।

प्रतापनगर सदर थानाधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि जगदंबा कॉलोनी प्रतापनगर सदर निवासी 45 वर्षीय सिकन्दर पुत्र अब्दूल रहमान कमठा ठेकेदार था। उसका काम जगदंबा कॉलोनी के आसपास ही चल रहा था। जितेंद्र सरगरा उर्फ जीतू सरगरा एवं मुन्ना सरगरा द्वारा उससे कार्य करवाया जा रहा था। रात दस बजे साइट पर ही विवाद हुआ और बाद में सिकंदर पर चाकू से हमला कर दिया गया। चाकू से गोदे जाने पर सिकंदर लहूलुहान हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, मगर कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। आरंभिक जांच में पता लगा कि कमठा ठेकेदार सिकंदर किसी अन्य साइट पर काम करने लगा था। आरोपियों का निर्माण कार्य नगर निगम की परमिशन के बिना रूका हुआ था। जिसके चलते सिकंदर ने अन्य साइट पर काम ले लिया था। मंगलवार की रात को इस बात को लेकर विवाद हुआ था। बाद में विवाद बढ़ने पर चाकूबाजी हो गई।

थानाधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि आज दोपहर में मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। शरीर पर चाकू के कितने घाव लगे हैं, फिलहाल इस बारे में कहा नहीं जा सकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही खुलासा हो पाएगा। हत्या में मृतक के भाई मुन्ना पुत्र अब्दुल रहमान की तरफ से रिपोर्ट दी गई। हत्या के आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू सरगरा एवं मुन्ना सरगरा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नाबालिग से रेप के दोषी को 20 साल की सजा सुनाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। नाबालिग लड़की के साथ बार-बार रेप करने के मामले में श्रीगंगानगर की पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, एक महिला व अन्य एक आरोपी को मामले में बरी कर दिया गया।

- **पॉक्सो कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया, दो बरी**

पुलिस को दी शिकायत में लड़की के पिता ने बताया था कि 25 सितंबर 2025 उसकी नाबालिग लड़की सुबह 7 बजे अपने स्कूल जा रही थी। स्कूल पहुंचने के बाद उसने स्कूल के किसी टीचर के मोबाइल से अनजान नंबर पर कॉल किया। इसके तुरंत बाद लड़की कहीं गायब हो गई। लड़की के पिता ने परिवार, रिश्तेदारों और पड़ोसियों से पूछताछ की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। अगले दिन 26 सितंबर को लड़की के पिता ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर मामला दर्ज कराया। जांच में सामने आया कि आरोपी स्कूल से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ कई बार रेप किया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 के जज ने सभी सबूतों, गवाहों और जांच रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए आरोपी को दोषी करार दिया। कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, जिसका भुगतान न करने पर अतिरिक्त 6 माह की सज़ा भुगतनी पड़ेगी।

अजमेर में 10 किलो गांजा जब्त

अजमेर, (कासं)। अजमेर में जिला स्पेशल टीम और गंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 10 किलो 602 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पहली कार्रवाई में पुलिस ने 8 किलो 402 ग्राम गांजा जब्त किया। दूसरी कार्यवाही में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 200 ग्राम गांजा और अवैध शराब बरामद की गई। साथ ही एक विधि संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया। दूसरी कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ के साथ पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मौके से बीयर, देशी शराब और हथकढ़ शराब भी जब्त की है। पूरे मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस संयुक्त ऑपरेशन को अजमेर पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की कुड़ी भगतासनी पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। कुड़ी पुलिस थाने के एसआई सहदेव गश्त पर थे। तब झालामंड स्थित हनुमान नगर एरिया में गए। वहां एक संदिग्ध युवक को पकड़ा और तलाशी लिए जाने पर पास में 257 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त मिला। इस पर युवक खेताराम प्रजापत को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

संशोधित निविदा सूचना - 02 दिनांक :- 21/04/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम. / एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस / प्रमुख एंव प्रभारी एलएस / संविदा- 12 / 2025-26 दिनांक 09.03.2026 UBN No. MML2526WSOB00170	जोधपुर कार्यालय के अधीन जैसलमेर एवं गोटन ईकाइ स्थित खदान में कार्य करने हेतु अनुबन्ध के आधार पर कम्प्यूटर पर कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की संख्या 26। अनुमानित मूल्य (रू.) 151.83 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 304000 /-, निविदा राशि- 4720 /- निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 20.04.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 30.04.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/1255 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

स्वच्छता जल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना SANITATION WATER AND COMMUNITY HEALTH PROJECT

क्रमांक: एफ ()/निविदा/निदे/स्वच्छ/26-27/ राजकाज न. 21733767 /1022-28 दिनांक: 21.4.26

E-TENDER NOTICE :- 06/2026-27
NIB-SWP2627A0010
UBN:- SWP2627WSOB00074 TO SWP2627WSOB00080

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग अन्तर्गत स्वच्छ परियोजना के मार्फत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) के अंतर्गत वर्ष में अनुमोदित जनजातीय बालक / बालिका छात्रावास / आवासीय विद्यालयों में निर्माण कार्य कुल निविदा 7 करवाये जाने हेतु ई-बोली सूचना दिनांक 21.04.2026 से 11.05.2026 तक आमंत्रित की जाती है। उक्त बोली से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी। साथ ही स्वच्छ परियोजना द्वारा पूर्व में जारी निविदा क्रमांक 04/2026-27 (SWP2627GLRC00071) एवं 05/2026-27 (SWP2627GLRC00072) मां बाडी केन्द्रो पर अध्ययनरत बालक / बालिकाओ हेतु स्टेशनरी सामग्री एवं स्कूल बेग में आंशिक संशोधन किया गया है। जिसकी सूचना www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी।

DIRECTOR
SWACH PROJECT, UDAIPUR

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; मोबाईल न. 8112207969, 9414389929

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001

क्रमांक: एफ( )/कृअके/स्टोर/2026/12-21 दिनांक: 22/04/2026

आम फलों की नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, इस केन्द्र के फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा पर कलमी आम के फलित पेड़ों (दशहरी, केसर, लंगडा, मल्लिका, आम्रपाली, बाम्बे ग्रीन एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दिनांक 29/04/2026 को प्रातः 11.30 बजे, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहाँ है जैसे है की स्थिति में की जानी है। अतः इच्छुक क्रेता तय तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि रूपये 10,000/- नगद जमा करवानी अनिवार्य होगी। साथ ही बोलीदाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तो की सहमति रू. 100/- के स्टाम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा हस्ताक्षर सहित एक चेक (खाली चेक) धरोहर राशि के साथ जमा करावे। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति/फर्म के नाम से होगी, उसे बोली राशि की आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरन्त जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करवानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा होने के पश्चात ही बोलीदाता को फल तोड़ने की अनुमति दी जाएगी। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी एवं बगीचे के अवलोकन हेतु कार्यालय समय (प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक) में सम्पर्क कर सकते है।

हस्ताक्षर/-
संभागीय निदेशक अनुसंधान

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक युवक 20 से 21 अप्रैल के बीच की रात अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन से डबवाली से संगरिया की तरफ गिर गया था। इससे उसे गंभीर चोट लगी। जीआरपी डबवाली की ओर से मंडी डबवाली एंबुलेंस सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कुलवंत सिंह को फोन कर एंबुलेंस भेजी गई। युवक ने दो घंटे बाद बठिंडा एम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के पास पहचान लायक कोई दस्तावेज मौजूद नहीं था। इसके साथ ये छोटे बच्चे भी थे।

- **युवक के साथ दो बच्चियां थी जो कुछ बता नहीं पा रही है**

पूछताछ में इन्होंने केवल सूरतगढ़ का नाम लिया है। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता रहे हैं। बठिंडा बाल कल्याण समिति ने बच्चों को नथाना स्थित एनजीओ के यहां पालन-पोषण के लिए सौंपा है। एंबुलेंस सेवा के प्रेजिडेंट कुलवंत सिंह ने बताया कि मृतक का शव डबवाली के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक के सूरतगढ़ एरिया का होने की पूरी संभावना है।

डूंगरपुर : 10 करोड़ से ज्यादा की ऑनलाइन ठगी करने के 38 आरोपी गिरफ्तार

73 मोबाइल, 136 सिमकार्ड, लग्जरी जीप सहित कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर पुलिस ने ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत ऑनलाइन ठगी के 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सायबर ठगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत देशभर में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के 38 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से से 73 मोबाइल, 136 सिमकार्ड, लग्जरी थार जीप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए हैं। आरोपी दुबई और देशभर के अलग-अलग कोने में बैठकर लोगों से ऑनलाइन ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग, एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर लोगों को लालच देकर उनसे वारदात की गई।

एसपी मनीष कुमार ने बताया कि देशभर में ऑनलाइन ठगी की बढ़ती वारदातों को रोकने के लिए ऑपरेशन म्यूल हंट चलाया जा रहा है। इसके तहत अलग-अलग टीमें बनाकर जांच की गई। जांच में कई सायबर ठगों के बारे पता लगा। इस पर पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 38 सायबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया है।

- **दुबई और देशभर के अलग-अलग कोने में बैठकर लोगों से ऑनलाइन ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे आरोपी**
- **इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग, एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर लोगों को लालच देकर ठगी की वारदात की गई थी**

आरोपियों ने देशभर में लोगों से करोड़ों की ठगी की वारदातें कबूल कर ली है। हालांकि आरोपियों ने कितने लोगों से ठगी की है, इसका कोई सही आंकड़ा अब तक सामने नहीं आया है, लेकिन पुलिस आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों के बैंक अकाउंट खंगाल रही है। अब तक 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने के मामले सामने आए है। ऐसे में ठगी की राशि का आंकड़ा ओर भी बढ़ सकता है। पुलिस ने दुबई में बैठकर इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग के नाम पर देशभर में लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाली सायबर ठग गैंग के आरोपी लकी वैष्णव निवासी पातेला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने लालच में आकर खुद के अलग-अलग बैंक में खाते खुलवाकर दुबई में बैठे सायबर ठगों को बेच दिए थे। इसे लेकर देशभर में सायबर ठगी के केस दर्ज किए गए। जांच में बैंक अकाउंट का पता लगाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी सोशल मीडिया ऐप के जरिए इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग के नाम पर भारी मुनाफा कमाने का लालच देते थे, लालच में आकर देशभर के लोगों ने ऑनलाइन राशि ट्रांसफर कर दी। इसके बाद राशि रिफंड करने के नाम पर भी उनसे राशि हड़प लेते। पुलिस अब आरोपी से उसके साथियों के बारे में पडताल कर रही है।

पुलिस ने फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी ईश्वर पुत्र केवजी पाटीदार निवासी गामडी देवकी, कन्हैयालाल पुत्र डूंगर पाटीदार निवासी भचडिया, विक्रम सिंह तंवर पुत्र मनोहर सिंह तंवर निवासी पचलासा छोटा को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया ऐप पर फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के ऐड जारी करते थे। इसमें लड़की उपलब्ध करवाने के नाम पर अश्लील फोटो जारी करते थे। झांसे में आकर लोग सायबर ठगों को ऑनलाइन राशि ट्रांसफर कर देते थे। ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत पुलिस ने आरोपी पप्पू पुत्र भेमजी अहारी निवासी भोजातो का ओडा, अजय उर्फ आजाद पुत्र गांग पाटीदार निवासी मसाना को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर अश्लील वेबसाइट के जरिए लोगों से ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच मोबाइल ओर सिम कार्ड बरामद किए हैं। इसके अलावा तीन नाबालिग डिटेन किए गए हैं।

''विधायक'' की फर्जी नेम प्लेट लगी कार जब्त, ड्राईवर गिरफ्तार

कालवाड़ इलाके में ट्रैफिक हैडकांस्टेबल धारासिंह ने पकड़ी लग्जरी कार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर के कालवाड़ क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस ने वीआईपी कल्चर का रौब झाड़ने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति पर सख्त कार्रवाई करते हुए फर्जी विधायक नेमप्लेट लगी कार को जब्त कर लिया। वाहन पर प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म भी लगी हुई थी।

कालवाड़ थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हाथोज इलाके में चेकिंग के दौरान ट्रैफिक हेड कांस्टेबल धारासिंह ने एक संदिग्ध कार को रुकवाया। जांच के दौरान चालक श्याम (निवासी झोटवाड़ा) ने खुद को विधायक बालमुकुंद आचार्य का करीबी बताते हुए गाड़ी छोड़ने का दबाव बनाया। उसने दावा किया कि वाहन विधायक का है और उसे जाने दिया जाए। हालांकि हैड कांस्टेबल ने स्पष्ट कर दिया कि वह विधायक की अधिकृत गाड़ी को पहचानते हैं,क्योंकि वह नियमित रूप से उसी मार्ग से गुजरती है। इसके बाद चालक को नियमों की जानकारी दी गई।

थानाधिकारी ने बताया कि जब चालक का दावा काम नहीं आया तो उसने मामला खत्म करने के लिए 20 हजार रुपए की रिश्वत देने की पेशकश की। पुलिसकर्मी द्वारा मना करने पर एक अन्य व्यक्ति मौके पर पहुंचा और कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए दबाव बनाने का प्रयास किया। उसने धमकी भरे लहजे में कहा कि गाड़ी जब्त करके कौन से कलेक्टर बन जाओगे। गाड़ी के दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि कार का रजिस्ट्रेशन सलुंबर निवासी तुषार के नाम पर है और इसका किसी विधायक या उनके कार्यालय से कोई संबंध नहीं है। जांच में स्पष्ट हुआ कि चालक अवैध वीआईपी सुविधा पाने और पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए फर्जी नेम प्लेट का उपयोग कर रहा था। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए हैड कांस्टेबल धारासिंह ने ट्रैफिक सीआई कविता शर्मा को सूचित किया। उनके निर्देश पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कार को जब्त कर कालवाड़ थाने भिजवा दिया।

जब्त लग्जरी कार

- **कालवाड़ इलाके में ट्रैफिक हैडकांस्टेबल ने ब्लैक फिल्म लगी इस कार को रोका था, ड्राईवर ने पहले तो विधायक बालमुकुंदाचार्य की कार बताई, बाद में जब झूठ पकड़ा गया तो उसने 20 हजार रु. रिश्वत की पेशकश कर दी**
- **ट्रैफिक सीआई कविता शर्मा को जैसे ही इस मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने कार जब्त कर कालवाड़ थाने में खड़ी करवाई और आरोपी ड्राईवर को गिरफ्तार कराया**

थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि वाहन को थाने में खड़ा करवाया है और आगे विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में विधायक बालमुकुंद आचार्य ने भी स्पष्ट किया कि उनका आरोपी से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्हें पुलिस की ओर से सूचना मिली थी, लेकिन इस व्यक्ति या वाहन से उनका कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पूजा-पाठ के बहाने महिला के जेवर लेकर फरार हुआ बदमाश

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में ठगी की एक वारदात सामने आई है, जहां एक शातिर ठग ने महिला को झांसे में लेकर उसके जेवर उतरवा लिए और फरार हो गया। मामला लाल कोठी थाना क्षेत्र के सांगानेरी गेट पार्किंग का है।

एएसआई सूरजमल ने बताया अमृतपुरी घाटगेट निवासी 38 वर्षीय अर्चना देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सांगानेरी गेट बस स्टैंड स्थित गुलाबी नगर ढाबा के पास खड़ी थी। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया और पता पूछने के बहाने बातचीत शुरू की। इस दौरान आरोपी ने उसके हाथ में पत्थर और मिट्टी रखकर कहा कि उसके पति की तबीयत खराब है और उसके लिए विशेष पूजा करनी होगी। इसके बाद वह उसे बहला कर सड़क पार कर सांगानेरी गेट पार्किंग में ले गया। वहां पेड़ के नीचे बैठाकर आरोपी ने महिला को बातों में उलझाया और पूजा के नाम पर जेवर-मंगलसूत्र और कानों के टॉप्स उतरवा लिए और लेकर फरार हो गया।

फर्जी वसीयत से 15 बीघा जमीन हड़पने वाला जालसाज गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी जयपुर की मुरलीपुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कूटरचित वसीयतनामा बनाकर करोड़ों रुपए की जमीन हड़पने के मामले में दो साल से फरार चल रहे शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पहचान बदलकर अलग-अलग शहरों में रहकर पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपी मयंक अग्रवाल के खिलाफ परिवादी सज्जन कुमार अग्रवाल ने जुलाई 2024 में मामला दर्ज कराया था। शिकायत में बताया गया कि उनके दिवंगत भाई महेन्द्र कुमार अग्रवाल के नाम से दिल्ली रोड स्थित बिशनगढ़ (आमेर) क्षेत्र की करीब 15 बीघा बेशकीमती जमीन हड़पने के लिए आरोपी ने साजिश रची।

आरोपी ने जाली वसीयतनामा तैयार कर जमीन अपने नाम करवा ली और बाद में इसे जितेन्द्र सैन के नाम गिफ्ट डीड के जरिए स्थानांतरित कर दिया। मामले की जांच में सामने आया कि यह पूरी तरह सुनियोजित जालसाजी थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। आरोपी तकनीकी रूप से काफी दक्ष है और पकड़ से बचने के लिए लगातार मोबाइल और सिम बदलता रहा। वह मुंबई, उज्जैन और अन्य शहरों में अपनी पहचान बदलकर रह रहा था।

- **आरोपी ने मुंबई, उज्जैन और अन्य शहरों में पहचान बदलकर फरारी काटी थी**
- **पुलिस से बचने के लिए आरोपी सिम कार्ड और मोबाइल फोन बदलता रहा।**

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता के सुपरविजन में गठित टीम ने तकनीकी और पारंपरिक पुलिसिंग के जरिए आरोपी की तलाश जारी रखी। आखिरकार सूचना मिली कि आरोपी चंडीगढ़ में छिपकर 'रैपिडो' के जरिए टैक्सी चला रहा है। इस पर पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में गठित टीम में हेड कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद, कांस्टेबल अनिल कुमार, अनिल कुमार (द्वितीय) और राजेश कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। पूछताछ के दौरान इस जालसाजी में शामिल अन्य साथियों और इसी तरह के अन्य मामलों का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस का मानना है कि रिमांड के दौरान फर्जी दस्तावेज, गिफ्ट डीड और जमीन हड़पने के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकता है।

उपमुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को सिविल लाइंस स्थित आवास पर जनसुनवाई की, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों ने सड़क, पेयजल, अतिक्रमण, बिजली सहित विभिन्न स्थानीय मुद्दों को उपमुख्यमंत्री के समक्ष विस्तार से रखा। जनसुनवाई के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता और ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सार-समाचार

सेवानिवृत्त जनसंपर्क अधिकारी रविशंकर शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जयपुर । राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम से सेवानिवृत्त जनसम्पर्क अधिकारी रविशंकर शर्मा को जनसम्पर्क एवं जनसंचार क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य एवं उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर में आयोजित समारोह में ''लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड'' से नवाजा गया। यह कार्यक्रम पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर की ओर से आयोजित हुआ था। ज्ञात रहे कि रविशंकर शर्मा को मीडिया एवं जनसंचार क्षेत्र में कार्य का 50 वर्ष से भी अधिक का अनुभव है। समारोह के मुख्य अतिथि फर्स्ट इंडिया न्यूज नेशनल चैनल और दैनिक सच बेधड़क के प्रबंध संपादक पवन अरोड़ा (रिटायर्ड आईएएस) थे। हरिदेव जोशी जनसंचार एवं पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एन.के.पांडे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा प्रेस काउंसिल के पूर्व सदस्य और वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद एल.सी.भारतीय विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीरेन्द्र पारीक, उपाध्यक्ष कविता जोशी, सचिव मनीष हूजा सहित संस्था के सदस्य एवं बड़ी संख्या में जनसम्पर्ककर्मी, साहित्यकार एवं पत्रकार उपस्थित थे।

''कोवे'' की नई कार्यकारिणी घोषित

जयपुर । कॉन्फेडरेशन ऑफ वूमेन एंटरप्रेन्योर्स (कोवे) राजस्थान चैप्टर की ओर से बुधवार को आरआईसी में स्थापना समारोह 2026-27 आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महिला उद्यिमयों, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों और युवा उद्यमी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजस्थान पर्यटन एवं एमडी आरटीडीसी, कमिश्नर, सीईओ पैलेस ऑन व्हील्स, रुक्मणी रियार रहीं। इस मौके पर नई कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया। जिसमें प्रेसिडेंट प्रीति अग्रवाल, इमिडियेट पास्ट प्रेसिडेंट रुचिता धूत, सचिव डॉ आभा गुप्ता, विदुषी मित्तल, ट्रेजरार शशि केडिया और जॉइंट सेक्रेटरी स्नेह अजमेरा ने पदभार संभाला। एक्जीक्यूटिव कमेटी सदस्य में रश्मि धारिवाल, सीमा टाटीवाल, स्मिता सेठी, रूपा खंडेलवाल, उर्वशी मेहरवाल, अलका गौर, निधि जैपुरिया, निशा माहेश्वरी और दीप्ति पूंगलिया, साथ ही गवर्निंग बोर्ड में निधि तोषनीवाल, शिवानी बोहरा, रुचिका सराफ, कल्पना गोयल रही। सलाहकार मंडल में माला खेतान, कमला पोद्दार और सुजाता डागा रही।

'ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप' का लोकार्पण

जयपुर। विधायक कालीचरण सराफ ने मालवीयनगर स्थित जयपुर कैलगिरी आई हॉस्पिटल में विधायक कोष द्वारा प्रदत्त राशि से लगी ''ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप'' मशीन का लोकार्पण किया। इस उपकरण से अस्पताल की नेत्र चिकित्सा सेवाओं को सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी साथ ही जयपुर एवं आसपास के क्षेत्र के असंख्य नेत्र रोगियों के लिए यह सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार का माध्यम बनेगा। अस्पताल निदेशक एवं डॉक्टर्स टीम ने सराफ का माला पहनाकर स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक आनंद वर्धन शुक्ल, उपाध्यक्ष ओमेंद्र भारद्वाज, सचिव डॉ एन के अग्रवाल, ट्रस्टी एस.एस भंडारी, रत्नेश कश्यप, डॉ एस.एस अग्रवाल, विक्रम वैद, प्रीति गोयल,विवेक भाटिया,एवं ट्रस्ट बोर्ड के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

आईडीएफसी देगा कस्टम ड्यूटी पैमेंट सुविधा

मुंबई। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने अपने व्यक्तिगत और बिज़नेस ग्राहकों के लिए नई सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। जिसके जरिए अब वे आइसगेट 2.0 से जुड़कर कस्टम ड्यूटी, सेंट्रल एक्साइज और सर्विस टैक्स का डिजिटल पेमेंट आसानी से कर सकेंगे। इस इंटीग्रेशन के साथ ग्राहक आइसगेट पोर्टल के जरिए आसानी से टैक्स पेमेंट शुरू कर सकते हैं और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिटेल और कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए पेमेंट पूरा कर सकते हैं, जिससे उन्हें सुरक्षित, तेज और पूरी तरह डिजिटल अनुभव मिलता है। यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों को रियल टाइम पेमेंट कन्फर्मेशन, आसान ऑनलाइन प्रोसेस और रिकॉर्ड के लिए तुरंत चालान डाउनलोड करने की सुविधा देता है। यह जानकारी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के हेड- रिटेल लाइबिलिटीज़, आशीष सिंह ने दी है। उन्होंने कहा कि कस्टम ड्यूटी पेमेंट व्यापार की रफ्तार और बिज़नेस की निरंतरता के लिए बहुत जरूरी होते है।

डिश टीवी का विज्ञापन कैंपेन लॉन्च

जयपुर । भारत की प्रमुख कंटेंट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में से एक, ''डिश टीवी'' ने नया विज्ञापन कैंपेन लॉन्च किया है, जो कुछ छोटा-सा करने पर, लाइफ होगी बेहतर सोच पर आधारित है। यह कैंपेन एक आसान और समझ में आने वाले विचार पर आधारित है कि हम हर दिन जो छोटे-छोटे फैसले लेते हैं, वे हमारी जिंदगी को और बेहतर बना सकते हैं, खासकर जब बात दर दिन टीवी देखने की हो। आज भी बहुत से घर फ्री-टू-एयर चैनल देखते हैं, लेकिन साथ ही वे बेहतर और ज्यादा कंटेंट भी चाहते हैं। इसी वजह से उनका टीवी देखने का अनुभव कभी-कभी अधूरा या बार-बार रुकने वाला हो जाता है। डिश टीवी खुद को एक भरोसेमंद और आसान विकल्प के रूप में पेश कर रहा है, जिससे लोग बिना झंझट टीवी देख सकें। डिश टीवी के साथ नए और पुराने यूज़र्स 190 से ज्यादा चैनल्स का आनंद ले सकते हैं।

जयपुर जिले में 27 अप्रैल से स्कूलों का समय बदलेगा

भीषण गर्मी व लू के कारण कलेक्टर संदेश नायक ने जारी किए आदेश

जयपुर । मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान व गर्मी बढ़ने और लू चलने की संभावना जताई गई है, जिसे देखते हुए जयपुर कलक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जयपुर के अध्यक्ष संदेश नायक ने जिले के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों की प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के संचालन समय में परिवर्तन किया है। जिला कलक्टर के आदेश के मुताबिक प्री-प्राइमरी से आठवीं तक की कक्षाएँ 27 अप्रेल से सत्रांत तक सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित करने के आदेश जारी किए हैं। सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों की कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं सहित सभी स्टाफ व संचालित अन्य परीक्षाओं का समय यथावत रहेगा। निर्देशों की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं निजी विद्यालयों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधान के तहत नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

- **प्री-प्राइमरी से आठवीं तक की कक्षाएं सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगी**
- **शेष कक्षाओं और परीक्षाओं का समय यथावत रहेगा**

हेमलता प्रभु स्मृति समारोह आज

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केंद्र के मध्यवर्ती में गुरुवार को शाम 6 बजे 15वाँ हेमलता प्रभु स्मृति समारोह का आयोजन होगा। जयपुर की पहली महिला नाट्यय निर्देशक और कनोडिया महिला महाविद्यालय की सह-संस्थापक व महारानी महाविद्यालय में दो दशक तक अंग्रेजी शिक्षिका रहीं हेमलता प्रभु के जन्मदिवस के अवसर होने वाले समारोह में इसमें उनसे जुड़ी स्मृतियों व उनके व्यक्तित्व के बारे में चर्चा होगी। समारोह की शुरुआत में शास्त्रीय नृत्यांगना एवं सांस्कृतिक कार्यकर्ता प्रियाक्षी अग्रवाल नाटक नंगा कपड़ा की प्रस्तुति देंगी। प्रियांक्षी अग्रवाल द्वारा निर्देशित इस प्रस्तुति का शोध भारत में वस्त्र निर्माण के लंबे इतिहास पर आधारित है। इसके बाद संगीता गैरोला (आईएएस) मेरा कॉलेज जीवन और उसका प्रभाव में अपने विद्यार्थी जीवन के समय में हेमलता प्रभु के प्रभाव के बारे में चर्चा करेंगी।

सर्विस सेंटर से 50 हजार की चोरी करने वाला गिरफ्तार

कालवाड़ थाना पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी को दबोचा

जयपुर। राजधानी जयपुर के कालवाड़ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्विस सेंटर से नकदी चोरी करने वाले शातिर आरोपी को महज 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ग्राहक बनकर सेंटर में घुसा और मौका पाकर ऑफिस में रखी नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गया था।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि हाथोज स्थित जे.के. मोटर्स सर्विस सेंटर के संचालक हीरालाल यादव ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 21 अप्रैल को एक अज्ञात व्यक्ति गाडी की जानकारी लेने के बहाने सेंटर पर आया। इसी दौरान जब संचालक अपने काम में व्यस्त था, आरोपी ऑफिस में घुस गया और वहां रखे कपड़ों की जेब से करीब 50 हजार रुपए निकालकर फरार हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त (झोटवाड़ा) आलोक कुमार सैनी के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेश सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सर्विस सेंटर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी सतवीर सिंह (34) को गिरफ्तार किया है, जो मूल रूप से सीकर जिले के लोसल का निवासी है और वर्तमान में जयपुर के मुरलीपुरा स्थित बंधुनगर में रह रहा था। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशा करने और जुआ खेलने का आदी है। अपनी इन आदतों को पूरा करने के लिए वह सुनसान स्थानों, मकानों और दुकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं।

इस त्वरित कार्रवाई में थानाधिकारी सुरेश सिंह के साथ हेड कांस्टेबल शेरसिंह, दुर्गाप्रसाद तथा कांस्टेबल हीरालाल, गोपाल लाल और भंवरलाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की गई राशि की बरामदगी के प्रयास में जुटी हुई है।

'ठेकेदारों को जून तक 5000 करोड़ रु. का भुगतान करेगा जलदाय विभाग'

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी से वार्ता के बाद पीएचईडी कॉन्ट्रेक्टर्स की हड़ताल 5 मई तक स्थगित, वार्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कॉन्ट्रेक्टर्स द्वारा प्रस्तावित हड़ताल को राज्य सरकार के साथ हुई सकारात्मक, रचनात्मक एवं परिणामदायी वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के साथ विस्तृत चर्चा के पश्चात लिया गया। कॉन्ट्रेक्टर्स ने आपसी सहमति से अपने आंदोलन को 5 मई 2026 तक स्थगित रखने का निर्णय किया है।

वार्ता के दौरान राज्य सरकार ने कॉन्ट्रेक्टर्स की प्रमुख मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। मई 2026 तक 2500 करोड़ रुपये तथा जून 2026 के अंत तक अतिरिक्त 2500 करोड़ रुपये का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में सहमति बनी कि मई 2024 तक पूर्ण किए गए कार्यों के लिए नियमानुसार एलडी (लिक्विडेटेड डैमेज) में राहत प्रदान की जाएगी। जिन निविदाओं (टेंडर्स) में प्राइस वेरिएशन क्लॉज लागू है, उनमें नियमानुसार प्राइस वेरिएशन का लाभ दिया जाएगा। इसी प्रकार 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर फाइनल कर उनका शीघ्र हैंडओवर सुनिश्चित किया जाएगा। जीएसटी अंतर राशि के भुगतान हेतु वित्त विभाग से अनुमोदन के लिए 10 दिनों के भीतर प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा। सरकार एवं कॉन्ट्रेक्टर्स के बीच बनी इस सहमति से प्रदेश में जलापूर्ति एवं संबंधित विकास कार्यों को गति मिलने की प्रबल संभावना है। यह निर्णय आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी से बुधवार को विभागीय ठेकेदारों ने वार्ता की।

25 अप्रैल को जयपुर में नो-ड्रोन जोन घोषित

जयपुर (कासं)। राजधानी में 25 अप्रैल को प्रस्तावित अतिविशिष्ट व्यक्ति (वीवीआईपी) के दौरे को देखते हुए जयपुर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कडे इंतजाम किए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर शहर के कई हिस्सों को अस्थाई रेड जोन (नो-ड्रोन जोन) घोषित किया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार आदेश के अनुसार वीवीआईपी के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम (जेएलएन मार्ग) और राजस्थान विश्वविद्यालय के कन्वोकेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रमों के मद्देनजर सांगानेर, एयरपोर्ट, जवाहर सर्किल, मालवीय नगर, बजाज नगर, गांधी नगर, मोती डूंगरी और जवाहर नगर थाना क्षेत्रों में ड्रोन उडाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंधात्मक आदेश 25 अप्रैल 2026 को प्रात: 6 बजे से सायं 5 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि के दौरान इन 8 थाना क्षेत्रों की सीमा में किसी भी प्रकार के निजी या व्यावसायिक ड्रोन उडाने की अनुमति नहीं होगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव पचार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वीवीआईपी की सुरक्षा सुनिश्चित करना नितांत आवश्यक है। ड्रोन से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कानून की सुसंगत धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्तालय ने सभी नागरिकों और ड्रोन ऑपरेटरों को इस आदेश की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश एक पक्षीय रूप से जारी किया गया है।

- **वी.वी.आई.पी. के आगमन को लेकर राजधानी में प्रतिबंध**
- **8 थाना क्षेत्रों में ड्रोन उडाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी**

'जनभागीदारी से हरित बनेगी धरती'

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पृथ्वी दिवस के पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी केवल हमारा निवास नहीं, बल्कि जीवन का आधार है, जिसकी सुरक्षा और संतुलन बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। वर्तमान समय में पर्यावरणीय चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से पृथ्वी के संरक्षण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे पर्यावरण के प्रति जागरूक बनें और सकारात्मक बदलाव के प्रेरक बनें।

गाड़ी टच होने पर बाप-बेटों पर जानलेवा हमला करने वाले दो गिरफ्तार

विद्याधर नगर पुलिस ने गैराज पर दो युवकों और उनके पिता पर लाठी-सरियों से जानलेवा हमला करने वाले दो मुख्य बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर (का.सं.)। विद्याधर नगर पुलिस ने गैराज पर पिता और उनके दो बेटों पर लाठी-सरियों से जानलेवा हमला करने वाले दो मुख्य बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हमले में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए हैं।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि घटना 18 अप्रैल की है। परिवादी अपने गैराज के सामने गाड़ी ठीक कर बैक ले रहा था, तभी एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार वहां आई और उसकी गाड़ी से हल्की टच हो गई। जब परिवादी ने नीचे उतर कर देखा, तो कार सवार व्यक्ति गाली-गलौज करता हुआ चला गया। कुछ ही देर बाद वह व्यक्ति स्विफ्ट कार और बाइकों पर करीब 15-20 बदमाशों को लेकर वापस लौटा और परिवादी व उसके दो बेटों-राहुल सैनी व मनीष सैनी पर लाठी, डंडों और सरियों से जानलेवा हमला कर दिया।

हमले में पिता और दोनों बेटों के सिर व पैरों पर गंभीर चोटें आईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह शेखावत और एसीपी सुरेंद्र सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी हिम्मत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी सहायता से आरोपियों की पहचान कर अंकित यादव (25) निवासी नारायण विहार जयपुर और अभिषेक यादव (22) निवासी बिंदायका जयपुर को गिरफ्तार किया है। इस त्वरित खुलासे में थानाधिकारी हिम्मत सिंह के साथ एएसआई देवीलाल, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, कांस्टेबल सोहन लाल और सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से उनके अन्य साथियों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है, जो वारदात के समय उनके साथ मौजूद थे।

- **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हथियार भी जब्त किए**

ARBiT it happens here...

Celebrating English Language Day

Observed annually on April 23, English Language Day honours the rich history and global influence of the English language, as well as the birth anniversary of William Shakespeare. The day recognises English as one of the most widely spoken languages, serving as a bridge across cultures, businesses, and nations. It highlights the language's evolution, adaptability, and role in literature, education, and communication worldwide. From classic works to modern media, English continues to shape global discourse. The occasion encourages people to appreciate linguistic diversity while promoting multilingualism and a deeper understanding of cultural exchange through language.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
23 April 2026
A-B

The VOC Factories of Bengal

The VOC arrived in the area around the Bay of Bengal in 1602 and set up several trading posts along the Coromandel Coast in India. With its chief Bengal factory first established in 1635 in Hooghly, the company continued in the region to operate until its dissolution in 1800 and after as part of the Netherlands Ministry of Colonies, until 1825. Even though the VOC started out at almost the same time as the English, it eventually lost control of its possessions in Bengal after the British Raj took over. The beginnings of this venture can be traced back to the village of Chinsurah around the port of Hooghly.

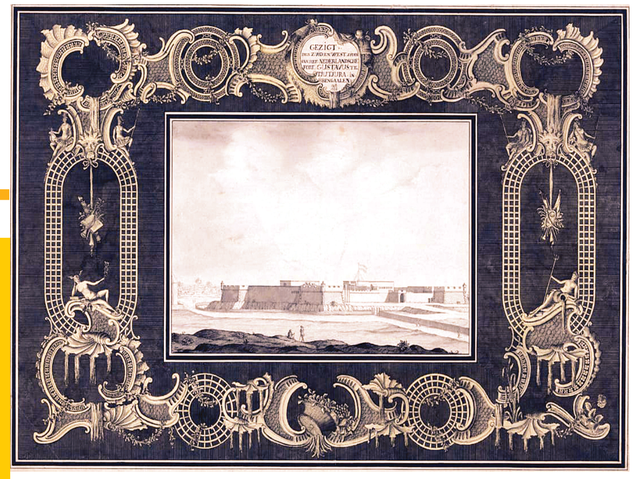

View of Fort Gustavus in Chinsurah.

• Verna Mohon

In 1664, a Dutch surgeon named Wouter Schouten spotted the VOC factory in Chinsurah as his ship approached the harbour of Hooghly. Seeing it from a distance, he exclaimed that "nothing shone brighter in Hooghly than the Dutch lodge there, standing tall on a distinct plain, at a musket shot's range from the waters of the Ganges" (Schouten, Book III: 68). He remarked on how the factory resembled a firm castle that was built out of stones. Its ornate walls and pointed corners were of the right height and equipped with cannons.

The factory was spacious from inside and had a beautiful lodge for the Dutch director, along with other rooms for the council members and officials of the Company. There was also a warehouse for storing the merchandise that came in and went out daily. This factory with its typical functions of storage and commerce along with residence backed by military support was the primary base for the VOC in Bengal. There were also other factories in Kasimbazaar, Malda, Balasore, Pipli, Patna and Chopra around this region. In 1758, however, the VOC doubted the strength of this factory in Chinsurah to withstand attacks.

An engineer employed to design an alternate factory proposed Bankibazaar (modern day Bankipur), close to Hooghly, as the chosen space. Bankibazaar was by then already a much-coveted place. Three decades earlier, the Ostend Company had succeeded in establishing a short-lived factory that was closed down by 1731. Subsequently, both the Danish and the English East India Companies wanted to set up their factories. But the plans of the Company never came to fruition and the fortified factory of Hooghly, known as Fort Gustavus, continued to be in use. A typical VOC factory, including Fort Gustavus in Chinsurah, had gardens, cemeteries, tanks, storehouses and a lodge for residence and formed micro-settlements within the larger village setting. But what exactly happened inside the factories? Who visited them and how did the men inside interact with those outside?

The VOC arrived in the area around the Bay of Bengal in 1602 and set up several trading posts along the Coromandel Coast in India. With its chief Bengal factory first established in 1635 in Hooghly, the company continued in the region to operate until its dissolution in 1800 and after as part of the Netherlands Ministry of Colonies, until 1825. Even though, the VOC started out at almost the same time as the English, it eventually lost control of its possessions in Bengal after the British Raj took over. The beginnings of this venture can be traced back to the village of Chinsurah around the port of Hooghly.

When the VOC ships arrived there, the men on board visited the Dutch factory and the lodge and stayed in and around the area adjacent to the factory. To serve their needs better, hostels or inns were started by the Europeans. Several of them were run by the early Portuguese settlers in Bengal. The merchants of the Estado da India in Bengal were used to staying in such

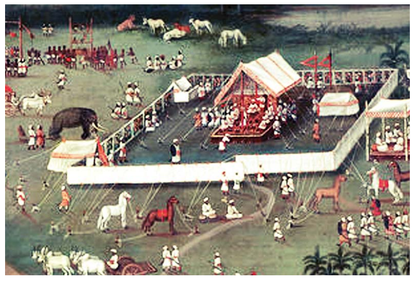

The Factory of the VOC at Hooghly in Bengal.

#THE RAJ

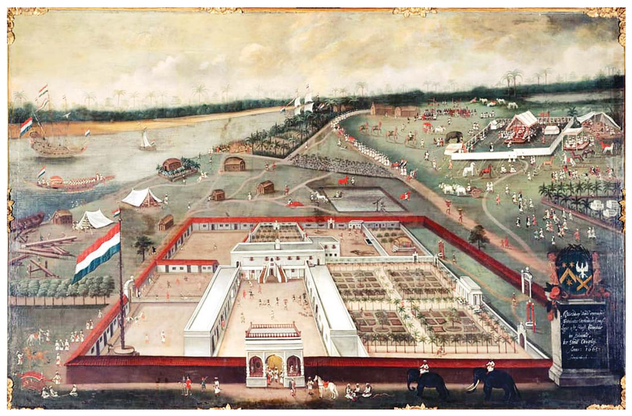

A VOC factory in Hoogly by Hendrik Van Schuylenburgh, 1665.

hostels that helped them with information on navigating the local surrounding, besides food and lodging. Such hostels continued to operate at the time of the Dutch and other European companies. The VOC surgeon, Schouten, of whom we mentioned before, stayed at such an inn when he arrived in Bengal. He wrote about the owner there as a man speaking creole Portuguese, born of a Roman Catholic father and an Indian mother who hosted him and entertained him in the evenings. Schouten owned a slave and went around the place, often enjoying the hospitality of local merchants as their guests. The area close to the river outside the Dutch factory was thus a bustling scene of people coming from and going to the port as they also mingled with the local populace.

The VOC was accustomed to bargaining for space where it could construct its factories. In the case of Bankibazaar, it was suggested to buy all the houses in the surrounding area. A painting of the VOC factory in Kasimbazaar by Hendrik van Schuylenburgh shows the presence of these local houses in the immediate vicinity of the factory. Here, there lived a motley mix of people including Portuguese, Dutch, English, French, Danish and Swedish. By 1824, as per the report of the Dutch resident, Daniel Overbeek, the population of Hooghly was roughly 30,000 people of whom two-thirds lived in Chinsurah, and comprised Hindus, Muslims, Portuguese, Armenians and European Christians. But Overbeek regretted that neither Chinsurah nor Balasore had managed to preserve any of their former glory, and it was Calcutta then that seemed to attract all the crowds.

This was not so in the eighteenth century. The area outside the factory then remained filled usually with people on whom the VOC was dependant for their work. All goods that were brought by the ships anchored in Hooghly were carried in small vessels (called barcquen en chaloupen) to the factory in Chinsurah by the coolies. This spurred great boat-building activities in the surrounding areas of the factory. As can be seen in the painting of the VOC factory at Hooghly by Hendrik van Schuylenburgh, there are wooden planks and logs piled on the riverbank, outside the factory wall, which were possibly meant for building boats. Such boat-building activities were also undertaken by some men who came from Surat and settled in Bengal, as Louis Taillefert, the Dutch director of Bengal mentioned in one of his letters to his successor in 1755. Their leader was a merchant named Mulla Mahmed Ali, who fell out with the Mughals and was imprisoned. He later cut himself off from society and lived in isolation with his family on the side of the Ganges where the VOC factory was situated. Here, he built boats and small ships. Most of these local men from outside who could enter the inner quarters of the factory worked as coolies, porters and other labourers for the Company and are seen in the area around the factory in the painting below.

Most of the VOC factories in Bengal were hubs of procurement and storage. The Chinsurah factory eventually became fortified in the style of the Portuguese factory cum fortress. Within it, the director lived separately in a lodge. The factory in Chinsurah was governed by a neat hierarchy of officials comprising a council under the director who reported to the Governor-General in Batavia and the directors in Amsterdam. It had a warehouse which stored all the commodities for shipping abroad or across the Indian Ocean. The factory in Chinsurah with its open dalan (courtyard) invited merchants and brokers who negotiated over the prices of procured goods before supplying them to the Company officials. This was primarily true for textiles, including silk from Bengal. The factory in Kasimbazaar was unique in the sense that it was also a site for production. Within its walls, mills were constructed where silk was woven. Such silk was not just traded by the company but also by its officials in their private trade. The Dutch director of Bengal, Jan Albert Sichterman, became a nabob in the middle of the eighteenth century as he amassed huge riches through his private ventures and manufactured silk handkerchiefs (rumals) for trade.

The plan of Fort Gustavus shows the different compartments inside the factory beside the main area. There were gardens, water tanks, a hospital, a church, a cemetery, storage houses for arms and artillery, and a quarter for carpentry. Of the many people who worked inside the factory, one could find gardeners, barbers, washermen, market-goers, coolies, horse attenders, grass mowers, cooks, carpenters, rowers, smiths, guards, artillery men and translators, accountants and scribes. With time, the factories of Bengal were not just limited to commerce but also assumed political functions. Scribes trained in Persian and Bengali languages were appointed to draft documents related to local land administration as the VOC became zamindars of the three villages of Chinsurah, Baranagar and Bazaar Mirzapur. The factory also housed the zamindar's kacheri or office for paperwork related to civil jurisdiction.

While it is true that factories associated with joint stock corporations like the VOC were spread across different places in Asia and Africa, they also appropriated different forms and types. Most of them were meant for storage and commerce, but a few, like the one in Kasimbazaar in Bengal, took to production. It is worth noting that in Mughal India too, the idea of production in a factory-like-setting was not entirely unfamiliar. There were manufacturing units called karkhanas. Indeed, the Bengali word for a factory to this day is karkhana, originating from its Persian roots. In Ain-i Akbari, Abul Fazl wrote about the presence of different karkhanas of which the ones in textiles were clearly demarcated. There were skilled artisans and weavers from the local areas and from across the subcontinent who made clothes for the royalty with complete knowledge of fabrics from Persia, Europe and China. The Mughals resorted to making them in the karkhanas at a reduced price instead of buying from outside, and most of these cloths were meant for internal consumption and not for the market. It is highly likely therefore that weavers who worked in the mills of the VOC in Kasimbazaar were aware of the experience of working in karkhanas or knew of the concept of production in a factory. It opens up questions of whether such existing practices of Mughal manufacturing spaces influenced the VOC to take up production of textiles in their factories and merits further research in the future.

rajeshsharma1049@gmail.com

Painting of the VOC factory at Kasimbazar in Bengal by Hendrik Van Schuylenburg, 1665.

#ROYAL RAJASTHANI FEAST

"A wonderful Rajasthani dining experience"

Congress Leader Shashi Tharoor remarked that the Rajasthani meal, despite being vegetarian, was exceptionally delicious

At a special state dinner held on Monday evening at Rashtrapati Bhavan, the rich cultural grandeur of Rajasthan was showcased through its exquisite cuisine. In honour of South Korean President Lee Jae-myung, President of India Droupadi Murmu hosted a grand banquet. The presence of Prime Minister Narendra Modi, along with several senior ministers, added further dignity to the evening.

The highlight of the dinner was to introduce distinguished guests to the traditional and flavourful cuisine from various regions of Rajasthan. The specially curated menu was designed by renowned Rajasthan-based chef Dr. Chef Saurabh Sharma and his team. While relishing the meal, Prime Minister Narendra Modi appreciated the chef and his team's efforts, stating, "It was a wonderful Rajasthani meal experience." Meanwhile, Deepti Umashankar congratulated Dr. Chef Saurabh and his team for their achievement in representing Rajasthani culinary heritage at such a prestigious platform, and also extended her best wishes for their future endeavours. Congress Leader Shashi Tharoor remarked that the Rajasthani meal, despite being vegetarian, was exceptionally delicious.

What made the menu special

Chef Saurabh, along with his team, Chef Ravindra Naruka, Chef Himmat Singh, Chef Ratiram Prajapat and Executive Chef Mukesh Kumar of Rashtrapati Bhavan, presented Rajasthan on royal platters. The menu beautifully brought together traditional dishes from regions like Jaisalmer, Jodhpur, Udaipur, Bikaner, and Jaipur, along with recipes from royal kitchens, all presented with a contemporary touch.

Every dish on the menu captured attention, especially highlights such as Jowar ka Raab, Govind Gatta, Dhungari Palak Mangodi, Chandi Wali Dal, Jaisalmeri Pulao, and the iconic Gulab Bati-Churma, which introduced guests to the diversity of Rajasthan. Desserts like Kheerand Malpua and Ghevar added a traditional sweetness to the experience. Notably, while the dishes were presented in a modern style, their authenticity and traditional essence were carefully preserved.

One and a Half Months of Dedicated Preparation for Every Dish

Crediting his success to his mother, Dr. Uma Sharma, and his wife, Dr. Neha Sharma, Chef Saurabh shared that the support of his family was the most crucial pillar behind this achievement. He revealed that nearly one and a half months of intensive research and multiple trials went into finalising this special menu. He deeply studied traditional Rajasthani kitchens, local ingredients, and ancient cooking techniques to ensure that each dish excelled not only in taste but also reflected the true essence of Rajasthan in its presentation.

During this process, several combinations and culinary techniques were experimented with repeatedly. Only after careful refinement and selection was each dish included in the final menu, ensuring that the state banquet would stand out as a memorable international culinary experience.

THE WALL

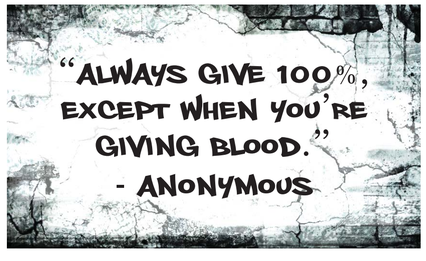

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

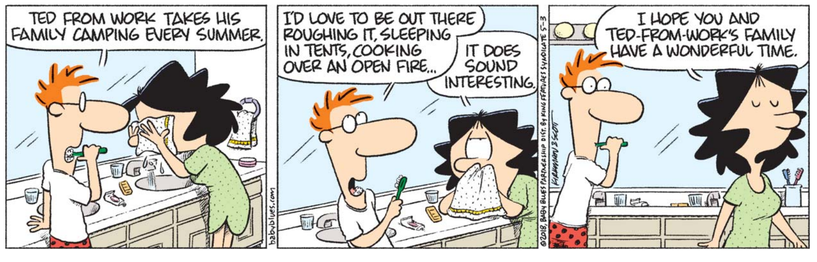

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

मुख्यमंत्री ने ओसियां में करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं और समृद्ध बनें

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाया है, जिसके अनुरूप पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जा रहा है। जनकल्याण के जो भी वादें किए हैं, उन्हें पूरा करते हुए हर क्षेत्र को समग्र विकास की सौगातें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य के क्रम में युवा, महिला, किसान और मजदूर का कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जोधपुर के ओसियां में विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

ओसियां में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

- सीएम भजनलाल शर्मा ने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों के 416 करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं और समृद्ध बनें। इसी कड़ी में राज्य सरकार जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्राम-2026 का आयोजन भी कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं तथा 6 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम वितरित किए हैं। वहीं, पीएम कुसुम योजना के तहत 65 हजार सोलर पंप सेट स्थापित करने के लिए 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभों और उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, देवास परियोजना का विस्तार, सोम-कमला-अंबा एवं ब्राह्मणी नदी से संबंधित परियोजनाओं को साकार करने का काम रही हैं। जोधपुर, पाली और सिरोही सहित सभी क्षेत्रों को पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन घोटाले में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध राज्य सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है।

सीएम शर्मा ने कहा कि पेपरलीक के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए 400 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पचपदरा स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी औद्योगिक विकास का प्रतीक है। एचपीसीएल रिफाइनरी में उद्घाटन से पूर्व दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। इस अवसर पर शर्मा ने विधायक भैराराम सियोल के माता-पिता की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने ओसियां विकास दर्शन पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, सांसद पी.पी. चौधरी, राजेन्द्र गहलोत, विधायक बाबू सिंह राठौड़, पब्बाराम विश्नोई, अर्जुन लाल, देवेन्द्र जोशी, जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संत एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

खेतड़ी में सड़क किनारे संदिग्ध हालत में युवक का शव मिला

- ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है, पुलिस ने जांच शुरु की

खेतड़ी, (निसं)। पचेरीकलां थाना के सहड़ गांव के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना को लेकर ग्रामीणों ने युवक की हत्या कर शव सड़क किनारे डालने का आरोप लगाया है। घटना को लेकर पुलिस ने शव को बुहाना के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

जानकारी के अनुसार सहड़ निवासी विक्रम सिंह पुत्र रघुवीर यादव का शव बुधवार को पचेरी-सहड़ सड़क पर माजरी के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस फिलहाल मामले को एक्सीडेंट और मर्डर दोनों एंगल से जांच रही है। मृतक के ताऊ के बेटे कृष्ण कुमार ने बताया कि विक्रम सिंह मंगलवार शाम को गुरुग्राम से अपने गांव सहड़ लौट रहा था। उसके पास बस की टिकट भी मिली है, जिससे उसके यात्रा करने की पुष्टि होती है। रातभर घर नहीं पहुंचने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस की ओर से सूचना मिली कि पचेरी-सहड़ रोड पर एक युवक का शव मिला है, जो विक्रम सिंह का है। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तथा शव की शिनाख्त की। उनका कहना है कि विक्रम की मौत सामान्य हादसा नहीं लग रही, बल्कि किसी साजिश के तहत उसे मारा गया है। परिवार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की खबर फैलते ही सहड़ गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण बुहाना मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए। पुलिस ने परिजनों को शिकायत देने के लिए कहा है और पोस्टमार्टम करवाकर मौत के कारणों का खुलासा करने की बात कही है।

ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है। उनका कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान हैं। वहीं डेड बॉडी के पास खून के धब्बे भी मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के सिर पर किसी हथियारनुमा वस्तु से वार किए जाने के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यह मामला साधारण सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। मृतक विक्रम तीन भाई हैं एक भाई की पहले मौत हो चुकी है तथा एक भाई संजय सेना में है। मृतक के दो बच्चे आयुष 12 साल, आरव 9 साल है। वह गुरूग्राम में ड्राइवर की नौकरी करता था। इस संबंध में थानाधिकारी बनवारीलाल यादव ने बताया कि मृतक के ताऊ के लड़के की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

भूलवश कीटनाशक सेवन से युवती की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया के रामपुरा भाटियान गांव में एक युवती ने भूल से कीटनाशक सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

मथानिया पुलिस ने बताया कि मूलत: नागौरी बेरा मंडोर हाल डालाबेरा रामपुरा भाटियान निवासी महेंद्र पुत्र संतोकराम ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी बहन 19 वर्षीय संजू ने 18 अप्रैल को खेत पर काम करने के समय भूल से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। इस पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब मौत हो गई।

जोधपुर के तीन युवकों से झुंझुनू के दो युवकों ने लाखों की धोखाधड़ी की

- म्युच्यूअल फंड में इंवेस्टमेंट के नाम पर 25 लाख की ठगी की
- 16 महिने बीतने के बाद भी ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई राशि लौटाई

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित सुभाष चौक में रहने वाले तीन युवकों से 25 लाख के करीब का फ्रॉड हो गया। झुंझुनू के दो युवकों ने उन्हें झांसे में लेकर म्युच्यूअल फंड में इंवेस्टमेंट के नाम पर अपनी धोखाधड़ी का शिकार बनाया। 16 महिने बीतने के बाद भी ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई राशि लौटाई गई। आरोपियों ने अब अपना फोन भी बंद कर दिया और ठिकाना भी बदल लिया है। रातानाडा पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

रातानाडा पुलिस ने बताया कि न्यू रेलवे कॉलोनी, सुभाष चौक निवासी प्रमोद जटवाल, रामावतार एवं अश्विनी कुमार की तरफ से एक संयुक्त परिवाद दिया गया। इसमें बताया कि उनकी पहचान झुंझुनू के बासरी निवासी गौरव शर्मा से वर्ष 2022 से थी। गौरव शर्मा ने बाद में उन्हें झुंझुनूं के पुजारियों का मोहल्ला निवासी ललित शर्मा से मिलाया था। ललित शर्मा ने खुद को एक बड़ी कंपनी में होना बताकर उनसे इंवेस्मेंट करने को कहा। उन्हें रूपए डबल करने का आश्वासन दिया गया। इस पर बाद में तीनों ने मिलकर ललित शर्मा और गौरव शर्मा के कहे अनुसार म्युच्यूअल इंडेक्स फंड में इंवेस्टमेंट कियाारिपोर्ट के अनुसार प्रमोद जटवाल ने 13 नवंबर से 17 नवंबर 2024 फिर 1 अक्टूबर 2025 से 11 अक्टूबर 2025 तक 9 लाख रूपए इंवेस्ट किए। जोकि फोन पे, गूगल और अन्य ऑन लाइन साधन से दिए गए। वहीं रामावतार की तरफ से 16 जून 2025 से 8 नवंबर 2025 तक 13 लाख रूपए दिए गए। साथ ही अश्विनी कुमार ने 4.38 लाख रूपए इंवेस्ट किए। मगर इसके बाद आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। 16 महिने गुजरने के बाद भी जमा कराई वापिस नहीं मिली। साथ ही मुनाफा भी नहीं दिया गया। आरोपियों ने अपना ठिकाना भी बदल दिया है। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

महिला आरक्षण को अटकाने की प्रक्रिया को कांग्रेस व सहयोगी दलों ने जारी रखा : डॉ. निमिषा

करौली में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषा गौर ने प्रेस वार्ता की।

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम की क्रियान्वयन में बाधा डालने वाले विपक्ष के विरूद्ध महिलाओ में आक्रोश : डॉ. निमिषा गौर

करौली, (निसं)। करौली में बुधवार को भाजपा कार्यालय पर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषा गौर ने प्रेस वार्ता में कहा कि चार दशक से महिला आरक्षण को अटकाने, लटकाने एवं भटकाने की प्रक्रिया को कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों ने जारी रखा। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए, जिसमें संविधान (एक सौ इकतालीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 एवं केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम यह प्रावधान करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण 2026 के बाद आयोजित होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन के आधार पर लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार जनगणना और परिसीमन की प्रतीक्षा करती, तो जनगणना और उसके बाद परिसीमन की अवधि में समय लगने के कारण महिलाएं 2029 के आम चुनावों में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाती। अगर ये बिल पास हो जाता, तो महिलाएं वर्ष 2029 के आम चुनावों में ही लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त करने में सक्षम हो पाती। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौर ने कहा कि परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्र की सीमा को अंतिम रूप देना। महिला आरक्षण लागू करने के लिए यह अनिवार्य है। 1976 में लोकसभा में सीटों की सीमा 550 निर्धारित की गई थी। 1971 में भारत की जनसंख्या 54 करोड़ थी, परंतु आज यह संख्या 140 करोड़ है। इसलिए, लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना महत्वपूर्ण है। परिसीमन आयोग अधिनियम में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया था। मौजूदा कानूनी ढांचा बरकरार है, और आयोग की किसी भी सिफारिश के लिए संसदीय अनुमोदन और राष्ट्रपति की सहमति की आवश्यकता होगी। सीटों में समान रूप से 50 प्रतिशत की वृद्धि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनुपात बनाए रखेगी। यह प्रस्ताव आनुपातिक विस्तार दृष्टिकोण पर आधारित था। वर्तमान 543 सीटों पर इस सिद्धांत को लागू करने से लगभग 815 सीटें हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा में सीटों की ऊपरी सीमा को वर्तमान 550 सीटों से बढ़ाकर 850 कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों को प्रतिनिधित्व में किसी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि उनका कुल हिस्सा स्थिर रहेगा। आरक्षण लागू करने के लिए सीटों के परिसीमन की आवश्यकता होती है। परिसीमन एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया है और इसे पूरा करने में लगभग दो साल लगते हैं। इसलिए, महिला आरक्षण लागू करने के लिए ये विधेयक (परिसीमन विधेयक सहित) संसद में लाए गए थे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के लिए कानूनी और संवैधानिक ढांचा स्थापित करने के लिए विधेयक को 2023 में पेश और पारित किया गया था। इसलिए इन क्षेत्रों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए विशिष्ट संशोधनों की आवश्यकता थी, जिसके लिए एक अलग विधेयक आवश्यक हो गया।

प्रेस वार्ता के दौरान करौली धौलपुर सांसद प्रत्याशी ईंदू देवी जाटव, क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, योगेश शर्मा, सुरेश शुक्ला, पुष्पेंद्र, अजय सिंह राजपूत, विद्या वैष्णव, आदित्य शर्मा, गोपाल शर्मा, जितेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंघल आदि उपस्थित रहे।

पिता-पुत्र को एसयूवी ने टक्कर मारी, मौत

जोधपुर, (कासं)। जिले के चामू क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत लोड़ता हरिदासोत में बस का इंतजार कर रहे पिता-पुत्र को एक तेज रफ्तार एसयूवी ने कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर चामू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि कुनाराम (50) पुत्र जोगाराम और उसके 13 वर्षीय पुत्र जसाराम की मौत हुई है। दोनों देचू जाने के लिए सड़क किनारे बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान देवातू से देचू की ओर जा रही एक बारात की एसयूवी तेज गति से अनियंत्रित हो गई और पलटते हुए सड़क किनारे खड़े पिता-पुत्र को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही चामू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहीं, हादसे में एसयूवी में सवार कुछ लोग भी घायल हुए हैं।

जोधपुर : जेएनवीयू में बकाया पेंशन की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी

पेंशनर्स ने चार माह की बकाया पेंशन के भुगतान की मांग की

- चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में पेंशनर्स ने बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर पेंशन सोसाइटी के बैनर तले केंद्रीय कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आज के धरने में उन अभावग्रस्त अशैक्षिणक वरिष्ठ कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से कमान संभाली जिन्होंने या तो अपने परिजनों को पेंशन न मिलने के कारण खो दिया या जो धनाभाव के कारण भूखों मरने के कगार पर हैं। पेंशनर्स ने चेतावनी दी कि पेंशन का भुगतान नहीं हो जाता या विश्वविद्यालय लिखित में बकाया पेंशन भुगतान की तारीख नहीं बताएगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से स्पष्ट कहा कि अब केवल मौखिक आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित में पेंशन भुगतान की गारंटी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पेंशनधारकों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन बकाया पेंशन का भुगतान न करके अन्याय का परिचय दे रहा है, जो हमें किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने बताया कि अधिकांश कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि वे अपने परिवार का न केवल भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, बल्कि उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे ही अनेक कर्मचारियों ने अपनी व्यथा सबके समक्ष व्यक्त की। जिनमें बाबूलाल सियोटा, अमर सिंह, प्रदीप कुमार शर्मा, नूरजहां, रविन्द्र सिंह शेखावत, मोहम्मद शरीफ, जेठू सिंह, तथा परमेश्वर सिंह चौहान आदि थे। आज प्रदर्शन में सम्मिलित होने वालों में पूर्व कुलपति प्रो. भंवर सिंह राजपुरोहित, प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. बीना त्रिपाठी, प्रो. पीके बनर्जी, राकेश मेहता, राधेश्याम शर्मा, दिनेश रामावत, गोपाल चौहान आदि के साथ साथ अनेक वरिष्ठ जन भी उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए संयोजक अशोक व्यास और अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने कहा कि जब तक हमारी पेंशन का भुगतान नहीं हो जाता या विश्वविद्यालय लिखित में बकाया पेंशन भुगतान की तारीख नहीं बताएगा, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

कैला माता के श्रद्धालुओं की बस में आग लगी, हादसा टला

कैलादेवी/करौली, (निसं)। आस्थाधाम कैलादेवी में बुधवार दोपहर कैला माता के दर्शन करने आए दर्शनार्थियों की एक डबल डेकर एसी बस में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दोपहर करीब एक बजे यात्रियों की गाड़ी सपोटरा रोड बरगमा चौराहे पर खड़ी हुई थी। अचानक से गाड़ी में आग की लपटें उठने लगी तथा कुछ ही समय में आग की लपटों ने गाड़ी को पूरी तरह से चपेट में ले लिया। इस दौरान आग की लपटों से धूएं का गुबार उठने लगा। धुएं के गुबार को देखकर मौके पर लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कैला देवी थानाधिकारी रामवतार मीना मौके पर पहुंचे।

थानाधिकारी मीना ने बताया कि बस का ड्राइवर खाना खाने गया था तथा दर्शनार्थी मंदिर दर्शनों के लिए गये थे। गनीमत यह रही की डबल डेकर एसी बस से यात्री दर्शन करने के लिए मां के मंदिर चले गए जिससे बस खाली होने के कारण कोई अनहोनी घटना नहीं हुई। दर्शनार्थियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर उत्तर प्रदेश से एसी बस मंगलवार शाम सात बजे कैलादेवी के लिए रवाना हुई थी। बस में करीब 30-35 यात्री दर्शनों के लिए आए थे। अज्ञात कारणों से बस में अचानक आग लग गयी। हालांकि स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का पूरा प्रयास किया लेकिन वह नाकाफी साबित हुआ।

बंद घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर निहालगंज थाना क्षेत्र की अशोक बिहार कॉलोनी में देर रात एक बंद मकान के कमरे में भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त मकान मालिक अशोक शर्मा परिवार के सभी सदस्यों के साथ शादी समारोह में गए हुए थे। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते घर में रखा लाखों रुपए का कीमती सामान जलकर खाक हो गया। फर्नीचर, टीवी, फ्रिज, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और घर में रखी नकदी सब आग की भेंट चढ़ गए। आसपास के लोगों ने धुआं उठता देख पुलिस और दमकल को सूचना दी।

अलवर : गर्मी में पानी का संकट गहराया, घरों में पांच दिन से पानी की सप्लाई

- पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर जाकर प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। गर्मी के साथ ही पानी का संकट भी गहराने लगा है। अलवर के वार्ड 12 में 4 से 5 दिनों में पानी की सप्लाई होती है। पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर जाकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को घेराव कर दिया। नौबत ये आई गई कि पुलिस जाब्ता बुलाना पड़ा। पानी की सप्लाई होने के बाद ही लोग शांत हुए।

प्रदर्शन के दौरान अखैपुरा थाने के थाना प्रभारी महेश तिवाड़ी ने एक महिला से कहा 'मैंने आपको देख रखा है।' गौरतलब है कि पानी को लेकर पहले भी प्रदर्शन होते आए हैं, जिसमें महिला और थाना प्रभारी का पहले भी आमना-सामना हुआ है। वहीं जेईएन ने दो लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पानी संकट का ये मामला वार्ड 12 के होली ऊपर व कुम्हार पाडी सहित आस-पास के मोहल्ले का है। पानी की किल्लत को लेकर आज लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर विरोध-प्रदर्शन किया गया था। जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों से लोगों की बहस हुई। लोगों ने अधिकारियों का घेराव कर दिया।

वार्ड में रहने वाले गौरव शर्मा ने बताया कि लादिया फील्ड से वार्ड 12 और 19 पानी की सप्लाई होती है। वार्ड 12 में पानी की हमेशा किल्लत बनी रहती है। वार्ड 12 के होली ऊपर, कुम्हार पाड़ी सहित अन्य हिस्सों में 4 से 5 दिन में पानी आता है। वह भी पूरा नहीं आ रहा है। इस कारण मंगलवार सुबह लोग लादिया पानी की सप्लाई प्वाइंट पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। पुलिस के आने के बाद जलदाय विभाग ने वार्ड 12 के क्षेत्र में पानी की सप्लाई की। उसके बाद मामला शांत हुआ।

महेश कुमार ने बताया कि वार्ड 19 में पानी की सप्लाई ठीक होती है। वहां पानी की किल्लत नहीं रहती है। वार्ड 18 पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर का वार्ड है। वहीं वार्ड 12 भी उससे लगता क्षेत्र है। यहां पानी की सप्लाई कम होती है। पहले दो दिन में करीब एक घंटे से ज्यादा सप्लाई हो जाती थी। अब तो 3 दिन में तो कभी 5 दिन में पानी आता है। वह भी पूरा नहीं आता है। घरों में पानी नहीं आने पर लादिया प्वाइंट पर आकर विरोध किया। हंगामे और घेराव को देखते हुए अधिकारियों ने एडीएम को सूचना देकर पुलिस जाब्ता मांगा। इसके बाद अखैपुरा थाना प्रभारी महेश तिवाड़ी जाब्ते के साथ पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों के बीच समझाइश की। वार्ड के 12 के कुछ हिस्सों में पानी की सप्लाई की गई। आगे तय समय पर सप्लाई करने का आश्वासन दिया गया। तब लोग माने।

एईएन सुनील कुमार यादव ने अखैपुरा थाने में राजकार्य में बाधा पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि आज सुबह करीब सात बजे के आस-पास पानी की सप्लाई दी जानी थी। उससे पहले ही 6-45 बजे वार्ड 12 में रहने वाले गौरव शर्मा और बिजेंद्र गुर्जर सहित अन्य लोगों ने लादिया पंप हाउस पर ताला लगा दिया। उन्होंने पंप हाउस से पानी की सप्लाई नहीं होने दी और राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। एडीएम को सूचना देकर पुलिस जाब्ता मांगा गया। साढ़े आठ बजे के बाद पानी की सप्लाई की जा सकी।

डूंगरपुर में फर्जी डिग्री वाले आठ शारीरिक शिक्षक बर्खास्त

2022 की भर्ती में फर्जी डिग्री से नौकरी हासिल की थी

डूंगरपुर, (निसं)। फर्जी डिग्री के मामले में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने डूंगरपुर जिले के आठ शारीरिक शिक्षकों (पीटीआई) को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इन शिक्षकों ने वर्ष 2022 की पीटीआई भर्ती परीक्षा में फर्जी डिग्रियों के आधार पर नौकरी हासिल की थी।

जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बुधवार को सभी पीटीआई को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए। ये सभी शारीरिक शिक्षक जिले के उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत थे। डूंगरपुर जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित पीटीआई-शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपात्र अभ्यर्थियों को नौकरी मिलने का मामला सामने आया था। जांच के दौरान अभ्यर्थियों की फर्जी डिग्रियां और अन्य अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जोशी ने आगे बताया कि विभागीय आदेशों के तहत इन आठ तृतीय श्रेणी शारीरिक शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश की जेएस यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त की थी।

डेयरी के पूर्व सचिव की हत्या के आरोपी को उम्रकैद

अजमेर, (कासं)। डेढ़ वर्ष पूर्व सरस डेयरी समिति के पूर्व सचिव की हत्या मामले में बुधवार को अजमेर की एडीजे-4 कोर्ट के न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए दोषी को उम्रकैद की सजा और 35 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। मामले में पीड़ित की ओर से पैरवी सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने की थी।

सरकारी एडवोकेट गुलाम नजमी फारूकी ने बताया कि 20 नवंबर 2024 को सरस डेयरी समिति के पूर्व सेक्रेटरी किशनलाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने किशनलाल के चेहरे पर मिर्ची स्प्रे कर चाकू से हमला किया था। मामले की सूचना पर रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। वहीं घटना किशनलाल की दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हुई थी। किशनलाल के भाई हंसराज की शिकायत पर रामगंज थाना पुलिस ने आरोपी दिलीप चौधरी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया था। इसके बाद से कोर्ट में ट्रायल चल रही थी। हमलावर चाकू लेकर सेक्रेटरी किशनलाल के ऑफिस में घुसा और कुर्सी पर बैठे किशनलाल के चेहरे पर मिर्च स्प्रे छिड़ककर चाकू से हमला किया और भागने लगा। इस पर किशनलाल कुर्सी लेकर उसके पीछे दौड़े थे। बाहर जाकर वो सड़क पर गिर गए थे।

सरकारी वकील फारूकी ने बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 27 गवाह और 60 दस्तावेज पेश किए गए। साथ ही चाकू सहित अन्य सबूत कोर्ट में पेश किए थे। इसके आधार पर एडीजे-4 कोर्ट के न्यायाधीश रितु मीणा ने बुधवार को दोषी दिलीप चौधरी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

प्रतिभाओं को सम्मानित किया

निवाई। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सीताराम साहू ने औचक निरीक्षण करके निर्देश दिए। प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते कहा कि छात्र-छात्राओं को मोबाइल फोन से दूर रहना चाहिए तथा लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करना चाहिए।

भरतपुर में भाजपा ने जन आक्रोश पदयात्रा निकाली

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में संशोधन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकसभा में विधेयक पेश किया गया जिसको कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने विपक्ष में वोट डालकर इस विधेयक को पारित नहीं होने दिया। जिसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा जन आक्रोश पद यात्रा निकालकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। जन आक्रोश पदयात्रा भाजपा युवा मार्चा जिला संयोजक आकाश हथैनी के नेतृत्व में लक्ष्मण मन्दिर से प्रारम्भ होकर गंगा मन्दिर होते हुए चौबुर्जा पर जाकर समाप्त हुई। चौबुर्जा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंककर राहुल गांधी मुर्दाबाद, कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए महिला अधिनियम गिराने के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा लाए गये नारी षक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा धराशाई कर दिया गया जिससे देश की सम्पूर्ण नारी जाति का अधिक अपमान हुआ है। इस अपमान को नारी शक्ति कभी नहीं भूलेगी। और अपने अधिकार प्राप्त करके ही दम लेगी। जिला मीडिया प्रभारी डॉ वीरेन्द्र पचौरी ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व प्रदेश मंत्री गिरधारी तिवारी, प्रदेश प्रवक्ता शैलेष कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रवक्ता सत्येन्द्र गोयल, जिला उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर गौड एवं गौरव सरपंच, जिला महामंत्री जगत सिंह गुर्जर, रूपेन्द्र सिंह जघीना, कृष्णा जाट, सोनू उपाध्याय, प्रकाश भोलू सुनारी, मोनू काजलवाला, डॉ. कुलदीप तिवारी, गौरव चरौरा, अमरसिंह सिनसिनवार, तेजवीर मीणा, दुष्यन्त सिंह आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

■ मुर्दाबाद, कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए महिला अधिनियम गिराने के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश व्यक्त किया

जन आक्रोश पदयात्रा भाजपा युवा मार्चा जिला संयोजक आकाश हथैनी के नेतृत्व में लक्ष्मण मन्दिर से प्रारम्भ होकर गंगा मन्दिर होते हुए चौबुर्जा पर जाकर समाप्त हुई।

नाबालिग बेटी का विवाह रूकवाने मां थाने पहुंची

टोंक। दूनी थाना क्षेत्र के बिशनपुरा गांव में एक मां की जागरूकता से अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी का बाल विवाह रुक गया। मां ने अपने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद न्यायालय ने दोनों पक्षों के माता-पिता को 50-50 हजार रुपए के मुचलके पर पाबंद किया। नाबालिग बेटी की मां ने दूनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि उनके पति अपनी नाबालिग बेटी का विवाह जबरन करवाना चाहते हैं। यह विवाह 26 अप्रैल 2026 को 17 वर्षीय नाबालिग लड़के के साथ तय हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। शिकायत सही पाए जाने पर पुलिस ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने वधू और वर पक्ष के माता और पिता को न्यायालय एसीजेएम टोंक के समक्ष पेश किया। माननीय न्यायालय ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 12 व 13 के उल्लंघन के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने दोनों पक्षों के माता-पिता को 50-50 हजार रुपए के जमानत मुचलकों पर रिहा किया। न्यायालय ने सभी आरोपियों को सख्त हिदायत दी कि जब तक लड़का और लड़की

कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अपराधी पर 35 हजार रूपये का इनाम घोषित

भरतपुर। महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने आदेश जारी कर कुख्यात इनामी हिस्ट्रीशीटर अपराधी रोबिन पुत्र सुरेश जाट निवासी जलालपुर करीरा पुलिस थाना शिकारपुर जिला बुलन्दशहर (उ.प्र.) पर 35 हजार रूपये का नकद इनाम घोषित किया है। उन्होंने बताया कि अपराधी रॉबिन 14 साल से फरार चल रहा है, जो जिला पुलिस के भरसक प्रयासों के बावजूद भी गिरफ्तार नहीं हो रहा है।

उन्होंने बताया कि अपराधी रोबिन मुकदमा नम्बर 316/12 धारा 302, 120बी भा.द.स. पुलिस थाना सदर धौलपुर जिला धौलपुर में वांछित चल रहा है अपराधी के विरूद्ध उत्तरप्रदेश के पुलिस थाना शिकारपुर में भी एक प्रकरण दर्ज है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस नियम 1965 की धारा 4.18 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर उक्त हिस्ट्रीशीटर अपराधी को बन्दी बनाने या बन्दी करवाने या बन्दीकरण का विरोध किये जाने पर विधिसंगत आवश्यक शक्ति का प्रयोग कर, बन्दी बनायेगा या बन्दी बनाने के लिये सही सूचना देगा या बन्दी करवायेगा, उसको महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर द्वारा 35 हजार रूपये का नकद पारितोषिक प्रदान किया जावेगा। पारितोषिक वितरण के सम्बन्ध में महानिरीक्षक पुलिस, रेंज, भरतपुर का निर्णय अंतिम होगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उक्त अपराधी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक जिला धौलपुर द्वारा पूर्व में घोषित इनाम राशि को निरस्त किया जाता है।

■ अपराधी रॉबिन 14 साल से फरार चल रहा है, जो जिला पुलिस के भरसक प्रयासों के बावजूद भी गिरफ्तार नहीं हो रहा

भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई

शाहपुरा। धार्मिक नगरी त्रिवेणी धाम में बुधवार को ब्रह्मलीन नारायण दास जी महाराज के आशीर्वाद व खोजी द्वाराचार्य रामरिछपाल दास जी महाराज के सानिध्य में सीताराम जी ठाकुर जी महाराज का वार्षिक पाटोत्सव मनाया गया। पाटोत्सव में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान आयोजित भंडारे में देर शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई। रामरिछपाल दास जी महाराज ने बताया कि सुबह 7 बजे से 10 बजे तक सीताराम भगवान का पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चरण के साथ पंचामृत से अभिषेक किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक ठाकुर जी की बधाई गई।कार्यक्रम में आठों मंडलों के साधु संतों ने शिरकत की। जिनका खोजीद्वाराचार्य रामरिछपाल दास जी महाराज द्वारा भेंट देकर विदाई दी गई। कार्यक्रम में अरणिया से हरि देवाचार्य जी महाराज जी महाराज, खोरी परमानंद धाम से हरि ओम दास जी महाराज, सियाराम दास जी महाराज, दिनेश दास, बाल योगी जी महाराज सहित कई साधु संतों ने शिरकत की।

'रामकथा मनुष्य को उसके कर्तव्यों का बोध कराती है'

पावटा। कस्बे के प्राचीन गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत मोहनदास रामायणी महाराज के सानिध्य में चल रही संगीतमयी रामकथा के दूसरे दिन राम कथा का श्रद्धालुओं ने रसपान किया। इस दौरान कथावाचक बाबूराम दास महाराज घाटीधाम ने श्रद्धालुओं को रामकथा का रसपान करवाते हुए कहा कि श्रीराम कथा विश्व कल्याणदायनी है, लोक मंगलकारी है। प्रभु श्रीराम का आचरण एवं व्यवहार अपनाने से जीवन आनंदमय हो जाता है। गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने श्रीराम कथा के माध्यम से मानव जीवन संबंधों की महत्ता स्थापित की है।

प्राचीन गोपाल भैया मंदिर परिसर में चल रहे नौ दिवसीय श्री रामकथा अमृत महोत्सव के दूसरे दिन उमड़े श्रद्धालु।

■ महंत मोहनदास महाराज के सानिध्य में चल रही संगीतमयी रामकथा का श्रद्धालुओं ने रसपान किया

श्रीरामचरित मानस में गुरु, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भाई, मित्र, पति-पत्नी आदि का कर्तव्य बोध एवं सदाचरण की सीख हमें सर्वत्र मिलती है। कथा की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब इसे हम दैनिक जीवन के व्यवहार में शामिल करते है। राम कथा सुनने से मन का शुद्धिकरण होता है। इससे संशय दूर होता है और मन में शांति व मुक्ति मिलती है। भगवान राम का प्रिय भक्त बनना है तो हनुमान के चरित्र से सीख लेनी होगी। वही राम कथा प्रारंभ करते हुए बाबूराम महाराज घाटीधाम ने भगवान शिव की महिमा, शिव-पार्वती विवाह, कार्तिकेय जन्म और ताड़कासुर वध प्रसंग का वर्णन किया। यहा नौ दिवसीय रामकथा महोत्सव के द्वितीय दिवस में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान वरिष्ठ दौलतराम अग्रवाल, उमाकांत बंसल, योगेश शर्मा, मीना मित्तल, भागीरथ मुनीम, रोहिताश यादव, विनीत गौड, पूर्व पार्षद राजू शर्मा, धर्मेंद्र बटवाल, अमित बटवाल, अरविंद गर्ग, राहुल भांजा, शुभम टीलावत, राघव टीलावत, सुभाष टीलावत, राजू सिसोदिया, रमेश सिसोदिया, मानसिंह सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

संयुक्त निदेशक ने निरीक्षण किया

पावटा। संयुक्त निदेशक (जोन) जयपुर यदुराज सिंह नाथावत ने बुध को पावटा के उपजिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए अधिकांश व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई और संबंधित स्टाफ की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवा वितरण केंद्र, लेबर रूम, प्रयोशाला सहित विभिन्न इकाइयों का बारीकी से अवलोकन किया। मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और अस्पताल में स्वच्छता, दवाइयों की उपलब्धता तथा चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता को जांचा। इस दौरान मरीजों ने भी सेवाओं को संतोषजनक बताया। संयुक्त निदेशक नाथावत ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता रहे। उन्होंने साफ-सफाई बनाए रखने, आवश्यक दवाइयों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

लालसोट में दो दिवसीय वाकपीठ संगोष्ठी का समापन

लालसोट। पीएम अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट में आयोजित दो दिवसीय सत्रारंभ संस्था प्रधान (उ.मा.) वाकपीठ संगोष्ठी सत्र 2026-27 का सोमवार को प्रभावी समापन हुआ। संगोष्ठी में लालसोट ब्लॉक के सभी संस्था प्रधानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर मंथन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विनोद शास्त्री उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता सत्यनारायण मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अमित शर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे के दीप प्रज्वलन के साथ हुई। अतिथियों का माला, साफा और स्मृतिचिह्न देकर भव्य स्वागत किया गया। छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। संयोजक एवं प्रधानाचार्य मदनलाल पारीक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि विनोद शास्त्री ने भारतीय शिक्षा के चार आयाम-तन, मन, आत्मा और बुद्धि-पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए समग्र शिक्षा की आवश्यकता बताई। अध्यक्ष सत्यनारायण मीणा ने शिक्षा के साथ अनुशासन को सफलता की कुंजी बताया, वहीं अमित शर्मा ने विद्यार्थियों को आदर्श नागरिक बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। संगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ वार्ताएं भी आयोजित हुई।

संगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ वार्ताएं आयोजित हुईं।

एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई

लालसोट। पूर्वी राजस्थान में तेजी से बढ़ते नशे के प्रचलन पर राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश गणेशराम मीणा ने गंभीर चिंता जताते हुए कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पंजाब में नशे ने समाज को खोखला किया, उसी तरह अब राजस्थान में भी 'लड़खड़ाता राजस्थान' की चर्चा होने लगी है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित नहीं रह पाएगा। मंगलवार को लालसोट पहुंचे न्यायाधीश मीणा ने एडीजे कोर्ट परिसर में बार एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने वकीलों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गांव हो या शहर, हर जगह नशा तेजी से पैर पसार रहा है और युवा वर्ग इसकी चपेट में आकर बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। स्मैक, गांजा, चरस और एमडी जैसे घातक नशे खुलेआम चल रहे हैं, जो समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। उन्होंने नशे के बढ़ते प्रभाव को अपराधों से जोड़ते हुए कहा कि नशे में डूबे युवा चोरी जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पहले जहां खेतों में कृषि उपकरण महीनों सुरक्षित रहते थे, वहीं अब घर के बाहर रखा सामान भी रातभर सुरक्षित नहीं रहता। लोग बेरोजगारी जैसी समस्याओं से तो संघर्ष कर सकते हैं, लेकिन नशे की गिरफ्त में आकर उससे बाहर निकलना बेहद कठिन हो जाता है। इसलिए, समाज को एकजुट होकर इसके खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना होगा।उन्होंने समाज से अपील की कि समय रहते चेत जाएं, अन्यथा नई पीढ़ी का भविष्य अंधकार में डूब जाएगा। इस मौके पर दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा, लालसोट विधायक रामबिलास मीणा, जिला न्यायाधीश केशव कौशिक सहित कई जनप्रतिनिधि और न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

पृथ्वी दिवस पर ''हमारी शक्ति हमारा ग्रह'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

टोंक। पृथ्वी दिवस के पावन अवसर पर बुधवार को ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, टोंक के राजयोग भवन में हमारी शक्ति हमारा ग्रह अभियान के तहत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अर्पणा दीदी सहित सभी उपस्थित सदस्यों ने राजयोग ध्यान के माध्यम से पृथ्वी (ग्लोब) को केंद्र में स्थापित कर संपूर्ण प्रकृति के लिए पवित्र एवं सकारात्मक संकल्पों का संचार किया। साथ ही सभी को प्रकृति संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी अर्पणा दीदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण सदैव एक महत्वपूर्ण और पूजनीय परंपरा का हिस्सा रहा है। हमारे पूर्वज पृथ्वी को माता स्वरूप मानकर उसकी पूजा की जाती है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों, अग्नि और वायु जैसे प्रकृति के सभी तत्वों के प्रति सम्मान की भावना हमें सिखाई गई है। किंतु वर्तमान समय में मनुष्य अपने स्वार्थवश प्रकृति का अत्यधिक दोहन कर रहा है, जिसके दुष्परिणाम हम प्रत्यक्ष रूप से देख रहे हैं। अतः अब समय आ गया है कि हम सभी दृढ़ संकल्प लेकर प्रकृति के संरक्षण हेतु आगे आएं, क्योंकि यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि हमें न केवल प्रकृति के पंचतत्वों को प्रदूषण से बचाना है, बल्कि समाज में इसके प्रति जागरूकता भी फैलानी है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।

टोंक के राजयोग भवन में 'हमारी शक्ति हमारा ग्रह अभियान' के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया।

■ 'वृक्षों, नदियों, पर्वतों, अग्नि और वायु जैसे प्रकृति के सभी तत्वों के प्रति सम्मान की भावना हमें सिखाई गई है। किंतु वर्तमान समय में मनुष्य अपने स्वार्थवश प्रकृति का अत्यधिक दोहन कर रहा है'

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं.4 जयपुर महा-।।
के.एस.चौधरी विरूद्ध अरूणा रावत व अन्य
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 11 सन् 20

नाम अरूणा रावत पत्नी क्रांति कुमार जाति रावत स्थान ई-97, गोविन्द नगर (पश्चिम) आमेर रोड जयपुर ...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 25 माह 04 सन् 2026 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 22 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत | अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं.4 जयपुर महा-।।
के.एस.चौधरी विरूद्ध अरूणा रावत व अन्य
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 11 सन् 20

नाम क्रांति कुमार रावत पुत्र गणपत स्वरूप जाति रावत स्थान ई-97, गोविन्द नगर (पश्चिम) आमेर रोड जयपुर ...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 25 माह 04 सन् 2026 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 22 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत | अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं.4 जयपुर महा-।।
के.एस.चौधरी विरूद्ध अरूणा रावत व अन्य
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 10 सन् 20

नाम दिपाली खूटेंटा पुत्री गिर्राज खूटेंटा जाति खूटेंटा स्थान ई-97, गोविन्द नगर (पश्चिम) आमेर रोड जयपुर ...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 25 माह 04 सन् 2026 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 22 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत | अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं.4 जयपुर महा-।।
के.एस.चौधरी विरूद्ध अरूणा रावत व अन्य
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 10 सन् 20

नाम अंकुश रावत पुत्र क्रांति कुमार रावत जाति खूटेंटा स्थान ई-97, गोविन्द नगर (पश्चिम) आमेर रोड जयपुर ...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 25 माह 04 सन् 2026 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 22 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत | अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरा मकान सं. 84/262 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें-Smt. Anila Sharma-9314152875

प्लाट संख्या-10 योजना, स्कीम नं.13 (म्यूचल हा.का.सो.) जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा जारी पट्टा विलेख मय स्टाम्प गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। समीर गुप्ता, 9462625290

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: F-JDA/Zone 12/2025/D-29 — आम सूचना
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 231470 दिनांक 17/07/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Sub Division and Reconstitution जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम
1.	Kiran Jain W/o Babu Lal Jain	श्री सचिन सांघी पुत्र श्री उदय सांघी	40	223.05 SQ. meter	Private	Manglam City Sector/ Block-B

सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया: Sub Division and Reconstitution
कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज: एक बार से अधिक बार विक्रय होने के कारण
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Sub Division and Reconstitution जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

नाम परिवर्तन

मैं चैतन्य कुमार सत्यापित करता हूं कि मेरे DL में पिताजी का नाम Lakhan Chamdra है एवं पेन कार्ड में Lakhan Chandra है तथा आधार कार्ड में Lakhan Chand है, ये तीनों व्यक्ति एक ही है।

मैंने मेरा नाम Parvina एवं Kum. Parveena व प्रवीणा से बदलकर Paravina रख लिया है, भविष्य में मुझे परवीना (Paravina) के नाम से जाना पहचाना जाए। निवासी- 148, रजनी विहार, अजमेर रोड, जयपुर

I have changed my name from urmila kumari rajpoot to urmila r/o a-171 shivpuri colony airport road sanganer Jaipur

I have changed my name from achi devi to achi devi goyal r/o e-140 bank colony murlipura scheme Jaipur

I, Siv Chandra Yaday father of No. 8036709L Hav (GD) Haree Ram Singh Yadav resident at Village: Shakkarpur, Post: Shahbazkuli, Teh: Mohammadabad, Police Station: Nonahra, Dist: Ghazipur, State UP, Pincode-233227 have changed my name from Siv Chandra Yadav to Shivchand Yadav vide affidavit No. IN-RJ72879273647389Y Date: 18/04/2026

I army no 15483717X Ex LD nanda Ram Choudhary resident of village post bokadawas tehsil dudu jaipur that i want to change name of my dependent from SUNITA KUMARI to SUNITA CHOUDHARY vide affidavit 21/4/26 before sub divisional magistrate Jaipur city north

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 280 — दिनांक :- 22/04/26
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में फ्लैट संख्या 17/B/F4/15 (4-F) (MIG-A), (एरिया 41.160 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री जयपाल शर्मा पुत्र श्री शिव चरण लाल शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3270 दिनांक 13.06.2016 को जारी किया गया। श्री जयपाल शर्मा के पक्ष में उक्त फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 09.09.2016 को उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री जयपाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 30.01.2024 को हो जाने के कारण अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर इनके पुत्र श्री हरीश कुमार पुत्र स्व. श्री जयपाल शर्मा द्वारा उक्त फ्लैट को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री हरीश कुमार पुत्र स्व. श्री जयपाल शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15/2026
उत्तरा.
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमती भारती शर्मा पत्नी हरीश कुमार शर्मा, बी-173 सुमेर नगर विस्तार, न्यू सांगानेर रोड
विवाद स्थान मृतक हरीश कुमार शर्मा के सम्बन्ध में
मृतक राज्य बीमा व प्रावधायी निधि विभाग P.No. 5093260 की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 16/5/2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम हरिश कुमार शर्मा पुत्र बनवारी लाल शर्मा जाति निवासी बी-173 सुमेर नगर विस्तार न्यू सांगानेर रोड मानसरोवर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 16 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 17 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
मोहर अदालत | अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर-प्रथम मुख्यालय सांगानेर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर 302017
पीएच.डी. और मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम 2026-27 में एडमिशन
एफ.4/ए-1-1/2026-27/अकाद/पीएचडी/01
सभी डिपार्टमेंट/सेंटर में ऑड सेमेस्टर 2026-27 (जुलाई 2026) के लिए पीएचडी और एमटेक/एम प्लान (स्पॉन्सर्ड (फुल टाइम/पार्ट टाइम) और फुल टाइम सेल्फ-फाइनेंस्ड) में एडमिशन के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन मंगाए गए हैं। अधिक जानकारी के लिए www.mnit.ac.in पर जायें। और ऑनलाइन आवेदन करने की आखिरी तारीख 07 मई 2026 है।
CBC 21312/11/0002/2627 — रजिस्ट्रार

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited
Regd. Office: ROOM NO.B-116, FIRST FLOOR, ARANYA BHAWAN, JHALANA INSTITUTIONAL AREA, JAIPUR, RAJATHAN PIN: 302004
Email: mdrsfdcl@rajasthan.gov.in Contact No : 0141-2700096
क्रमांक :- एफ4(28) कार्मिक/MD/RSFDCL/2025/855 — दिनांक :- 17/04/2026
अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमन्त्रण सूचना
(EOI) संख्या 01/2026-27
सलाहकार / परामर्शदाताओ के पैनल (For Emplanelment of Consultants/Advisors) में सम्मलित होने के लिए इच्छुक बोलीदाता से दिनांक 14.05.2026 को दोपहर बाद 02.30 बजे तक खुली बोली में प्रस्ताव आमंत्रित किये जाती है। निर्धारित समय तक प्राप्त तकनीकी बोलियों को दिनांक 14.05.2026 को दोपहर बाद 03.00 बजे सक्षम उपापन समिति द्वारा प्रबन्ध निदेशक, राज. राज्य वन विकास निगम लि., अरण्य भवन जयपुर के कार्यालय के कमरा नं0 बी-116 में खोली जावेगी। बोली से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्ते राज्य लोक उपापन पोर्टल की वेबसाईट "sppp.raj.nic.in से देखे जा सकते है। UBN: FDC2627SSOB00001
राज.संवाद/सी/26/1277 — महाप्रबन्धक (मुख्यालय)

कार्यालय अधीक्षक राजकीय शिशु गृह, बाल अधिकारिता विभाग, गांधी नगर, जयपुर, फोन नं. 0141-2706480

क्र. सं.	संस्था द्वारा दिया गया नाम	लिंग	आयु	प्राप्ति का स्थान	प्रवेश माध्यम
1	लक्ष्मी	F	13 दिन	राजकीय शिशु गृह, जयपुर के पालना गृह से प्राप्त	बाल कल्याण समिति, जयपुर
2	कृतिका	F	01 माह	हरिबंक्श कांवटिया चिकित्सालय शास्त्री नगर, जयपुर के पालना गृह से प्राप्त	बाल कल्याण समिति, जयपुर
3	पवन	M	02 माह	थानाधिकारी पुलिस थाना लालकोठी जयपुर द्वारा प्राप्त	बाल कल्याण समिति, जयपुर

नोटः- उक्त बालक/बालिका का पुनर्वास किया जाना है किसी संस्था या व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो क्र.सं. 01 से 03 तक के लिए 20 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्त्ता से कार्यालय में सम्पर्क करें।
अधीक्षक
राजकीय शिशु गृह, बाल अधिकारिता विभाग गांधी नगर, जयपुर
राजस्थान संवाद

संक्षिप्त

एनसीसी गतिविधियों का निरीक्षण

शाहपुरा। शहर की बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय में बुधवार को राज गर्ल्स बटालियन जयपुर से कमांडिंग आफिसर कर्नल संजय सिंह,जेसीओ नरेश कुमार एवं सीनियर जीसीआई निधि राठौर की टीम ने महाविद्यालय में एनसीसी की गतिविधियों का निरीक्षण किया। प्राचार्य प्रो.नरेश कुमार मीणा ने बताया अधिकारियों ने एनसीसी ऑफिस, स्टोर रूम,कैंपस का निरीक्षण किया एवं कैडेट्स की परेड देखी। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संजय सिंह ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्हें देश सेवा एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित किया तथा एनसीसी से संबंधित कैंप एवं रोजगार के साधनों की जानकारी दी। जेसीओ नरेश कुमार ने कैडेट्स को एनुअल ट्रेनिंग कैंप की आगामी तिथियों की जानकारी दी। प्राचार्य डॉक्टर नरेश मीणा ने टीम के सभी अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। केयर टेकर अधिकारी डॉ पूजा तरुण ने अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान महाविद्यालय में सह आचार्य डॉ लतिका एम.पांडे, सह आचार्य डॉ पुष्पा अग्रवाल, सहायक आचार्य डॉ किरण देशवाल,सहायक आचार्य प्राची गुप्ता एवं सभी एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

परशुराम जयंती सप्ताह के तहत 151 परिंडे बांधे

निवाई। सकल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव सप्ताह के तहत भीषण गर्मी में मूक पक्षियों के लिए सार्वजनिक स्थानों पर दाना पानी के लिए परिंडें बांधे गये। पुलिस उपाधीक्षक रविप्रकाश शर्मा ने एक पेड पर परिंडा बांधकर कार्यक्रम की शुरुआत की। शर्मा ने ब्राह्मण समाज के लोगों से आव्हान किया कि कोई व्यक्ति या समाज ऐसे छोटे-छोटे सेवा कार्य के माध्यम से आमजन को सेवा, संकल्प, परोपकार और दीनहीन की सेवा का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। छोटे-छोटे सेवा कार्य कोई भी व्यक्ति कर आत्म संतुष्टि प्राप्त कर सकता है। इस दौरान उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युवा नशे की लत का शिकार होता जा रहा है, जो समाज व देश के लिए एक बडी चुनौती बन गया है। हमें युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सामूहिक प्रयास करने होगें। इस दौरान हाईवे, स्कूलों, अस्पताल व पार्कों सहित कई सार्वजनिक स्थानों पर शहर में अलग-अलग जगह 151 परिंडे बांधे। कार्यक्रम में अध्यक्ष हनुमान शर्मा, संयोजक कुंदन शर्मा, रामफूल शर्मा, जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, एडवोकेट रमेशकुमार शर्मा, मायाराम शर्मा, हेमराज शर्मा गुरुजी, कमलेश पारीक, जगमोहन गौतम, सुरेश शर्मा, अरविंद शर्मा व अनुराग पंडा सहित कई लोग मौजूद थे।

कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेशाध्यक्ष का जन्मदिवस मनाया

टोंक। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम.डी. चोपदार के जन्म दिवस पर मुख्यालय स्थित घन्टाघर पर जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष बरकात हसीन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष चोपदार के लंबे जीवन, बेहतर स्वास्थ्य और हर क्षेत्र में तरक्की करने जैसी कामनाओं के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष सलीमुद्दीन खान, मोहम्मद एहसान खान, जिला कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रभारी जरार खान, अनवर आदिल जूनियर, जाहिद खान, अनीस पेंटर, आबिद अली सहित कई कांग्रेस जन मौजूद रहे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निरीक्षण

निवाई। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का बुधवार को आर एस ई एम आर एस एस के उप प्रबंधक एम.एल. गर्ग ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की सभी व्यवस्थाओं जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को जेईई नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित किया। उप प्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान कक्षा 10 में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को बधाई दी। प्राचार्य दिलखुश मीणा ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 11वीं के लिए छात्राओं के प्रवेश चल रहे हैं।

विकसित और समृद्धशाली राजस्थान के निर्माण में 'स्वच्छ भारत मिशन' का योगदान : के. के. गुप्ता

कोटपूतली। स्वच्छ भारत मिशन शहर राजस्थान सरकार के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के के गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश निरंतर रूप से प्रगति पथ की ओर बढ़ रहा है। 2 वर्ष 4 माह के कार्यकाल में मुख्यमंत्री द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की गई है जिसकी बदौलत प्रदेश में युवा, किसान, महिला सहित सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। गुप्ता ने यह बात बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्वच्छता कार्यशाला एवं सफाई कार्य की समीक्षा बैठक में कही।

गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं रहता है। सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है कि जीरो टॉलरेंस के साथ में कार्य करते हुए जनता के प्रति जवाबदेही को मजबूत किया जाएगा और पूरी पारदर्शिता के साथ स्वच्छ भारत मिशन को मुख्य धारा में जोड़ने के लक्ष्य के साथ सुशासन के संकल्प को पूर्ण किया जा रहा है।

प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर के के गुप्ता ने कोटपूतली-बहरोड में समीक्षा बैठक ली।

गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2014 से पूर्व पूरे देश में गंदगी और कचरे का साम्राज्य फैला हुआ था। देश के माननीय प्रधानमंत्री ने एक बड़े विजन के साथ में स्वच्छ भारत मिशन अभियान प्रारंभ किया। उनकी बड़ी सोच रही है कि देश का प्रत्येक गांव, ढाणी और कस्बा शहर स्वच्छ और सुंदर होना चाहिए।

> **मुख्यमंत्री की कथनी और करनी में अंतर नहीं, उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश प्रगति की राह की ओर बढ़ रहा : के के गुप्ता**

देखते ही देखते स्वच्छता अभियान एक जन आंदोलन बन गया, स्वच्छ भारत मिशन से देश के 142 करोड लोगों का सीधा संबंध है। जब से स्वच्छ भारत मिशन शहर और ग्रामीण संचालित हो रहा है और गंदगी तथा कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है तो वातावरण भी स्वच्छ हो रहा है। पहले लोग गंदगी से होने वाली प्रमुख बीमारी डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, उल्टी, दस्त बुखार आदि से पीड़ित हो रहे थे, लेकिन अब बीमारियां भी कम हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी निकायों को स्वच्छता पर चल रहे कार्यो के आधार पर चार भागो में बाँटा गया है। ए श्रेणी के निकायो में अभी स्वच्छता के प्रति श्रेष्ठ कार्य चल रहा है। बी श्रेणी के निकायो में स्वच्छता के प्रति संतोषजनक कार्य किये जा रहे है। सी श्रेणी के निकायो में स्वच्छता के कार्यो के प्रति गंभीरता नहीं है सुधार के लिए चेतावनी दी जानी आवश्यक है। डी श्रेणी के निकायों में सख़्त कारवाई की आवश्यकता है।

सुबह 10 बजे से पूर्व शत-प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण हो। स्त्रोत पर ही गीला और सूखा कचरा अलग किया जाए। जनजागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाएं। कचरा संग्रहण की सूक्ष्म मॉनिटरिंग हो ताकि कोई लूपहोल नहीं रहे।

वन विभाग के आला अधिकारी भरतपुर के दौरे पर रहे

भरतपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव वन विभाग आनन्द कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक पवन कुमार उपाध्याय, मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी. अरुण प्रसाद एवं मुख्य वन संरक्षक पी. कथिरवेल जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। जहां उन्होंने भरतपुर सम्भाग के अधीन विभिन्न वनमण्डलों के उप वन संरक्षक के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा की तथा विकास कार्यों का मौका निरीक्षण किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने वन विभाग के वर्ष 2025-26 में प्राप्त लक्ष्यों की समीक्षा कर वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों एवं कार्ययोजना, विशेषकर हरियालो राजस्थान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय बनाकर समय पर पौधारोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पंच गौरव कार्य योजना की भी समीक्षा कर कार्ययोजना के क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।

वन मंत्री संजय शर्मा ने जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं को सुना

अलवर। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने बुधवार को अलवर में अपने निवास पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना और मौके पर त्वरित निराकरण हेतु कहा।

> **सफाई कर्मचारी भारती 2012 के चयनित अभ्यार्थियों को नियुक्ति देने की प्रक्रिया पूर्ण करने व वाल्मिकी सामुदायिक भवन के गलत तरीके से हस्तांतरण पत्र जारी के निर्देश दिए**

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने बुधवार को अलवर में अपने निवास पर जनसुनवाई की।

जनसुनवाई में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ द्वारा मंत्री को सफाई कर्मचारी भर्ती 2012 के चयनित 329 अभ्यर्थियों की नियुक्ति कराने के संबंध में अवगत कराया, जिस पर मंत्री ने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि नियुक्ति के लिए आवश्यक प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण कर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की कार्यवाही पूर्ण करें।

शिवाजी पार्क विस्तार में वाल्मिकी सामुदायिक भवन के गलत तरीके से हस्तांतरण पत्र जारी किए जाने के संबंध में अवगत कराने पर उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

जागरूकता सत्र का आयोजन

निवाई। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकुर पाटनवाला ने विद्यार्थियों को जंक फूड से होने वाले नुकसानों के प्रति सचेत किया और स्वस्थ खान-पान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आजकल पैकेट बंद और प्रोसेस्ड फूड का चलन बढ़ गया है, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि जंक फूड में कैलोरी तो अधिक होती है लेकिन शरीर के विकास के लिए आवश्यक विटामिन और मिनरल्स का अभाव होता है। चिप्स, पिज्जा, बर्गर व कोल्ड ड्रिंक्स के निरंतर सेवन से मोटापा, पाचन तंत्र में खराबी व टाइप-2 डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि घर का बना ताजा भोजन, हरी सब्जियां व मौसमी फलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

जिला कलेक्टर ने शहर का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था देखी

कोटपुतली-बहरोड़। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बुधवार को शहर की सफाई व्यवस्था एवं विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए कोटपूतली नगर परिषद आयुक्त अरुण शर्मा के साथ शहर का भ्रमण किया एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने कलक्टर निवास से पूतली कट, बीडीएम अस्पताल, मैन चौराहा,

> **ड्रेनेज सिस्टम, कचरा संग्रहण व्यवस्था को दुरुस्त करने के दिए निर्देश**

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने शहर की सफाई व्यवस्था एवं विकास कार्यों का जायजा लिया।

डाबला रोड मिलैट्री कैंटिन, मैन चौराहा, बानसूर कट, दिल्ली दरवाजा, अग्रसेन तिराहा, मैन चौराहा, एलबीएस कॉलेज से पूतली कट होते हुए कलक्टर निवास तक रहा साथ ही सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट की स्थापना हेतु चतुर्भज ग्राम में प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने सड़क पर सफाई, रोड लाइट्स एवं सीवरेज प्रणाली के संबंध में जायजा लेते हुए नगर परिषद आयुक्त को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने, नियमित रूप से वार्डों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शहर में नालों एवं नालियों के ओवरफ्लो होकर सड़कों पर जलभराव की समस्या से निजात पाने के लिए स्थाई व पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें, ड्रेनेज सिस्टम बेहतर करें, स्वीकृत निर्माण कार्य समयबद्ध गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें, कचरा संग्रहण के लिए कचरा गाड़ी की नियमित आवाजाही की मॉनिटरिंग करें, आवश्यक स्थानों पर कचरा पात्र रखवाएं एवं नियमित खाली करवाएं। उन्होंने कहा कि परिषद अपने सफाई कर्मियों को पाबंद करते हुए सड़क के किनारे पड़े कचरे को नियमित उठवाएं, नालियों में उगे हुए झाड़ को साफ करवाएं जिससे पानी का फ्लो रुके नहीं। उन्होंने शहर के पार्कों के उचित रख रखाव, पेड़ों की देखभाल, शौचालयों की सफाई आदि के संबंध में सजगता से कार्य करने व फील्ड में नियमित मॉनिटरिंग कर रिपोर्ट देने को कहा।

भगवान अभिनंदन नाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज, मुनि उत्कृष्टनन्दी महाराज व मुनि नाभिनन्दी महाराज के सानिध्य में दिगम्बर जैन शान्तिनाथ अग्रवाल मंदिर में भगवान अभिनंदन नाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस धूमधाम से मनाया। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं धार्मिक मीडिया प्रभारी हितेश छाबड़ा ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा भगवान अभिनंदन एवं शांतिनाथ की वृहद शांतिधारा कर अभिषेक किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने आचार्य इन्द्रनंदी महाराज के ससंघ को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विष्णु बोहरा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान नित्य नियम पूजा, शास्त्र भेंट व गुरु पूजन का आयोजन किया गया।

धर्मसभा का शुभारंभ विशुद्ध वर्धिनी एवं णमोकर महिला मण्डल द्वारा मंगलाचरण करके किया। धर्म सभा में प्रवचन देते हुए उत्कृष्ट नन्दी महाराज ने कहा कि आज जैन धर्म के चतुर्थ तीर्थंकर भगवान अभिनन्दननाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस है। आज हम सब उस पावन क्षण को स्मरण कर रहे हैं। जब भगवान अभिनन्दननाथ ने मोक्ष कल्याणक प्राप्त किया अर्थात जन्म-मरण के चक्र से पूर्ण मुक्ति। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि आत्मा की परम शुद्धि व अनंत शांति का प्रतीक है। भगवान अभिनन्दननाथ का जीवन हमें सिखाता है कि संसार के भोग-विलास, मान-सम्मान व शक्ति सब क्षिणक हैं। सच्चा सुख बाहर नहीं, अपने भीतर है।

उन्होंने राजसी जीवन त्यागकर तप, संयम और ध्यान के मार्ग को अपनाया। कोई भी व्यक्ति चाहे वह कितना भी समृद्ध क्यों न हो यदि सही मार्ग पर चले तो मोक्ष प्राप्त कर सकता है। मोक्ष का अर्थ है कर्मों के बंधन से पूर्ण मुक्ति। जब आत्मा से राग, द्वेष, क्रोध व लोभ समाप्त हो जाते हैं, तब वह अपने शुद्ध स्वरूप में स्थित हो जाती है। जहाँ केवल ज्ञान, दर्शन और आनंद होता है। भगवान अभिनन्दननाथ के मोक्ष कल्याणक से हमें अहिंसा, संयम व तप और साधना मिलती है। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा और उनकी शिक्षाओं का पालन है। उन्होंने बताया कि कल दिगम्बर जैन अग्रवाल शांतिनाथ मंदिर में संत सभागार का लोकार्पण होगा। गुरुवार को संत सभागार के उद्घाटन से पूर्व सायंकाल को भक्तामर पाठ की दीप अर्चना की जाएगी।

'मानव-वन्यजीव संघर्ष' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

किशनगढ़ बास। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष विषय पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रनवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य पैनल अधिवक्ताओं और पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) को पीड़ित परिवारों की प्रभावी सहायता और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण देना रहा।

इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रनवीर सिंह ने सम्बोधित करते कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं केवल सांख्यिकीय आंकड़ा नहीं हैं, बल्कि यह एक मानवीय त्रासदी है जिससे सबसे ज्यादा गरीब किसान और वन-आश्रित समुदाय प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि पैनल अधिवक्ता और वॉलंटियर्स समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े उस व्यक्ति की आवाज बनें

शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रनवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।।

जो वन्यजीव हमले के कारण टूट चुका है। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि विधिक कर्मी केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित न रहें, बल्कि घटनास्थल पर पहुँचकर पीड़ित को चिकित्सा सहायता दिलाने से लेकर मुआवजे के भुगतान तक उनके साथ खड़े रहें। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने भी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की।

वन विभाग रेंजर मनीष ने बताया कि विभाग द्वारा 24 से 72 घंटों के भीतर पंचनामा तैयार करना अनिवार्य है ताकि मुआवजे में देरी न हो। पुलिस प्रशासन से हेड कांस्टेबल विजय ने प्रथम सूचना रिपोर्ट और साक्ष्य जुटाने के तकनीकी पहलुओं पर जानकारी दी। राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार हिमांशु मीणा ने फसल खराबे के सत्यापन और समाज कल्याण विभाग से गजराज ने अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया।

> **'विधिक कर्मी केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित न रहें, बल्कि संपूर्ण सहायता दिलाने तक साथ खड़े रहे'**

शिविर में पीएलवी को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया कि वे संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए पीड़ितों के दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, बैंक पासबुक और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व्यवस्थित करवाकर उनके दावे प्रस्तुत करवाएं। यह स्पष्ट किया गया कि वन्यजीव हमले के पीड़ित आपदा पीड़ित की श्रेणी में आते हैं, इसलिए वे विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम की धारा 12 के तहत पूर्णत: "नि:शुल्क कानूनी सहायता" के पात्र हैं।

अवैध जल कनेक्शन हटाए

टोंक। गर्मी में आमजन को पेयजल को लेकर परेशानी ना हो इसके लिए जलदाय विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। इसी के तहत अधीक्षण अभियंता प्रोजेक्ट पीपलू के निर्देशन में कनिष्ठ अभियंता गिरधारी सिंह के नेतृत्व में बुधवार को जलदाय विभाग की टीम ने ग्राम पंचायत गहलोद के ग्राम किशनपुरा में अवैध जल कनेक्शन को हटाने का अभियान चलाया। इसके तहत 10 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए। टीम ने इन अवैध कनेक्शनों की पहचान करने के लिए विस्तृत निरीक्षण किया । इन अवैध कनेक्शन कर्ताओं के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए दण्डात्मक शुल्क भी लगाया जायेगा ताकि भविष्य में मुख्य वितरण पेयजल लाईन में अवैध कनेक्शनों की पुनरावृत्ति ना हो। अवैध कनेक्शनकर्ताओं के नाम कैलाश, मनोहर बैरवा, राजूलाल बैरवा, रामलाल मीना, रामगोपाल, कान्हाराम मीना, भागचन्द बैरवा, हरलाल बैरवा, रामदयाल बैरवा, हरबाई देवी बैरवा है। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की जाएगी।

सार-समाचार

कलेक्टर ने प्रागपुरा सहकार सुपरमार्ट का निरीक्षण किया

पावटा। जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता ने बुधवार को प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति का दौरा कर सहकार सुपरमार्ट बाजार एवं सहकार उपहार बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने समिति द्वारा आमजन और किसानों को एक ही छत के नीचे उचित दरों पर उपलब्ध कराई जा रही जनरल किराना सामग्री एवं श्री अन्न की व्यवस्था की सराहना की। समिति अध्यक्ष उपेंद्र सिंह शेखावत ने कलेक्टर को जानकारी देते हुए बताया कि सहकार सुपरमार्ट के माध्यम से क्षेत्र के किसानों और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सामग्री सुलभ दरों पर उपलब्ध करवाई जा रही है। साथ ही समिति बहुउद्देश्यीय कार्य करते हुए किसानों को स्प्रे के लिए ड्रोन सुविधा, कस्टम हायरिंग सेंटर, खाद-बीज एवं रासायनिक उर्वरक वितरण, मिनी बैंकिंग सेवाएं तथा ब्याज मुक्त फसली ऋण जैसी सुविधाएं भी प्रदान कर रही है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अर्पणा गुप्ता ने इन सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और समिति के कार्यों की सराहना करते हुए इसे अन्य समितियों के लिए प्रेरणादायक बताया। इसके पश्चात कलेक्टर ने कोटपूतली एवं पावटा के समर्थन मूल्य खरीद केंद्रों का भी निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाते हुए उन्होंने अधिकारियों को इसी प्रकार सुचारू संचालन बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां अशोक दीप पींगोलिया, निरीक्षक मुनेश यादव, हिमांशु यादव, वरिष्ठ सहायक कैलाश स्वामी, व्यवस्थापक आनंद सिंह, नरेश कुमार सैनी, नामकरण सैनी, प्रेम प्रकाश सैनी, महिपाल यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव संपन्न

निवाई। न्यायालय परिसर में बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा के नेतृत्व व चुनाव अधिकारी एडवोकेट रामजीलाल जाट की देखरेख में शांति पूर्वक एवं सुव्यवस्थित संपन्न हुए। मतदान को लेकर अधिवक्ताओं में सुबह से ही भारी उत्साह देखा गया। इस दौरान कुल 113 पंजीकृत मतदाताओं में से 111 अधिवक्ता मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस उत्सव में भागीदारी निभाई। चुनाव प्रक्रिया के दौरान एसडीएम प्रीति मीणा ने मतदान केंद्र का बारीकी से अवलोकन किया एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं से संवाद करते हुए उन्हें लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने हेतु प्रेरित किया। चुनाव अधिकारी एडवोकेट रामजीलाल जाट ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मतदान प्रक्रिया सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर शाम 5 बजे तक शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित चली। पूरे दिन न्यायालय परिसर में गहमागहमी का माहौल रहा। मतदाताओं ने कतारबद्ध होकर सुव्यवस्थित तरीके से अपने मत का प्रयोग किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता शिवप्रसाद चौधरी, एडवोकेट नरेंद्रकुमार जाट, सीताराम शर्मा, दयाराम गुर्जर, डॉ. तेजभंवर सिंह, रमेश कुमार शर्मा, विनोद चौधरी, बनवारीलाल यादव, एडवोकेट हरिराम गुर्जर, एडवोकेट गिरधरसिंह, रामअवतार शर्मा, सतीश शर्मा, राकेश मिश्रा एवं अनुराग शर्मा सहित बार के कई वरिष्ठ व युवा अधिवक्ताओं की सक्रिय भूमिका रही। सभी की उपस्थिति में चुनावी प्रक्रिया पारदर्शिता व शांतिपूर्ण संपन्न हुई। निष्पक्ष चुनाव संपन्न करवाने पर चुनाव अधिकारी एडवोकेट रामजीलाल जाट ने सभी अधिवक्ताओं का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

पृथ्वी दिवस पर परिंडे अभियान से पक्षियों को राहत देने की पहल

फुलेरा। देश में बढ़ती गर्मी के चलते वन्य जीवों और पक्षियों के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। तेज धूप और तापमान में लगातार बढ़ोतरी के कारण कई स्थानों पर पक्षियों की मौत की घटनाएं भी सामने आ रही हैं, जो पर्यावरण संतुलन के लिए खतरे का संकेत है।जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने बताया कि परिस्थितिकी व पर्यावरण के संतुलन के लिए वन्य जीवों और पक्षियों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। मानव, पशु और वनस्पतियां सभी एक-दूसरे पर निर्भर हैं। ऐसे में किसी एक के अस्तित्व पर संकट पूरे पर्यावरण संतुलन को प्रभावित कर सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जीव विविधता प्रबंधन समिति द्वारा परिंडे लगाकर पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने की पहल की गई है। पृथ्वी दिवस के अवसर पर यह अभियान शुरू किया गया, जिसमें आमजन से भी अधिक से अधिक परिंडे लगाने की अपील की गई। कार्यक्रम में समाजसेविका व भाजपा महिला प्रकोष्ठ की पूनम कुमावत एवं गीता शर्मा सहित अन्य सदस्य द्वारा भी परिंडे लगाए गए। इस पहल से गर्मी के मौसम में पक्षियों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजकीय सम्मान के साथ हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह को अंतिम विदाई

किशनगढ़ बास। राजस्थान पुलिस के जवान जयपुर में हाई कोर्ट जज के यहां कमांडो के रूप में तैनात किशनगढ़ बास निवासी हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह परमार का स्वास्थ्य खराब होने के चलते मंगलवार की रात्रि करीब 9:30 बजे निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार बुधवार को उनके पैतृक गांव किशनगढ़ बास में किया गया। बासड़ा रोड स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। जयपुर से पहुंचे पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी) देकर उन्हें भावपूर्ण विदाई दी। मुख्य अग्नि उनके बड़े पुत्र दीपांशु परमार उर्फ राजन ने दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में आमजन, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व न्यायाधिपति अशोक कुमार गौड़, डॉ. अतुल गौड़, एडवोकेट अमित गौड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्य अग्नि उनके बड़े पुत्र दीपांशु परमार उर्फ राजन ने दी।

प्रोफेसरों को अनुशासनिक कार्यवाही का कड़ा चेतावनी पत्र जारी किया

अलवर। बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर के प्राचार्य डॉ.अशोक आर्य ने लगातार की जा रही कर्तव्यहीनता एवं अनुशासनहीनता के लिए प्रोफेसरों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी का आदेश पत्र जारी किया है जिससे प्रोफेसरों में हड़कंप मच गया है। पत्र की चर्चा जोरों पर है। कई संकाय सदस्य तो इससे भारी आक्रोश में है। प्राचार्य डॉ.आर्य ने दिनांक 22 अप्रेल को जारी आदेश में लिखा है कि इनके निरीक्षण करने पर संज्ञान में आया है कि अधिकांश संकाय सदस्य अपने निर्धारित समय के बाद महाविद्यालय में दोपहर 12 बजे तक उपस्थित होते हैं तथा उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर कर तुरंत अपनी गाड़ी से घर चले जाते है। इसके बाद संकाय सदस्य पुन: दोपहर बाद 2 बजे महाविद्यालय में वापिस उपस्थित होते हैं। उपस्थिति पंजिका में प्रस्थान के हस्ताक्षर कर घर चले जाते है । महाविद्यालय में पुस्तकालय विभाग का भौतिक सत्यापन कार्य संचालित है। राजकीय कार्य का समय पर संपादन नहीं करते। संकाय सदस्यों का आज दिनांक 22 तक पुस्तकालय विभाग का भौतिक सत्यापन कार्य बकाया है।

अगर कमिंस वापस भी आ जाते हैं, तो भी किशन को ही कप्तानी जारी रखनी चाहिए। चोट की चिंताओं को देखते हुए उन्हें यकीन नहीं है कि कमिंस बाकी बचे सीजन में खेल पाएंगे या नहीं।

- संजय बंगर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, पैट कमिंस के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हेनरिक क्लासेन

सनराइजर्स हैदराबाद के तूफानी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में इतिहास रच दिया है। दरअसल, हेनरिक आईपीएल इतिहास में सबसे कम पारियों में 100 छक्के जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस एलिट लिस्ट में उनसे ऊपर सिर्फ दो खिलाड़ी क्रिस गेल और आंद्रे रसेल हैं। उन्होंने अपनी छोटी मगर विस्फोटक पारी में 3 छक्के जड़े। हालांकि, ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे क्लासेन अपनी ही टीम के साथी अभिषेक शर्मा से महज 3 रन से पिछड़ गए हैं।हेनरिक क्लासेन ने आईपीएल में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2024 में 77वीं द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीतकर भारत ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

राजस्थान रॉयल्स जीत की पटरी पर लौटी, लखनऊ ने लगातार चौथा मुकाबला गंवाया

लखनऊ, 22 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से शिकस्त दी। राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट पर 159 रन बनाने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी को 18 ओवर में 119 रन पर समेट दिया। सुपर जायंट्स के लिए मिचेल मार्श ने 41 गेंदों में सबसे ज्यादा 55 रन का योगदान दिया। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से किसी और का साथ नहीं मिला।रॉयल्स के लिए जोफ्रा आर्चर ने तीन, जबकि नांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। लखनऊ की आईपीएल 2026 में पांचवीं हार है, जबकि राजस्थान ने जारी सीजन में 5वां मुकाबला जीता है। पॉइंट्स टेबल में राजस्थान की टीम 10 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स 4 अंक के साथ नौवें स्थान पर है।

मार्श ने खेली दमदार पारी

160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के तीन बल्लेबाज पावरप्ले में बिना खाता खोले आउट हुए। आयुष बडोनी रन आउट हुए। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौटे। अनुभवी बल्लेबाज एडन मार्करम का बल्ला नहीं चला और वह भी खाता नहीं खोल सके। इसके बाद पूरन ने मार्श के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 41 गेंद में 43 रन जोड़े। निकोलस पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। हिम्मत सिंह ने 15 गेंद में 15 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा रन बनाए। मार्श ने 41 गेंद में 55 रन बनाए।

इससे पहले मोहम्मद शमी और मोहसिन खान की अगुवाई में लखनऊ सुपर जायंट्स के भारतीय गेंदबाजों के आक्रमण ने राजस्थान रॉयल्स की मजबूत बल्लेबाजी को छह विकेट पर 159 रन पर रोक दिया। यह लगातार तीसरा मैच है जब राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा है, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही है। अनुभवी गेंदबाज शमी (चार ओवर में 30 रन पर दो विकेट) एक बार फिर अपने कौशल के बूते सबसे अलग नजर आए, जबकि लंबे कद के मोहसिन (चार ओवर में 17 रन पर दो विकेट) बेहद अनुशासित रहे। उन्होंने शानदार स्विंग और उछाल भरी गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया।

दोनों गेंदबाजों ने मिलकर राजस्थान के चार प्रमुख बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। शमी ने यशस्वी जायसवाल (22) और ध्रुव जुरेल (शून्य) को लगातार गेंदों पर आउट किया, जबकि मोहसिन ने वैभव सूर्यवंशी (11 गेंदों पर आठ रन) और शिमरॉन हेटमायर (18 गेंदों पर 22) को अलग-अलग स्पेल में आउट किया।

वैभव-यशस्वी का नहीं चला बल्ला

सुपर जायंट्स के गेंदबाजों ने बड़ी संख्या में डॉट गेंदें डालकर रॉयल्स को कम स्कोर पर रोक दिया। शमी (15 डॉट गेंदें) और मोहित (11 डॉट गेंदें) ने मिलकर 26 डॉट गेंदें फेंकी, वहीं प्रिंस यादव ने भी 13 डॉट गेंदों का शानदार योगदान दिया। शमी ने यशस्वी जायसवाल को तेज बाउंसर पर फंसाया। जायसवाल ने अचानक उछाल लेने वाली गेंद पर हुक शॉट खेलने की कोशिश की और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया। अनुभवी रविंद्र जडेजा (29 गेंदों में नाबाद 43 रन) और युवा शुभम दुबे (11 गेंद में नाबाद 19 रन) ने 26 गेंद में 49 रन की अटूट साझेदारी कर टीम के स्कोर को 159 रन तक पहुंचाया। इस जोड़ी ने आखिरी ओवर में मयंक के खिलाफ 20 रन बटोरे।

क्या वानखेड़े में होगी रोहित और धोनी की वापसी ? निगाहें दिग्गजों पर

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम गुरुवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरेगा।

रोहित ने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं खेलने वाले धोनी ने जमकर अभ्यास किया। इससे उनकी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वापसी की संभावना बन गई है। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं।

सीएसके ने प्रत्येक टीम की तरह टूर्नामेंट की शुरुआत फॉर्म और सही संयोजन की तलाश में की लेकिन जैसे ही वे लय में आने लगे, उसके युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए जो सीएसके के लिए बड़ा झटका है। इससे सीएसके को बल्लेबाजी में नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल को म्हात्रे की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है।

सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली हार के बाद सीएसके अपने सभी बल्लेबाजों से अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। सरफराज खान ने अब तक 147 रन बनाए हैं लेकिन वह अभी तक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं, विशेषकर तब जबकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सिर्फ 82 रन बनाकर निराशाजनक प्रदर्शन किया है।

इसी तरह संजू सैमसन (192 रन) पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। उन्होंने इसी मैदान पर टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। सीएसके लगातार दो मैचों में हार के सिलसिले को तोड़ने के लिए बेताब होगा। वह मुंबई के खिलाफ हाल के अपनी रिकॉर्ड से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। उसने इन दोनों टीम के बीच पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की है।

रोहित शर्मा ने बेशकीमती सलाह दी

मैच की स्थिति के बारे में अधिक सोचे बिना शुरुआती 15 से 20 गेंद खेलो : तिलक

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। तिलक वर्मा ने बुधवार को बताया कि रोहित शर्मा ने उन्हें आईपीएल 2026 में शतक लगाकर फॉर्म में लौटने में मदद की जब उन्होंने सलाह दी कि मैच की स्थिति के बारे में अधिक सोचे बिना शुरुआती 15 से 20 गेंद खेलो। तिलक ने नाबाद 101 रन बनाए जिससे मुंबई इंडियंस (एमआई) ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराकर लगातार चार मैच में हार का सिलसिला तोड़ दिया। तिलक ने 45 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और सात छक्के लगाए। उनकी शुरुआत हालांकि धीमी रही थी और एक समय बाएं हाथ का यह बल्लेबाज 22 गेंद पर 19 रन बनाकर खेल रहा था।

तुम जानते हो कि क्या कर सकते हो?

तिलक ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर संवादाताओं से कहा, मैं खास तौर पर रोहित भाई से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे कहा 15-20 गेंद खेलो और तुम जानते हो कि तुम क्या कर सकते हो। उन्होंने कहा, अगर तुम 15 गेंदें खेल लेते हो तो हर कोई जानता है कि उसके बाद तुम क्या करोगे। बस स्थिति या किसी और चीज के बारे में मत सोचो, 15 गेंद खेलो और हम देखेंगे कि नतीजा क्या होता है। तिलक ने कहा, इससे मुझे आत्मविश्वास मिला और मैंने अपने मन में ठान लिया कि मैं 15 गेंद खेलूंगा और उसके बाद बाकी चीजें देखूंगा। जब मैंने वे 15 गेंद खेल लीं तो अपने आप ही व्यावहारिक रूप से समझ आ गया कि मुझे बड़े शॉट लगाने हैं।

प्रीमियर लीग : ब्राइटन ने चेल्सी को 3-0 से हराया, रोसेनियर के नेतृत्व में खराब दौर जारी

ब्राइटन, 22 अप्रैल। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग में मंगलवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेल्सी को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ब्राइटन 50 अंकों के साथ अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया, जबकि चेल्सी सातवें स्थान पर खिसक गई। चेल्सी ने अपने पिछले नौ मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है और टीम का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक बना हुआ है। ब्राइटन ने मैच के तीसरे ही मिनट में बढ़त बना ली, जब फेर्दी कादियोग्लू ने कॉर्नर से मिले मौके को गोल में बदल दिया। पहले हाफ में चेल्सी एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सकी। दूसरे हाफ में सुधार की उम्मीद थी, लेकिन टीम वापसी नहीं कर पाई। 56वें मिनट में जैक हिन्शेलवुड ने जॉर्जिनियो रटर के पास पर गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद डैनी वेलबेक ने अंत में तीसरा गोल कर चेल्सी की हार पक्की कर दी। कोच लियाम रोसेनियर ने टीम में बदलाव किए, लेकिन उसका कोई असर नहीं दिखा। चेल्सी लगातार पांचवें मैच में हार गई और इस दौरान एक भी गोल नहीं कर सकी। ब्राइटन की इस जीत से उसकी स्थिति मजबूत हुई है, जबकि चेल्सी के लिए अब आगे का रास्ता और कठिन होता जा रहा है।

कोपा इटालिया : इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़कर कोमो को 3-2 से हराया

मिलान, 22 अप्रैल। इटली की प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिता कोपा इटालिया में इंटर मिलान ने शानदार वापसी करते हुए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में कोमो को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहला चरण गोलरहित रहने के बाद खेले गए इस मुकाबले में इंटर ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखा है। कोमो के लिए मार्टिन बादुरीना और कप्तान लुकास दा कुन्हा ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद इंटर मिलान की ओर से हाकान चाल्हानोग्लू ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहले जोरदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर टीम की वापसी कराई और फिर 86वें मिनट में हेडर के जरिए बराबरी दिलाई। मैच के 89वें मिनट में पेटार सुचिच ने चाल्हानोग्लू के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए विजयी गोल दागा। इंटर मिलान अब फाइनल में पहुंच गया है, जो 13 मई को खेला जाएगा। दूसरी सेमीफाइनल में अटलांटा और लाजियो के बीच मुकाबला होना है, जहां पहला चरण 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इंटर मिलान इस समय इटली की शीर्ष लीग सीरी ए में भी शीर्ष पर चल रहा है और इस सप्ताहांत खिताब अपने नाम कर सकता है।

अगर अक्षर पटेल को खुद पर भरोसा नहीं तो.. : आरोन फिंच

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के पास आईपीएल 2026 में सबसे मजबूत स्पिन बॉलिंग जोड़ियों में से एक कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जोड़ी है। एक डिफेंस करने में एक्सपर्ट है जबकि दूसरा ऐसा रिस्ट स्पिनर है, जिसे बल्लेबाज हमेशा हाथ से पढ़ नहीं पाते। फिर भी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ दोनों ने मिलकर सिर्फ चार ओवर डाले। दिल्ली को इस मैच में 47 रनों से हार मिली। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की (68 गेंदों में नाबाद 135) शतकीय पारी की बदौलत एसआरएच ने 242/2 का स्कोर खड़ा किया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच मैच में अक्षर द्वारा सिर्फ दो ओवर डालने से हैरान हैं।

आरोन फिंच ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, "हम सब सिर खुजा रहे हैं, है ना आपके दो भारतीय प्रीमियर स्पिनर कप्तान अक्षर पटेल (2-0-23-1) और कुलदीप यादव (2-0-30-0) दोनों ने मिलकर सिर्फ चार ओवर डाले, जबकि पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर नितीश राणा ने चार ओवर डाले। मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं बनता।" राणा डीसी के पिछले दो मैचों में नहीं खेले थे। वह एसआरएच के खिलाफ पावरप्ले में गेंदबाजी करने आए। आईपीएल में उनके 122 मैचों में यह 27वीं बार था, जब उन्होंने गेंदबाजी की और सिर्फ दूसरी बार उन्होंने अपना पूरा कोटा डाला। डीसी ऐसा गेंदबाज को चाहती थी, जो गति कम करे और अभिषेक शर्मा व ट्रैविस हेड से गेंद दूर टर्न कराए।

अगर खुद पर भरोसा नहीं तो...

डीसी के प्रमुख स्पिनर गेंद को बाएं हाथ के बल्लेबाजो के लिए अंदर की तरफ लाते हैं, और जब एक बल्लेबाज (अभिषेक शर्मा) पूरी पारी खेल रहा था, तो अक्षर को मौके पर सोचकर फैसले लेने पड़े। फिंच ने डीसी की मुश्किल को समझा, लेकिन अपनी बात रखने से भी पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा, यह आपके कप्तान, आपके सीनियर खिलाड़ी, आपके रिटेन खिलाड़ी और आपके सबसे अच्छे भारतीय गेंदबाज की जिम्मेदारी है। वह भारतीय टीम के मुख्य गेंदबाजों में से एक हैं, यह छोटी बात नहीं है। वह दो बार वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। तो अगर वह दबाव में खुद पर भरोसा नहीं करते और बाएं हाथ के बल्लेबाजो के खिलाफ खुद को बचाने की कोशिश करते हैं, तो यह उनके रवैये के बारे में ज्यादा बताता है।

अटापट्टू के हरफनमौला प्रदर्शन से श्रीलंका की वापसी, बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया

राजशाही, 22 अप्रैल । श्रीलंका ने कप्तान चमारी अटापट्टू के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर बुधवार को दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। मलक़ी मदारा ने पावरप्ले में दो झटके देकर दबाव बनाया। निगार सुल्ताना (58) और शारमिन सुल्ताना ने 45 रन की साझेदारी कर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने वापसी करते हुए टीम को 45.5 ओवर में 165 रन पर समेट दिया। श्रीलंका की ओर से अटापट्टू ने 3 विकेट लिए, जबकि इनोका रणवीरा, निमाशा मीपागे और मदारा ने भी अहम योगदान दिया। जवाब में श्रीलंका ने संयमित बल्लेबाजी की। कप्तान अटापट्टू ने 40 रन बनाकर मजबूत शुरुआत दी, जिसके बाद हर्षिता समरविक्रमा (50) और हंसिमा करुणारत्ने (40) ने 77 रन की साझेदारी कर जीत की राह आसान कर दी। टीम ने 38.2 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

बांग्लादेश टीम पर चला आईसीसी का हंटर

न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी गति के लिए ठोका 10% जुर्माना

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को बांग्लादेश टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया। आईसीसी मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह जुर्माना लगाया है क्योंकि मेहदी हसन मिराज की टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके थे।

कप्तान मेहदी ने अपराध किया स्वीकार

आईसीसी ने विज्ञिप्त में कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित नियम 2.22 के अनुसार किसी टीम के निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए उसके खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। मेहदी ने इस अपराध को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित जुर्माने को मान लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदान पर मौजूद अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और गाजी सोहेल, तीसरे अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर मसूदुर रहमान मुकुल ने यह आरोप लगाया था।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने के बाद प्रीति पवार और अरुंधति चौधरी टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। हाल ही में आयोजित एशियाई मुक्केबाज़ी एलीट चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत की चार मुक्केबाज़ प्रीति पवार, प्रिया, अरुंधति चौधरी और सचिन को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर ग्रुप में शामिल किया गया है। यह फैसला बुधवार को हुई मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 172वीं बैठक में लिया गया। उलानबटार (मंगोलिया) में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रीति (54 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि सचिन (60 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किया। एमओसी ने खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन, विश्व रैंकिंग और निरंतर प्रगति के आधार पर यह निर्णय लिया। प्रीति पवार इस वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 और एशियाई खेल 2026 दोनों में हिस्सा लेंगी। उनके साथ जैस्मिन (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति (70 किग्रा) और सचिन (60 किग्रा) भी इन बड़े आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन खिलाड़ियों ने मुक्केबाज़ी महासंघ की चयन नीति के तहत सीधे क्वालीफाई किया है। मिशन ओलंपिक सेल ने तीन अन्य मुक्केबाज़-आदित्य (65 किग्रा), दीपक (70 किग्रा) और हर्ष (90 किग्रा)-को टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया है। इसके अलावा, 31 वर्षीय नरेंद्र (90 किग्रा) को टारगेट एशियाई खेल समूह (टीएजीजी) में रखा गया है, जहां उन्हें 2026 एशियाई खेलों तक विशेष सहायता मिलेगी। उलानबटार में हुए एशियाई चैंपियनशिप में भारत ने कुल 16 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य) जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। हर्ष और नरेंद्र ने कांस्य पदक जीते, जबकि आदित्य और दीपक क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे। टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप युवा और उभरते खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जो उन्हें संरचित प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और निरंतर निगरानी प्रदान करता है। वर्तमान में टॉप्स कोर ग्रुप में 7 मुक्केबाज़, डेवलपमेंट ग्रुप में 25 और टीएजीजी में 1 खिलाड़ी शामिल हैं। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों को देखते हुए भारतीय मुक्केबाज़ी टीम की तैयारियां तेज हो गई हैं और इन बदलावों से पदक उम्मीदों को और मजबूती मिली है।

सैफ महिला चैम्पियनशिप में मेजबान भारत ग्रुप-बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। सैफ महिला चैंपियनशिप के आधिकारिक ड्रॉ में मेज़बान भारत को ग्रुप बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ रखा गया है। ड्रॉ का आयोजन बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित सैफ सचिवालय में किया गया। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून तक गोवा के मडगांव में आयोजित होगा और सभी मुकाबले पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान को रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में भारत, बांग्लादेश और मालदीव शामिल हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। टूर्नामेंट की सीडिंग 21 अप्रैल को जारी फीफा महिला विश्व रैंकिंग के आधार पर की गई।

कुक का अजीबोगरीब बयान

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब बेथल को आईपीएल 2026 छोड़ने की दी सलाह

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलिस्टर कुक ने युवा बल्लेबाज जैकब बेथल को आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का बीच में ही साथ छोड़कर इंग्लैंड लौट आना चाहिए और काउंटी क्रिकेट में वार्विकशायर के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि बेंच पर बैठकर वह अपना बहुमूल्य समय गंवा रहे हैं। बेथल ने हाल ही में टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ 45 गेंदों में शतक जड़ा था। उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे तेज शतक में से एक लगाया था और अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करवाया था। हालांकि आईपीएल 2026 में जैकब बेथल को मौका मिलने का इंतजार है। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का हिस्सा हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के पास विदेशी विकल्प के रूप में फिल सॉल्ट, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड और जोश हेजलवुड मौजूद हैं और इस वजह से जैकब बेथल टीम में जगह नहीं बना पा रहे हैं। कुक का मानना है कि इस समय जेकब बेथेल की स्थिति उसके करियर के इस चरण के लिए बिल्कुल आदर्श नहीं है। स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि टॉप ऑर्डर में बेथेल की क्षमता पहले से ही स्पष्ट है और उन्हें लगातार खेलने के मौके देकर समर्थन देने की जरूरत है। कुक ने कहा, टॉप ऑर्डर बैटिंग के लिए, सिडनी में जिस तरह उसने उस अटैक के खिलाफ उन कंडीशंस में खेला... मैंने वहां एक खिलाड़ी को देखा है और मुझे यकीन है कि यह खिलाड़ी ओपनिंग कर सकता है। अगर वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है, तो वह ओपनिंग भी कर सकता है।" उन्होंने आगे कहा, बेथेल को वाकई ओपनिंग नहीं करनी चाहिए।

डोपिंग विवाद में फंसे मोहम्मद नवाज, पीसीबी की साख पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसके बाद आईसीसी ने जांच शुरू कर दी है। इस विवाद के चलते पीसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और इंग्लैंड में उनका काउंटी अनुबंध भी रद्द हो गया है। पाकिस्तान टीम के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज इन दिनों एक गंभीर विवाद में घिर गए हैं। हाल ही में उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हलचल मच गई है। यह मामला कथित तौर पर रिक्रिएशनल ड्रग के इस्तेमाल से जुड़ा है और इसकी जांच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के एंटी-डोपिंग नियमों के तहत की जा रही है।

52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता मेहर की जीत में रॉविन व इजहार चमके

जयपुर, 22 अप्रैल। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मैच में रॉविन सिंह 124 रन नाबाद की शतकीय पारी तथा इजहार खान 31 रन व 35 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत मेहर क्रिकेट क्लब ने यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब को 82 रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर मेहर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रॉविन सिंह 124 रन (114 गेंद, 7 चौक, 6 छक्के), उर्मित सिंह 52 रन (50 गेंद, 8 चौके, 2 छक्के) ने मिलकर 15 ओवर में 124 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की। मध्यक्रम में मानव रोहा 34 रन, इजहार खान 31 रन, आशीष शर्मा 20 रन की मदद से निर्धारित 40 ओवर में 4 विकेट खोकर 302 रन बनाये। गेंदबाजी में यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब की ओर से सचिन, अर्पित, मयंक स्वामी तथा देवेश शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर संफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में विशेष बेनीवाल 54 रन, अर्जित 43 रन, दीपक बड़ेतिया 27 रन तथा शेर सिंह यादव 22 रन को छोड़कर यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब का कोई भी बल्लेबाज इजहार 35 रन पर 3 विकेट, आशीष शर्मा 64 रन पर 2 विकेट, नितिन सिंघल 50 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष 34.1 ओवर में 220 रन बनाकर यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब की पूरी टीम सिमट गयी। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रॉविन सिंह मेहर क्रिकेट क्लब रहे।

राजस्थान के विनीत व अंशु बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में देंगे कोचिंग

जयपुर, 22 अप्रैल। राजस्थान के पूर्व रणजी खिलाडी व क्रिकेट कोच विनीत सक्सेना व अंशु जैन को बीसीसीआई ने पॉन्डिचेरी व सिक्किम में आयोजित होने वाले बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स प्रशिक्षण शिविर में कोच की जिम्मेदारी दी है। विनीत सक्सेना को क्रिकेट एसोसिएशन पॉन्डिचेरी के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स पॉन्डिचेरी में 11 मई से 6 जून तक व अंशु जैन को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ सिक्किम के रांगपो स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स में 11 मई से 9 जून तक आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर में कोचिंग देंगे।

राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट मूचू सिंह ने युवा फैंस से बातचीत की

जयपुर, 22 अप्रैल। वर्ल्ड ट्रेड पार्क और गौरव टावर में आज शाम "हल्ला बोल" का जोश देखने को मिला, जब राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट, मूचू सिंह, युवा फैंस और परिवारों से बातचीत करने के लिए शानदार तरीके से आए। शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच, अपनी खास मूंछों और एनर्जी के लिए जाने जाने वाले मूचू सिंह ने सैकड़ों बच्चों के साथ कई मज़ेदार एक्टिविटीज़ में हिस्सा लिया।

युग पुरुषों की शौर्य गाथाएँ आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने चूरू में ''शौर्य के साथ संकल्प दिवस'' पर ले.जनरल सगत सिंह की मूर्ति का अनावरण किया

चूरू/जयपुर, 22 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों एवं रणबांकुरों की धरती है। यहां के सपूतों ने अनेक युद्धों में वीरता एवं शौर्य का परिचय दिया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ को नमन करते हुए कहा कि वीर भूमि के इस सपूत ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर साहस का अप्रतिम उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि इन युगपुरूषों से युवाओं को दिशा मिलती है तथा इनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेंगी।

शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं 'शौर्य के साथ संकल्प दिवस' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह ने 19 साल की उम्र में बीकानेर रियासत की सेना में सैन्य जीवन से शुरूआत की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पद्म भूषण और परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के सम्मान में चूरू स्टेडियम का नाम सगत सिंह राठौड़ स्टेडियम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए सजग होकर निरन्तर कार्य कर रही है। डीडवाना-कुचामन में राजस्थान के पहले एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर की स्थापना की तथा नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोले जा रहे हैं। साथ ही, आरटीडीसी के सभी होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल की प्रतिमा अनावरण से नौजवानों को नई दिशा मिलेगी एवं आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के बलिदान एवं साहस का जिक्र करते हुए कहा कि भारत-चीन युद्ध में नाथूला बॉर्डर पर उन्होंने दुश्मनों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने आजाद भारत की सेना में विभिन्न पदों पर अपना कौशल सिद्ध किया। चूरू में जन्मे सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ मौजूद थे।

- **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ले.जनरल सगत सिंह के 1971 के युद्ध में योगदान को याद किया।**

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह भारत की सैन्य गौरवगाथा के अमर प्रतीक हैं। 1971 के युद्ध में मेघना नदी पार कर उनकी कुशल रणनीति ने पाकिस्तान को पराजित किया और बांग्लादेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया, विधायक हरलाल सहारण सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

क्या ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने राज्य के वकीलों द्वारा प्रस्तुत कानूनी तर्कों को भी खारिज कर दिया।

ईडी अधिकारियों के मौलिक अधिकारों को लेकर दिए गए तर्कों को संक्षेप में खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप की वास्तविकता निर्विवाद है।

मतदान दिवस नजदीक आते ही ममता बनर्जी का मानसिक संतुलन बिगड़ता हुआ प्रतीत हो रहा है और वे एक के बाद एक गलतियां कर रही हैं। उनके चुनावी भाषणों में न तो राजनीतिक सामग्री है और न ही नीतिगत चर्चा। वे असंबंधित मुद्दों पर टिप्पणी कर रही हैं।

एक चुनावी सभा में उन्होंने जलियां वाला बाग नरसंहार का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना के जवाब में महात्मा गांधी ने एक कविता लिखी थी, जिसे उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद लिखी गई कविता बताया।

उनकी इस तरह की गलतियां लगातार सामने आ रही हैं और लोग अब शायद इन पर ध्यान देना भी बंद कर चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यदि राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते हैं, तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। यदि बड़ी संख्या में तैनात केन्द्रीय बल हिंसा को रोकने में सफल रहते हैं और लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने दिया जाता है, तो तृणमूल कांग्रेस के लिए स्थिति कठिन हो सकती है।

लंबे समय से सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, सत्तारूढ़ तंत्र के लोगों द्वारा कथित आपराधिक दबाव और एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की निर्मम हत्या जैसी घटनाओं ने सरकार के प्रति नकारात्मक माहौल बनाया है।

इसके अलावा, ममता बनर्जी की मुस्लिम मतदाताओं पर पकड़ भी कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। समुदाय के भीतर से कई आवाजें उनके और उनकी सरकार के खिलाफ उठ रही हैं। इन बदलावों को देखते हुए वे बहुसंख्यक समुदाय की सहानुभूति हासिल करने के लिए अपनी नीतियों में बदलाव करती नजर आ रही हैं।

इस चुनाव के नतीजे काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि मुस्लिम वोट कितनी हद तक विभाजित होते हैं। जितना अधिक वोट तृणमूल कांग्रेस से दूर जाएगा, उतना ही अधिक लाभ भाजपा को होगा।

- **ममता जी के वकीलों की मजबूत टीम ने यह दलील दी कि ईडी को कोई संवैधानिक अधिकार नही है। सुप्रीम कोर्ट ने इन वकीलों की दलील को दो सैकण्ड में अस्वीकार करते हुए कहा। सरकार द्वारा छापे की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का मामला साफ दिख रहा है कहकर ममता जी के खिलाफ सख्त ''ऑब्ज़र्वेशन'' किए।**

ट्रंप ने ईरान के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी कूटनीतिक स्थिति को पुन: स्थापित करने और निवेश आकर्षित करने की कोशिश है। मिडिल ईस्ट में अस्थिरता पूँजी के संकट से जूझ रहे इस्लामाबाद के लिए अनुकूल नहीं है, क्योंकि यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए चुनौती है, बल्कि सऊदी अरब के साथ उसके सुरक्षा समझौते और खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भरता के कारण उसे संघर्ष में खींच सकती है।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स (पीआईडीई) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, तेल की बढ़ती कीमतें आयात बिल बढ़ाती हैं, महंगाई का दबाव बढ़ाती हैं और विनिमय दर पर दबाव डालती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ती है।''

रिपोर्ट में आगे कहा गया, ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जो अभी बंद है, अगर यह बंद लंबे समय तक जारी रहता है, तो औद्योगिक लागत बढ़ा सकता है और समग्र व्यापारिक विश्वास को कमज़ोर कर सकता है। इसके अलावा, ऊंची ऊर्जा कीमतें व्यापार घाटा बढ़ा सकती हैं और बाहरी वित्तीय जरूरतों पर दबाव डाल सकती हैं।''

अक्सर धार्मिक उग्रवाद के आंतरिक खतरों और कमज़ोर अर्थव्यवस्था के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समस्याग्रस्त देश के रूप में देखे जाने वाले इस्लामाबाद ने इस संघर्ष में अपनी तटस्थता और दोनों देशों से अच्छे संबंधों का लाभ उठाते हुए ''मध्यस्थ'' की भूमिका निभाने के मौके को हाथों हाथ लिया। पिछले सप्ताह तेहरान की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने इज़रायल और लेबनान के बीच युद्धविराम कराने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को खोलने में भी प्रगति की थी, हालांकि यह अल्पकालिक साबित हुआ। कई जगहों पर पाकिस्तान की छवि एक कमज़ोर अर्थव्यवस्था और आतंकवाद का समर्थन करने वाले देश की रही है। हालांकि, वह मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश है, जिसके पास 6 लाख सैनिकों की सेना है, इस नाते इस्लामाबाद मानता है कि वह अब तक अपनी क्षमता से कम प्रभाव डाल रहा था।

जैसे-जैसे एक नयी बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था आकार ले रही है, पाकिस्तान के नेता अपनी सैन्य ताकत का उपयोग करते हुए अधिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि कमज़ोर अर्थव्यवस्था और अस्थिर राजनीति की कमियों को संतुलित किया जा सके।

हाल के समय में पाकिस्तान की आर्थिक कमज़ोरी स्पष्ट रही है, जहां पैसे बचाने के लिए रोजाना बिजली कटौती की जा रही है और सऊदी अरब से 3 अरब डॉलर का आपातकालीन ऋण लिया गया है। वह उम्मीद कर रहा है कि बढ़ती वैश्विक साख से उसे अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, इसके लिए करों में कमी और मजबूत कानून जैसे आर्थिक सुधार भी जरूरी होंगे। पाकिस्तान पहले ही अमेरिका के साथ कई आर्थिक समझौते कर चुका है। यदि ये वार्ताएं युद्ध को समाप्त करने में सफल रहती हैं, तो इससे इस्लामाबाद की विश्वसनीयता और बढ़ेगी और नए अवसर खुलेंगे।

लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि यदि बातचीत विफल होती है, तो पाकिस्तान पर भी इसका दोष आ सकता है। पहले से ही इस्लामाबाद पर अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के आरोप लगते रहे हैं, और ऐसा प्रभाव देश के भीतर उन वर्गों को पसंद नहीं आएगा, जो अमेरिका का विरोध करते हैं।

आईआरएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर का पुराना नौकर है। उसे करीब एक महीने पहले पैसों में गड़बड़ी के आरोप में काम से निकाला गया था। राहुल मीणा राजस्थान के अलवर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, वह करीब आठ महीने तक आईआरएस अफसर के घर पर नौकर था। वह आईआरएस अफसर के घर के हर कोने से वाकिफ था। उसे यह भी पता था कि युवती के माता-पिता कब वॉक या जिम के लिए घर से निकलते हैं।

प.बंगाल की 84 एससी/एसटी बहुल सीटें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एससी और 7 एसटी सीटें जीतीं, जबकि टीएमसी का प्रदर्शन भी लगभग बराबरी पर रहा, क्योंकि पार्टी ने 36 एससी सीटें हासिल कीं।

इस चुनाव में टीएमसी और भाजपा दोनों ही अपने पक्ष में वोटों के रुझान (स्विंग फैक्टर) पर भरोसा कर रही हैं। इन पार्टियों के प्रमुख नेता, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल हैं, ने जंगलमहल क्षेत्र के पुरुलिया, बंकुरा, पश्चिम मिदनापुर और झारग्राम जैसे इलाकों में व्यापक प्रचार किया है।

इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र उत्तर बंगाल के रुप में उभरा है, जहां एससी और एसटी आबादी का मिश्रण है और जिसमें कूच बिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी तथा पूर्व और पश्चिम दिनाजपुर जिले शामिल हैं। बांग्लादेश से सटे दक्षिण बंगाल की एससी-बहुल मातुआ बेल्ट भाजपा के लिए एक खास लक्ष्य रही है, जहां वह राजबंशी समुदाय के बीच भी अपना आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है। वहीं टीएमसी को उम्मीद है कि वह अपने स्थानीय विकास कार्यों और ''लक्ष्मी भंडार'' जैसी कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर इन 84 सीटों पर अपना प्रभाव बनाए रखेगी।

संजय झा फिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। निशांत कुमार को लगातार पार्टी गतिविधियों में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे पार्टी कार्यालय में बैठकों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि वे अगले महीने बिहार यात्रा पर भी निकल सकते हैं, जिससे जदयू के जनसंपर्क अभियान को और गति मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908